

AVIATION

THE OLDEST AMERICAN AERONAUTICAL MAGAZINE

A MCGRAW-HILL PUBLICATION . . . ESTABLISHED 1916

EDWARD P. WARNER, *Editor*

Index to Volume 30

January to December, 1931

Published Monthly by
MCGRAW-HILL PUBLISHING COMPANY, INC.
330 WEST 42d STREET
NEW YORK CITY

100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524	525	526	527	528	529	530	531	532	533	534	535	536	537	538	539	540	541	542	543	544	545	546	547	548	549	550	551	552	553	554	555	556	557	558	559	560	561	562	563	564	565	566	567	568	569	570	571	572	573	574	575	576	577	578	579	580	581	582	583	584	585	586	587	588	589	590	591	592	593	594	595	596	597	598	599	600	601	602	603	604	605	606	607	608	609	610	611	612	613	614	615	616	617	618	619	620	621	622	623	624	625	626	627	628	629	630	631	632	633	634	635	636	637	638	639	640	641	642	643	644	645	646	647	648	649	650	651	652	653	654	655	656	657	658	659	660	661	662	663	664	665	666	667	668	669	670	671	672	673	674	675	676	677	678	679	680	681	682	683	684	685	686	687	688	689	690	691	692	693	694	695	696	697	698	699	700	701	702	703	704	705	706	707	708	709	710	711	712	713	714	715	716	717	718	719	720	721	722	723	724	725	726	727	728	729	730	731	732	733	734	735	736	737	738	739	740	741	742	743	744	745	746	747	748	749	750	751	752	753	754	755	756	757	758	759	760	761	762	763	764	765	766	767	768	769	770	771	772	773	774	775	776	777	778	779	780	781	782	783	784	785	786	787	788	789	790	791	792	793	794	795	796	797	798	799	800	801	802	803	804	805	806	807	808	809	810	811	812	813	814	815	816	817	818	819	820	821	822	823	824	825	826	827	828	829	830	831	832	833	834	835	836	837	838	839	840	841	842	843	844	845	846	847	848	849	850	851	852	853	854	855	856	857	858	859	860	861	862	863	864	865	866	867	868	869	870	871	872	873	874	875	876	877	878	879	880	881	882	883	884	885	886	887	888	889	890	891	892	893	894	895	896	897	898	899	900	901	902	903	904	905	906	907	908	909	910	911	912	913	914	915	916	917	918	919	920	921	922	923	924	925	926	927	928	929	930	931	932	933	934	935	936	937	938	939	940	941	942	943	944	945	946	947	948	949	950	951	952	953	954	955	956	957	958	959	960	961	962	963	964	965	966	967	968	969	970	971	972	973	974	975	976	977	978	979	980	981	982	983	984	985	986	987	988	989	990	991	992	993	994	995	996	997	998	999	1000
-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------

(*) Abstracted; (L) Editorial; (P) Feature article; (C) Letter

100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524	525	526	527	528	529	530	531	532	533	534	535	536	537	538	539	540	541	542	543	544	545	546	547	548	549	550	551	552	553	554	555	556	557	558	559	560	561	562	563	564	565	566	567	568	569	570	571	572	573	574	575	576	577	578	579	580	581	582	583	584	585	586	587	588	589	590	591	592	593	594	595	596	597	598	599	600	601	602	603	604	605	606	607	608	609	610	611	612	613	614	615	616	617	618	619	620	621	622	623	624	625	626	627	628	629	630	631	632	633	634	635	636	637	638	639	640	641	642	643	644	645	646	647	648	649	650	651	652	653	654	655	656	657	658	659	660	661	662	663	664	665	666	667	668	669	670	671	672	673	674	675	676	677	678	679	680	681	682	683	684	685	686	687	688	689	690	691	692	693	694	695	696	697	698	699	700	701	702	703	704	705	706	707	708	709	710	711	712	713	714	715	716	717	718	719	720	721	722	723	724	725	726	727	728	729	730	731	732	733	734	735	736	737	738	739	740	741	742	743	744	745	746	747	748	749	750	751	752	753	754	755	756	757	758	759	760	761	762	763	764	765	766	767	768	769	770	771	772	773	774	775	776	777	778	779	780	781	782	783	784	785	786	787	788	789	790	791	792	793	794	795	796	797	798	799	800	801	802	803	804	805	806	807	808	809	810	811	812	813	814	815	816	817	818	819	820	821	822	823	824	825	826	827	828	829	830	831	832	833	834	835	836	837	838	839	840	841	842	843	844	845	846	847	848	849	850	851	852	853	854	855	856	857	858	859	860	861	862	863	864	865	866	867	868	869	870	871	872	873	874	875	876	877	878	879	880	881	882	883	884	885	886	887	888	889	890	891	892	893	894	895	896	897	898	899	900	901	902	903	904	905	906	907	908	909	910	911	912	913	914	915	916	917	918	919	920	921	922	923	924	925	926	927	928	929	930	931	932	933	934	935	936	937	938	939	940	941	942	943	944	945	946	947	948	949	950	951	952	953	954	955	956	957	958	959	960	961	962	963	964	965	966	967	968	969	970	971	972	973	974	975	976	977	978	979	980	981	982	983	984	985	986	987	988	989	990	991	992	993	994	995	996	997	998	999	1000
-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------



A GOOD START
1931

EACH new year is opportunity.

Eclipse's opportunity is to continue the dependable service which Eclipse Starters and Generators have steadily performed for Avco.

For 1931 stock—let
YOUR OWN
PFE.

ECLIPSE AVIATION CORPORATION

EAST ORANGE • NEW JERSEY

(Division of Bendia Aviation Corporation)

James H. Ferrell
Managing Director

Gregory H. Goss
Assistant Editor

Deborah Butler
Assistant Editor

David E. Lewis

Colin R. Miller
Pacific Coast Union

H. Eugene Brown, Jr.
Contributions Editor

AVIATION

The Oldest American Aeronautical Magazine

HOWARD P. MARSH, JR.

Linda F. Brown, Publishing Director

Copyright, 2002, by McGraw-Hill Publishing Company, Inc.

CONTENTS FOR JANUARY, 1931

Volume 34, Number 3

What's the Year in Color? By EDWARD F. WATNEY	16
1958 Pattern in Review	14
Trends of the Industry During 1958 By J. HENRY BREWER JR.	12
Air Transport Progress	18
Alphabet Dodge	22
Power Plant Progress By G. F. FAYETTE TRACY	26
Aircraft Development By GEORGE CARLTON FOLKES, AIAA	28
Airport Construction in 1958	30
Development of Military Aircraft By Major CLARENCE W. ALBERTS	24
Childing Activities	27
Program of Research and Invention By ORIN C. RIPPET	39
Progress in Aircraft Material Development By C. D. DILLON	60
American Aeronautics Award By LEIGHTON W. BROWN	42
Aeronautical Plans in 1958 By E. S. DOWE	45
Flight, Construction, and Research	

2014年12月15日 星期一 12:00

FOR YEARS OF SERVICE (NEW) 0	ENTITLED SHORT TERM 00
TRANSFERS AND REASSIGNMENTS 00	TECHNICAL ABILITIES 00
FLYING EQUIPMENT 00	SPIN SLIPS 00

Political society. *United States, Canada and Mexico, 1870-1900* (London and New York: Arnold, 1934) 4 vols. 25 (1900) numbers. 25.00. 12 (1900) copies. Bound as second-class matter July 25, 1924, at the Post Office at New York, N. Y., under the Act of March 3, 1879. Printed at P. O. No.

[illegible]

McGraw-Hill
Publishing
Co., Inc.

Young, Jpn. and India Pl.
New York, N. Y.

[illegible]

TACOMA PUBLIC LIBRARY

IRVIN
Air Chute

MADE BY WHITE CO. INC.
NEW YORK, N.Y.

"Irvin Parachute", our standard picture on all school supply lists, showing the Irvin Air Chute in action, is available from all Chicago schools, clubs and organizations interested in aviation. Send for booklet and particulars.



Above: As early as 1923 Clero's work gained attention with the first successful flight of the Autogiro at Madrid.

At extreme right: In the fall of 1928, Harold G. Phipps brought the Autogiro to America. It is here shown on its first flight in this country, on December 19th, at Piversa Field, Phoenix, at the controls.

Among the Autogiro's notable flights during 1929 was the slightly mentioned demonstration to the National Advisory Committee for Aeronautics at Langley Field and Clero's flight at the National Air Races at Cleveland.



Above: In 1929 the Autogiro reached a stage of development which completely proved the soundness of Clero's theory. The Autogiro was flown by over 60 pilots here and abroad, covering thousands of air miles and so many flying hours that the potential value of the Autogiro was no longer in doubt. The photograph shows an Autogiro, piloted by James Ray, taking off at Newark after its characteristically short run.

At right: The Autogiro is here shown landing one of the Flyboats (the 1928 Clero's) at New York, where three months ago daily flights. These have left local daily flights at Piversa Field and Longmeadow in Washington, New York, Philadelphia, Detroit, New York, Cleveland, Boston, Baltimore, Atlantic City, and at over fifty important air ports in the East.

The Phipps-Clero Autogiro Company of America is not a manufacturing company but an engineering and licensing organization exclusively. It holds all rights under the Clero patents for the United States. It will license qualified manufacturers to produce and sell Autogiros, and will extend to each licensee the full cooperation of its engineering and development resources.

PITCAIRN-CIERVA AUTOGIRO COMPANY OF AMERICA, INC., LAND TITLE BUILDING, PHILADELPHIA

Over 100,000 miles of successful flight

At left: 1928 was marked by successful demonstrations at the Hendon Air Pageant in England, and in 1929 an estimated world tour the Autogiro. By more 1,000 miles around Great Britain and from London to Paris, Berlin, Rotterdam and Toronto. Photograph shows Clero at Le Bourget, Paris, after his first transatlantic flight.



AUTOGIRO
GEORGE F. C. & CO. OF AMERICA, INC.

We Start 1931 SOUND

S. L. Gabel

Aviation has established itself as a necessity...

It has become a part of the everyday life of many people the world over...

Therefore, let those who have brought it thus far, and who have done the work, continue with faith to solve the problems of the future.

SUMMERILL TUBING COMPANY
BRIDGEPORT (PHILA. DIST.) PA.

THE STRENGTH OF THE PLANE IS IN THE TUBING

TUBING by SUMMERILL



New Westinghouse Airways Code Beacons ready for shipment.

THE NEW AIRWAYS CODE BEACON

IN accordance with the newly revised regulations of the Department of Commerce providing that all aeronautical beacons have specific color characteristics, Westinghouse has manufactured a new multiple light source beacon.

This beacon flashes out its code of light in all directions to indicate a landing field, an established airway, or to mark a point from which a bearing may be taken to reach a landing field. The beacon shows three beams; one of

10,000-candlepower in the horizontal plane, the second of 7,500-candlepower at a higher angle, and at the highest angle a 5,500-candlepower beam.

One of the experiences that has produced equipment for the best possible airway and airport lighting comes this code beacon. It is the latest addition to the Westinghouse complete line of lighting equipment with which you can fill every lighting requirement to give your airport the highest governmental rating.

The Highways of the Air Meet at Well-Lighted Ports

Westinghouse



TUBE IN THE WESTINGHOUSE AIRWAYS CODE BEACON THE U. S. C. PATENTED UNDER EVERY TUBULAR SYSTEM.



**ON THE AIRWAYS
TO-DAY** - as on the
highways
for the last
30 years -

*Guaranteed
Forgings*



WYMAN-GORDON WORCESTER, MASS.
AND HARVEY, ILL.



Eliminates Ignition Interference

THIS new B. G. radio shielded spark plug—in conjunction with shielded magnetos and harness—eliminates all ignition interference; it keeps out dirt, water and oil, and gives positive contact.

Like other B. G. spark plugs, the new radio shielded plug is insulated with mica—the superior insulating material.

It has standard shell and core boxes, can be easily serviced with standard B. G. wrenches and tools, and assembled to harness without solder. Its terminal connections fit any make of shielded harness, and are interchangeable on all types of B. G. radio shielded spark plugs; elbow terminal prevents short-bend wear and tear on harness, is easily removed, and provides quick accessibility.

The Hornet size B. G. radio shielded spark plug has an overall length of 3" from cylinder gasket seat, and weighs only 3-1/16 ounces complete with terminal.

This new B. G. plug is made in types for super-charged and super-compressed engines, and with range of operation to meet the idling conditions of winter, as well as those of full throttle.

It is manufactured under exclusive B. G. patents granted and pending.

Write for detailed information.

THE B. G. CORPORATION

136 WEST 52nd STREET, NEW YORK, N. Y.

Cable Address: Golston, New York.

CONTRACTORS TO THE UNITED STATES ARMY AND NAVY

**NOW BEING USED BY
THESE LEADING
TRANSPORT COMPANIES**

Boeing Air Transport
(United States)
Colonial Air Transport
Eastern Air Transport, Inc.
National Parks Airways
New York, Philadelphia and
Washington Airways Corp.
Pacific Air Transport, Inc.
Southern Air Transport
Transcontinental
and Western Air, Inc.
Thompson Aircraft Corp.
Universal Air Lines, Inc.
Varney Air Lines



on the right-hand and of one's fingers, the nerves have a respectable habit of transferring themselves to the left-hand side of the column. Suppose we compare, for a change, with locomotive production, which is a sound and respected business, and which aggregates around seventy-five million dollars a year, only about 50 per cent above our production of airplanes in this year of lamentation.

We of AVIATION hope for growth, so does the whole industry. We want to see things done that will make it possible and that will multiply production and sales, but even at the present, even without introducing any innovation, we have a perfectly good business in our hands. The industry is gradually being recognized to make the most of that business. Necessary reorganization is not yet completed, and it is in that sense that delusion and confusion, but the delusion that we have heard of late is one of resignation rather than of straight horizontal rebellion. Individual units in the industry are going to meet better hardship, and some are going to give up the struggle, but the industry as a whole has made the laws to the upgrade.

The foremost requirement for taking advantage of existing possibilities is an energetic continuation of sales effort. There has been a spirit of dejection in many quarters. A feeling has arisen that sales might as well be left to make themselves without conscious search for customers.

That way lies disaster. If sales effort has seemed to be wanted, and if such sales as have been made have been the results of happy accident rather than of deliberate quest, it proves only the need for a more careful study of the market and its desires. We said all that a year ago. We say it again now. Airplanes can be sold, not a hundred thousand airplanes a year, but a very substantial number. They can be sold by finding people who are in a position to buy and who have some definite use for the machine, and by analyzing the means of every dealer to make a sale. The sale of airplanes has become a matter of economics. Customers can no longer be persuaded to buy machines for their supposed publicity value, nor can they be induced to produce their cheque-books by picturesque tales of salesmanship. A grain of analysis of the needs of the customer will be worth a ton of "cleverness" in overhauling in 1931.

SOARING SCIENCE

IT HAS taken something more than a year of very exciting and costly experience for us to learn in America that there are two kinds of soaring flying—the gliding and soaring desire entirely distinct problems—and that neither one is a foolproof routine with which untrained school boys may supplement baseball.

Gliding, where no rising air currents are available,

is of no benefit either to aeronautical or ornithological science. It is useless to lead to any contribution to aircraft design. Its charm is a sport very quickly eaten for most, although not by any means for all, of those who engage in it. Its direct effect on the rules of the industry is negligible. It has only one lasting value, but that one is of first-class importance, and must not by any means be underestimated. It helps to make flying look simple and commonplace.

We still suffer in promoting aviation from the conviction of a great body of ordinary citizens that there is something tricky about it, something that can only be mastered by those specially qualified and after long application. We suffer from the notion existing in the same quarters that the airplane is a beast of volatile temperament, not really understood even by its professional students, and liable to the most eccentric behavior.

Right there gliding comes in. It is difficult to maintain any such delusions in the face of the fact that one's own nephew and his best friend and the neighbor's boy across the street, ranging in age from fifteen to nineteen, have all mastered the ability to keep an aircraft right side up and talk reasonably about the action of its controls within three or four afternoon's practice. Many of the glider pilots will abandon gliding in the course of a few months and turn to some other fact. They do not offer any huge salaries for equipment, such as a part of the industry optimistically forewent last spring, but they do offer a very definite prospect of a career and more reasonable attitude, on the part of their relatives and their relative's friends, towards flying as a career activity. If the aircraft industry is far-sighted, it will encourage gliding and try to keep glider clubs continuously alive in spite of those frequently heavy turnover of personnel. The industry should support the glider, not as an immediate means of keeping its business busy, but by way of developing good will which will begin to pay dividends two or three years hence.

But that is only one side of amateur flying. There is another, certainly at least as important, aspect for aviation during the past summer: is the rush for high-pressure conservatism, for mass production, and for spectacular and picturesque demonstration.

With a favorable terrain, proper equipment, and all other conditions suitable, gliding grows into soaring. And soaring offers both the superlative opportunity for display of the pilot's art and an instrument of research of the first class.

AVIATION has been very suspicious about the glider movement in its original presentation, and very conservative in its support. Our interest in soaring flight and our desire that it should be studied as intelligently and as exhaustively in the United States as it has been in Germany, on the other hand, knows no bounds. It was with particular pleasure that we made our contribution to the success of the National Soaring Meet at Elkins as the outcome of the National Soaring Meet at Elkins by providing all the prizes money for the students and by having members of our staff on the scene for a considerable part of the meet to assist in

AVIATION January, 1931

conducting the contests. The technical results justified our fondest hopes.

The pilot of an aircraft can never ignore the status of the medium in which he travels, but he has little opportunity of investigating its peculiarities while cruising at 120 miles an hour along transport routes. The chance for really careful study of atmospheric structure, analyzing all the odd responses of the flow of air to irregularities of terrain or of cloud formation, comes only in the soaring pilot. The information that he acquires is of constant importance for the safe and economical operation of aircraft. The transport operator and the manufacturer had better take him as a valued partner, not view him with petting tolerance as a boy engaged on playthings. Soaring research deserves serious promotion both by the industry and by the N.A.A.U., the universities, and other scientific institutions. The name of Robert Korffeldt, greatest of soaring pilots, deserves to be honored wherever men think seriously of flying.

ROME WAS NOT BUILT IN A DAY

SQUASHES mature in a few short weeks, and are suffering fast squashes. The oak tree takes years to develop and is one of the mightiest works of nature. A great and enduring industry must be gradually created over a considerable period of time. No great work is accomplished overnight. It is unreasonable to expect aviation, which was only a dream for thousands of years, and little more than a plaything until within the last fifteen, to grow up overnight into equality with the other major transport industries of the world.

Air transport is the latest and most novel step in the history of human transportation development. No other step has been hurried. Ocean shipping took hundreds of years to develop. Steam railroads extended their development over generations. The comparatively applicable transport airplane did not exist in any acceptable form until after 1925 and is still in evolution.

Air transport is revolutionary. It contradicts all established modes of thinking and acting. To implant it is the fabric of industrial life we must completely upset the present order of business. Eventually the whole world will be geared to the new pace, but to accomplish such a great change we must allow sufficient time for the old methods to be re-molded.

Especially for the past three years we have been possessed of a vision for realizing the "Air Age" overnight. We have tried to reach the horizon in a single jump. We have found the general public and the average business man slow to respond in a program of which they were by nature suspicious because it concerned matters absolutely foreign to the personal experience of most of the individuals concerned. Air transport has

been a new and untried factor in travel and is being required to prove and re-prove itself before receiving universal patronage.

It will be a good thing for air transport, for aviation in general, and for all organized industry if aeronautical executives will pay more attention to consistency than to speed in progressing toward the "Air Age." The less disturbance of business that is caused by the establishment of air transport the better for all concerned. We have right now a splendid opportunity for us to get our visions of the aeronautical future into proper relation with our common sense understanding. The dreamers have had their day. Let the industry now follow the glider who looks before he leaps and who makes every step count.

A CONFERENCE—AND THE CHAMBER

IN THE editorial "A Conference That Got Results" in the November issue of AVIATION, the endeavor to stimulate opinion led to an session of explicit action of the part played by the Aeronautical Chamber of Commerce in paving the way for the meeting of the industry with the Department of Commerce. The session of the meeting in Washington was, as our previous editorial observed, the result of careful advance preparation. The preparation itself was, as everyone on the scene fully realized, mostly the work of the commercial manufacturers' section of the Chamber, which called a meeting at which a preliminary consensus of the views of the industry was obtained and the way prepared for a plain and concise expression of the collective opinion to the Department. As we have already observed editorially, the method functioned as admirably as to set a standard for the future, and there should be no withholding of credit from either individual or organization that shared in making the plans and executing them.

SPEAKING OF RESEARCH

NOTHING is easier, and nothing demands less courage, than assuming scientific work for the benefit of a non-scientific audience. The general public, and even most of us who are engaged in applying science to industry, have little understanding of scientific theories or of laboratory work, and it is immensely comforting to find that people who pretended to be so much wiser than we ourselves, and claimed to be "undecided as to their staff," were wrong all the time.

To send the scientist is the safest of promises, for he

has neither the inclination nor the equipment for rational, reasoned and orderly discussion in reply to a resolution sent on the other of work done in a laboratory is quite impossible before an audience that has no background of experience of its own to give it an understanding of the nature of the controversy.

The National Advisory Committee for Aeronautics has had its share of vilification. Perhaps no answer, and not even passing comment, is necessary. The steady growth of interest in the industry's progress to Langley Field, started since 1916, and the lively discussions that take place there, give evidence of the extent in which manufacturers and operators hold the N.A.C.A. Nevertheless it is worth recalling how much reference that body's activities have already had on American aeronautical development. Let us take an example.

The reason and wing coverings are the most conspicuous of recent contributions to aerodynamic efficiency. They are the creative invention of an individual or group. Their genesis can be traced back at least to 1903. They have appeared in various forms here and abroad—but the most important single step in practical application was the direct quantitative proof of the reduction in resistance they permitted. Without the tests that were made at Langley Field, the new forms of wing might have been suggested and argued and perhaps tried in a small way but their general acceptance would have been a matter of many years. Even in England, the original home of the ring, its adoption as a standard feature of airplane design has been enormously accelerated by the American laboratory work, which has given governments in place of specialized results, and definite recommendations of resistance in place of speculations based on a measurement of maximum speed. The most important function of the Committee, in short, was not to invent a new type of covering, but to determine the relative merits of all available types and to make the determination on a scale which no other laboratory in the world was prepared to duplicate.

It is a good general rule that there are three types of research work, and they are adapted to three different types of organization. First, and in the very long run most important, is contribution to pure science and underlying theory, perhaps most generally the product of members of the staffs of educational institutions or of laboratories endowed by private capital or by specially privileged industries. At the other extreme is the study directed to solve a particular and specialized problem of a particular design, or to lead directly to the invention of a new proprietary device, and that is the proper sphere of the research department of a corporation. It is a sphere, be it said in passing, not as yet sufficiently employed by American airplane manufacturers, for in the face of the great advance of the industry in 1928 and 1929 the absence of research departments in most airplane factories remained a proper ground for surprised comment by foreign visitors and for those-dreaded technological by American engineers.

Between the two extremes there is a third class of work, the conduct of "practical" studies, general but

immediate in their application. This is the particularly fitting task for a government laboratory.

To produce a theory of best flow which will make it possible to calculate the cooling characteristics of an air-cooled cylinder is the function of an individual mathematical physicist, and it is on a college faculty that he will most often be found. To determine the cause of repeated spark-plug failure in the XYZ engine is the responsibility of the XYZ Engine Company. But to find out by actual measurement on a group of typical engines how temperatures are typically distributed in cylinders and how they are affected by changing conditions of slight, information that can be applied to the XYZ engine or any other, is work most profitably to be undertaken for the general good, and for general dissemination of the results, by such a body as the Advisory Committee.

The determination of design data may not be inspiring or spectacular. It does not appeal to the imagination as does an invention, but it is extraordinarily important. Without it, design does not progress.

The structural design of every airplane built in the United States today is dependent to some degree upon the N.A.C.A. work on pressure distribution and air flow in flight. The structure of airplanes has rested on a rational foundation for the first time through the studies made on pressure distribution on flat bottoms. The airplane being built at Alcock will be a stronger and a lighter craft than would be possible without the N.A.C.A. measurements on the Los Angeles. Examples can be multiplied without number.

Science is a term that covers a multitude of widely different things. Not the least important among them is the skilful devising of means for accomplishing data upon which the designers of engineering material may lean.

The Advisory Committee has acquired the material and the personnel to do that work for American aviation, and has been doing it. Aeronautical engineers in Europe are quick to express their envy of their American colleagues' good fortune in having at their disposal an institution of such resources.

Genealogy of Aviation

AVIATION was founded by Lester D. Gardner, the first issue appearing Aug. 1, 1916, as *Aviation and Aeronautical Engineering*. In 1920 the *Aircraft Journal* was absorbed and the title became *Aviation and Aircraft Journal*, to be simplified into *Aviation* in January, 1922. The chief editors have been Ladislaus Dvorak, W. Lawrence La Page, Earl D. Osborn, R. Sidney Brown, Jr., and Edward P. Warner.

The present staff consists of Edward P. Warner, editor; Ladislaus D. Dvorak, managing editor; R. Sidney Brown, Jr., contributing editor; Charles P. McHenry, Pacific Coast editor; Charles H. Gale, Daniel Segre, and David J. Lusk, assistant editors.

The Trend of Activities

SALES, PRODUCTION AND GENERAL

THE Curtiss-Wright Flying Service has announced that its photographic division has completed work on planes graphing 1,000 hours of the United States government in connection with the flood control program along the Mississippi River. Work was started on Oct. 12 and it was believed at that time that five months would be necessary to accomplish the work, one of the first that 10,000 individual negatives were to be taken and approximately 10,000 on films. Recently, on Nov. 12, William L. Thompson, secretary of the photographic division, reported that 1,670 of the 1,000 hrs. had been photographed, an average of 32.4 hrs. a day. During that 30 day period, 35,000 negatives and 130 rolls of special film were exposed in more than 500 hrs. of flight. Four aerial survey crews carried on the photography work and the photos were sent to the Coast and Geodetic Survey.

As members of the companies study to-day flights by Capt. Frank Hawks—his first between New York and Miami plane—brought to public attention a new factor for the conservation of fuel. It is known to all that the fuel economy of the D. Miles Rose biplane, which Hawks piloted the instrument, and it is reported that the results of the tests were satisfactory by more than 20 per cent. (A technical description is included in the Transport and Engineering section—Ed.)

As testimony to the success of the flight on Oct. 24, an agreement was begun to establish what is viewed as a world's record non-stop non-stop flight. At that time, points Leo B. Ford and Walter Hall and Jenkins took the monoplane City of Los Angeles into the air over Lake City, California.

The flight was planned by the pilot, the idea of the flight was to prove the endurance and reliability of the equipment, rather than of the men, and the flight was sponsored by J. Warren MacArthur, president of the United Aircraft Manufacturing Company and developer of the engine. The plane was not to be retained in the air, but was to be refueled as it went, and it was to be refueled as fast as possible, with the engine running and an A.N.A. observer on hand to see that the engine was not damaged. After each refueling on the ground, the ship took off immediately to cruise at an altitude of 7,500 ft. a.p., and the next land-

ing. At 11:16 p.m., Nov. 15, the plane landed at the last time and the official N.A.A. observer for the flight announced that the present flight had been completed continuously for a total of 271 hr., 48 min.

Flight support plans were responsible for refueling the flight. The plane flew on only one cylinder for the last 12 hr. An immediate inspection of the engine while it was still running showed that another cylinder had stopped functioning because of spark plug fouling. The remaining five cylinders did not provide sufficient power for safe flying. During the flight the oil was changed eleven times. The plane landed 80 times and spent a total time on the ground of 12 hr. 10 min., each landing and refueling requiring an average of 9 min. 16.3 sec.

The Karl-Ross Aircraft Corporation, recently acquired by the C. E. Lytle Investment Company of Sioux City, Iowa, will reopen and later than the end of this month. The plant was closed last spring, but experimental manufacturing work to produce a new Karl-Ross coupe was carried on.

The Brewster-Hilland Aircraft Corporation of Kansas City, Mo., has contracted for exclusive distribution of Kinner Airplane and Engine Company products in the United States. The company is already handling Wright products in approximately the same territory.

A plea made by the American Eagle Aircraft Corporation to officials, asked that they delay legal action and accept non-conviction hearings since maturing Nov. 15, 1931, for debts made by the company. The statement signed by E. E. Porterfield, Jr., president of the company, contained a warning of the danger of insolvency provided conditions were not met. The statement also stated that the company can work out its situation if allowed another year to operate. American statistics show that 1928 reports company assets as totaling \$250,000. An equity in assets appears to be sufficient to bring the total up to \$500,000. Against this there are reported claims of only \$187,000. In the recent statement, Mr. Porterfield said that his company had some \$100,000 in total liabilities by a very substantial margin. The thing that the company lacks is cash.

Plans are practically completed for the third Miami Air American Air Race to be held at the Miami Municipal

Airport on Jan. 8, 9, 10, 1931. The race last year netted \$75,000. There are a total of 24 events. The day following the Miami Race will see the start of the 1931 National Air Florida Air Race, sponsored by the National Aeronautic Association and under the direction of the Florida State Chamber of Commerce. The race will start from Miami and several cities in Florida, ending at Jacksonville on Jan. 25.

The National Aeronautic Association made the announcement that the T.A.I. has confirmed a world's record for Cessna C-190s, a speed of 144.42 in a mile, made by a Ford Transport carrying a payload of 2,000 kilograms (4,409.24 lb.) for 100 km, piloted by Leroy Manning. The plane was a three wing model, powered with standard engine, without superchargers. One of the main objectives of the International Aeronautic Association, held in Paris Nov. 28 to Dec. 12 was a new high speed airplane. All-steel each plane carried by the Ford Motor Company. The plane was similar in type to Ford Chaparral plane used in America. However, speed situation was given rise to the intense discussion at the time. The appearance of the plane carried a note of alloy history and comfort.

In a report recently issued by the Aeronautics Branch of the Department of Commerce on the progress in scheduled air transport operation during the year 1930, it is stated that the British winged a total of 16,002,000 miles in the period covered by the report. As a result of these statistics, there were 183 airplanes of various types, 164 airplanes, 22 biplanes, 44 monoplanes, 16,025,000 miles in 1930, 20 plane hearings and 12 cases were reported in the Department. Another interesting item in the report is that of the 12,000 pilots held in the United States. At the close of the year, approximately 600 were employed on scheduled air mail and passenger lines. The number of pilots not employed on scheduled air mail operations was close to 100 per cent more than the number on scheduled air mail operations at the close of the year. The Aeronautics Branch feels that a not undesirable condition. It not only indicates a better market for aircraft but also indicates the existence of a potential market. In the United States, 1928-1930, there were 10,000 pilots; between 1930 and 1931

Department. That is approximately twice as many as was granted during the preceding fiscal. License renewals during the fiscal year totaled 9,360, and student pilot permits granted totaled 21,181. That represents large increases in both classifications. In addition, there were 39 licenses issued for glider pilots, 3,719 licenses for mechanics and a total of 2,219 mechanics' licenses were re-

*To those who question the desirability of approved flying schools, the following item should be of interest:

Failures in examinations of applicants for Department of Commerce pilot licenses were less than a fourth as frequent among students of civilian flying schools approved by the Department as among students not enrolled in such schools.

months of 1934, 92.66 per cent of the applicants from approved schools were successful in finding the requirements of the Act. In 1935, 92.66 per cent, in 1936, 67.34 per cent of the applicants who did not receive training in an approved school successfully passed the test and were accepted for training. The students enrolled in approved schools revealed that 85 per cent annually received their flying courses and obtained their licences. The majority of the students were employed in agriculture, commercial, or transport jobs. The remaining 8.4 per cent reside not only those who dropped out voluntarily but also those who were dropped by the school for financial reasons, but also those who were dropped by the school or who were disappointed by income. At present, there are 14 flying schools in the United Kingdom, of which 10 are approved schools approved authorities. The total of infirm schools began July 1, 1928, was 1,000, and by July 1, 1936, had been reduced to 100. The total had been reduced from the first of 1936.

* *W* refers to the value of a word.



North Vietnam at the end of any transportation. While which fell, just one hour above at the flying-off point.

tion on gasoline consumption, it is interesting to note that airplanes engaged in both scheduled and unscheduled flying operations consumed 12,007,032 gal of gasoline and 537,212 gal of oil during 1949-50, or flying in the first six months of 1950. A total of 4,218,271 gal of gasoline and 202,249 gal of oil were used by air transport planes during this period. During the same period a total of 6,689,261 gal of gasoline and 334,961 gal of oil were used in 51,797,200 miles of flying by airplanes used in miscellaneous operations.

*This new regulation attends to entry and clearance of foreign apparel recently drafted by the customs division of the Treasury Department, following a conference with the officials of the American Branch, through that division.

Foreigners arriving from the plane had passed through the airport's normal immigration and customs inspection procedures. The plane was en route to the first destination in the United States where a permit may be obtained if the plane is not immediately departing from the country. Under the permit, a foreign plane may proceed to the second destination in the United States, subject to the prohibition contained in the Air Commerce Act against the transportation of merchandise or passengers for hire between points in this country. The plane, however, is not permitted to land if it has not been authorized within 30 days, customs authorities will check up on the whereabouts of the plane to determine whether it has been sold or otherwise disposed of, and there is no doubt that the plane will be seized and considered upon leaving the United States at the airport of entry nearest to the point of final destination.

4 The American Engineering Council has placed itself on record in opposition to the Reed-Jensen Bill to authorize the Army Air Corps to make tests on commercial aircraft and aircraft equipment. Under recommendation of the

committee on public affairs, the Administrative Board at the Council recently voted to remove the bill from the agenda because it would create a "special branch of the government to engage in work that could, with the exception of advertising of propellers, be done by private interests. The administration would appear as alternative economic activity, by the administration in effect that the administration is not to have the bill amended so that the Air Corps would be permitted to conduct for private interests only certain types of work for which the Air Corps does not possess the necessary apparatus. The bill would be referred to the Military and Naval Affairs Committee on the floor of either Senate or House."

† Dr. LOUIS M. BAKER, medical director of the Aeronautical Branch since its organization, has resigned his post. Dr. Harold Cooper, assistant medical director, has been appointed as his successor. Dr. Eldridge Adams, of San Antonio, Tex., has been appointed to the office formerly held by Dr. Cooper. Although Dr. Baker relinquished his position in order that he might engage in private practice, he will not be completely altogether from the medical section of the Department, but will continue as consulting specialist in aviation medicine to the Branch.

*Major FLENN EVANS has been appointed Director of Aeronautics in the State of Michigan as of Dec. 1, 1990 succeeding Capt. Ray Coffey whose resignation was accepted by the Michigan Board of Aeronautics at their regular monthly meeting.

*LARRY COWEN, FRED W. NEILSON U.S.N., resigned, has been appointed sales manager of the Sikorsky Aviation Corporation at Bridgeport, Conn.

*The board of directors of the Sikorski Aviation Corporation, a subsidiary of the United Aircraft and Transport Corporation, has announced that P. B. Remacher has been elected chairman of the board to succeed A. C. Dickinson.

• **ERNEST N. GOTT**, president of the Keystone Aircraft Corporation, has announced that George H. Franklin, formerly chief engineer of the Stout Metal Airplane Company and now associated with the Atlantic Aircraft Corporation, has been put in charge of all metal design and development at the company's plant in Bristol, Pa. Mr. Gott has also announced the appointment of Stanley W. Jackson, former advertising manager for Cessna-Wright, as the public relations manager of commercial sales in charge of Keystone-Lesage Air Yachts and Commuter Aerobuses.

* ANNOUNCEMENT concerning plans for the 1931 Army Air Corps exercises has been made by Assistant Secretary of War, F. Treble Davison. Secretary Davison states that dramatic and comprehensive tests to determine the shift of the Army Air Corps to meet a major coast defense emergency will take place

AVIATION

January 2000

APPENDIX

2014年12月
 星期五



Martha King delivered to the Subkhanian. The spokeswoman either joins the institute's collection of almanacs at Washington

along the northern section of the Atlantic seaboard in May, 1933, when about 300 army pilots and approximately 1,100 air corps pilots and enlisted men will be concentrated at New York, Boston, Philadelphia, Baltimore, Washington, and other points along the Atlantic seaboard to participate in the annual Army Air Corps field exercises. It will be the first time that

the history of American military action in time of peace that no many places will be concentrated for the opening of technical problems cover a territory that covers more than 180 miles, in almost a straight line, from the Gulf of Mexico to the time that large scale aircraft carriers have been built on the Atlantic Coast. All naval squadrons in the United States will be summoned to serve in this larger mission war, as well as personnel from the United States Navy and the National Guard squadron. It is also planned to call a large number of reserve officers to active duty for the duration of the war, including numerous divisions of the National Guard. The service will also be willing to take in volunteers. The organizations will

be known as the First Air Division and will be commanded by Brig. Gen. Benjamin D. Fowlie, assistant chief of Air Corps, and will consist of one bomb-quester group (about 20 planes), one transport group (about 40 planes), three parent groups (about 180 planes), one bombardier group (about 40 planes), four provision groups (about 135 planes), to which will be added participating National Guard units and one strike group of about 50 planes. In addition, there will be miscellaneous aircraft, such as radio, photographic and ambulance planes.

†The Herbert Schell Memorial Trophy awarded annually to the aircraft squadron in the Navy which has shown the most courage with regard to safety in flight operations, was presented to the Fighting Plane Squadron 30, attached to the Aircraft Carrier Lexington, on Dec. 5 by President Hoover. Squadron 30, beginning July 1, 1929, and ending

June 30, 1936, flew a total of 4,950 hr., or about 600,000 mi. The flying was always in formation, most of it over open water. The squadron completed successfully, without the slightest injury to personnel, a total of 861 landings and 861 takeoffs on the Lexington, Saratoga and the Langley.

*A RECENT unofficial statement from the Bureau of Aeronautics is to the effect that construction of the new Navy dirigible "ZEP-5" is progressing at such a rapid rate that completion of the first section is expected by Jan. 1. The huge craft which is being constructed at the Goodyear Zeppelin Company at Akron, Ohio, is the first of two 6,500,000 cu.ft. ships for the Navy.

✦ **Tree Bowties-Horsh Scurry Schools** have been organized in New York City by Stanley Bowden and Wolf Horsh. Their first school of a supposed class of 25 or 30 is principal wifes, has been established at the Park Central Hotel, and their work was hampered with a two-week glider show at the hotel which attracted considerable interest. About 500 are attending the evening ground school classes. Fundamentals of gliding will be taught at the Glens Cove Airport, using the auto-cow method.

ABSTRACT

大正11年10月

IT WAS announced in November that aggressive preparations were being made for inaugurating a weekly trans-Atlantic air mail service within the next two or three years. Pan American Airways and Imperial Airways of Great Britain, with the French Compagnie Générale Aérienne, in a lesser degree, have been holding preliminary negotiations for joint operation of such a service by way of Bermuda and the Azores. Additional importance accrued

those reports when it became known: (1) that Maj. G. E. Woods Memphis, Tenn., of Imperial Airways was in this country for a conference with Pan American officials; (2) that the Post Office Department knew of the negotiations and was prepared to co-operate, and (3) that the Post Office Department would open bids for such a service.

The shortest distance between Charleston, S. C. (mentioned as a likely United States terminal), and Bermuda is about 616 mi. The jump from Bermuda to Florida or the Azores would be about

The maximum rate authorized by law for that class of service is \$2 per mile for the specified load not exceeding 300 lb. and \$1 per pound per 1,000 sq. in. or less area thereof, for loads in excess of the specified load.

Imperial Airways holds an operating concession in Bermuda, on that an-

American concern wishing to include the island must have a working arrangement with the English company. For this reason, the American seems the most likely candidate for the contract.

It is interesting to note that the reported advance stage of negotiations between Pan American and Imperial Airways was received with some surprise in England. The London Times said: "Imperial Airways visited yesterday (Nov. 24) that there is an opinion at Alhambra that such service coming into operation in the near future. There are no grounds in existence which could be used for the purpose, and the most that can happen is editorial conversation on the matter. The object of Major Humphreys' visit to America is to study American methods in civil aviation."

+ On Dec. 3, the first Pan American mail plane flying over the new direct route between Miami and Cristobal arrived at the Canal Zone port. The new route is by way of Ombajene, Cuba, and Kingston, Jamaica, and replaces the former one by way of Havana and Puerto Cabezas, Nicaragua. The 600 mi. between Kingston and Cristobal is served by a Consolidated Commodore, twin-engine flying boat with Pan American equipment from the New York, Rio & Haman Avion Line's command. This is a slightly shorter route and across Jamaica, as well. Only mail is carried.

* This final report of the Fact-Finding Committee on Control of Airplane Hangar Fires by Automatic Application of Water was issued by the Amsterdam Branch early in December. This report includes much more detail than that issued in the late summer and is illustrated with photographs and diagrams.

+ Twelve visual-type radio range beacons and accessories, at a total cost of \$208,653, have been ordered from the Westinghouse Electric & Manufacturing Company for the federal airways.

* On Nov. 12, the Post Office Department stated that Pan American Airways reported a great increase in mail poundage arrived during the first nine months of this year over the same period in 1929. The company carried this year up to Oct. 1 on all of its lines a total of 158,419 lb. of mail. Last year in the same period the poundage was

45/51. In January, 1929, the poundage was 1,403. This was increased in October of 1929 to 6,515 lb., and to 8,000 lb. in December. In March, 1930, it reached 12,600 lb. and in October of that year, it reached 25,200 lb.

The record of leading divisions was:
in Miami Canal Zone: March, 1939,
 \$11.85; March, 1938, 2,298 lb.; October,
 1939, 30,004 lb.
Miami-Dade Colinas: October, 1939,
 1,405 lb.; October, 1938, 3,090 lb.
Canal Zone—Montevideo: October,
 1939, 329 lb.; October, 1938, 1,760 lb.

For American began its full service between Paramaribo and Santos, Brazil.

WHAT OF THE YEAR TO COME?

By Edward P. Warner
Editor of *Airman*



without some estimate of next year's business. Materials cannot be bought without some sort of a forecast of price levels of the future. Personnel cannot be secured and trained without having in mind the way in which they are to be employed, not only a few months, but several years hence. If no one runs the risk of publishing an estimate of future conditions every business man will make his own, sometimes proceeding from very limited data. So obvious is the need for the intelligent guess at what lies around the corner of the calendar that Edison and Franklin and Moody and a host of rivals have sprung up to give their attention to prognostication, setting themselves up as the twentieth century successors of the Delphic oracle of ancient Greece.

Taken as a whole these professional forecasters have given but little attention to aviation, and perhaps they have been wise in so doing, for the problem of anticipating the growth of so novel a business as the building and operation of airplanes is peculiarly difficult. Nevertheless, someone must make the effort, if there is to be any planning at all, and with all these preliminary apologies I address myself to the task. I undertake it in the conviction that a forecast by an individual not directly and actively engaged in aircraft production or operation has a considerable possible advantage over one made by a single industrial group for its own portion of the industry. The future can sometimes be seen most clearly by gaining a little perspective of distance. It is unfortunate, also, with a chastened realization of the common fate of prophets, of whose infallibilities Grantland Rice once wrote in meditative vein:

"And now, amid the fading orbiter,
These in the mass are my regrets;
When I see right, no one understands,
When I am wrong, no one forgets."

A considerable proportion of public forecasts are made to prove something or to sell something. They have their place, but I am not undertaking to add to their number. I am taking up the task with the closest approach to complete impartiality that I can command, writing neither as an optimist nor as a pessimist. Obvi-

ously, with everyone else in the industry, I shall hope that my estimates are wrong in being too conservative, but I have tried not to be influenced in the slightest degree by that hope. So far as I can guess, the figures given in this study are equally likely to prove above or below the true mark when the year has run its course. It may be observed, however, that the prevailing tendency in the industry has always been to guess too high. Both in 1929 and 1930, I believe that an average of the pessimistically computed estimates made at the beginning of the season would have given a figure just about double the year's actual production.

So much for introduction. Now to the facts. Logically, transport and other operations ought to be considered first. Obviously the rate and production of airplanes depends upon the extent to which they are kept in service. When we seek a single measure for the status of the aircraft industry, however, it is still the common rule to use the number of new planes built for commercial purposes. We think of the status of the commercial industry in terms of the production of 3,500 civil airplanes in 1927, 3,500 in 1928, 5,400 in 1929, and about 2,800 in 1930. The first move in prophecy

This article is a distinct innovation. To offer forecasts as very specific as it contains is an extremely reckless undertaking. It is presented as a personal opinion, based on a great deal of study and some years of practice in making forecasts for private use, and it is deliberately written in the first person singular as a reminder of its personal origin. By the end of the year the author may be looking for accolades and adios, but, for better or worse, he launches his prophecy upon the world, in the belief that even mediocre business forecasts are much better than forecasts as vague as to be meaningless, or no forecasts at all.



is to attempt to carry that curve forward another year and to forecast the figure for 1931.

1931 Production

In forecasting production, to go directly to a round number for total output is a facile piece of guesswork. The only intelligent means of estimating is through a breaking up of the market into its several parts, reckoning separately with the demands of individual consumers or groups of consumers of similar interests, and then combining a total by summing up the parts. Following that course, I have reckoned separately with prospective requirements of transport lines, schools and tour services and miscellaneous operators, non-aeronautical corporations using planes for business purposes, and private owners. The study leads to a predicted total of 3,500 new military planes to be produced in 1931.

Of course any such figure depends on a great number of auxiliary assumptions or forecasts. It depends on legislative action, both federal and state, and upon decisions taken within the executive departments of the government, especially the Department of Commerce. Most of all, however, it depends on general business conditions. In anticipating that 3,500 airplanes will be built I have adopted the assumption, based principally upon financial history and the record of the relation of the relative lengths of bull markets and bear markets of the past, that the present depression will have passed its extreme low sometime in the near future or during the early spring at latest, and that there will be a gradual but by no means a sudden or speedy recovery through the remainder of 1931.

Another point on which I must be clear is that there has been no anticipation of radical innovation in design, but only of normal technical development of the present type of equipment. In setting up these figures no allowance has been made for the effect of the autogyro on the market, as the date on which machines built on that principle will be available for the use of the purchasing public is so very uncertain. It would be quite impossible to forecast the division of business between airplanes and autogyros at the present time.

The total of 3,500 planes estimated to be built includes 400 for transport lines, to be divided approximately 40 per cent for necessary replacements, the remainder for the opening of new lines or for expansion of existing services. It includes 1,400 machines for fixed-base operations, including flying schools. About three-fifths of the total number estimated in that case will be for replacement, with the remainder providing for the highly selective expansion of certain types of operations.

Free hundred planes are expected to be taken by corporations not directly in the aeronautical field. That figure may appear very generous. As a matter of fact, it contains some quality on the part of the prophet, but I believe that with even a modest improvement in business conditions it can readily be reached if a specialized sales effort be made. It will demand an energetic effort, nation-wide in scope and long continued, to show business men how the airplane can be used to aid in the economical conduct of their affairs, not merely as an instrument of temporary laziness.

Finally, 1,000 machines are assigned to the private-owner market, using that term in a rather broad sense to include those who make incidental use of their ships in their business. That again is a figure high enough to require some explanation, and again the explanation must lie in a good sales campaign among a class of private buyers who are not effectively reached by the industry. Of the 1,000 planes, I allow for just about one-fifth to be flying boats and amphibians, but the estimate is conditioned on a special effort to sell machines of that class to yachtsmen in particular and to owners of summer homes along the Atlantic and Pacific Coasts and in the Great Lakes, in particular.

It will be noted that an separate allowance has been made for export trade, most of the shipments of completed American airplanes being shipped to Canada, where coefficients are exceedingly as they are in the United States, or to Latin America, where a great proportion of the available non-military equipment are to be operated by companies under American control.

The export markets have been cut in with the domestic ones. No separate allowance has been made for purchases by the Government and the Coast Guard. Both have been lumped in with the fixed-base operators. Figures on sales and production have been used interchangeably, for I believe that in 1931, notwithstanding the fact that a considerable unpaid surplus will exist, sales and production will run nearly parallel. In summary:

Transport lines	400
Schools and other services	1,400
Non-aeronautical corporations	1,000
Private owners	1,000
Total	3,800

Forecasts of the type of market and of the division among various markets are important as a guide to the localities in which sales effort can be most profitably

expended. In planning production schedules, however, it makes no difference whether the plane is to go to an oil company, a transport line, or a private sportsman. What is vitally important there is the demand of the possible total demand among the various types of equipment.

The most difficult point about an estimate along these lines for the coming year is the introduction of two virtually new types. There is no background of experience from which to predict the popular response to the offering of light single-engine and two-seater planes of \$2,000 or less, nor to the almost equally novel introduction of several well-designed and well-priced light flying boats and amphibians from \$5,000 to \$7,500. The latter class, to be sure, had made their appearance at the end of 1929, but abnormal business conditions hardly gave an opportunity for full trial of their attractions during the past year.

Prospects for the Light Plane

THEREIN, I believe, is a real market of considerable importance for the light and low-priced airplane, but it is easy to exaggerate its magnitude. Consideration of light plane experience in the past and of the general history of the development of the airplane market does not encourage one to the belief that amateurs of this class are to come into the ranks of the ordinary citizen in great numbers, nor that they are to do for the airplane industry what the Model-T Ford did for the automobile. The great mistake of 1929 was an overestimate of everything connected with aviation. The great mistake of 1930 was an overestimate of the glimmer's potentialities, with respectable men of long experience in the industry gaily taking as late as the middle of April of the possibility of building and selling 25,000 gliders in the United States during the past year. I maintain a very grave personal fear that the great mistake of 1931 is to be a corresponding, although to be sure a less acute, overestimate of the "power glider," or light airplane.

At least 20 types in that general category are under serious development in various parts of the United States, and if all the purely experimental projects were realized the number might easily run three times as high. The aggregate of the estimates of production that are being made for light landplanes, excluding from consideration the wholly irresponsible and those without any experience upon which to base their personal forecasts, would be more than 2,000 machines. My own forecast is that about 500 can be sold, and that the sales will be fairly evenly divided between flying schools and private owners.

Of the total production of 3,000 planes, then, 500 are allotted to the new light plane class, with approximately 700 more to be restricted by open two- and three-seaters of higher power and price. The division portrayed among the other groups can best be shown by Table 1.

Perhaps the most surprising features of this classification are the high place given to transport machines from the two-engine category, capacity and the generous estimate made for the entire group. The latter has already been mentioned twice, and is freely conditioned on the success of a sales effort that has hardly been undertaken as yet. The former, the generous valuation

placed on the probable production of a type of machine of which relatively little has been seen on the transport lines up to the present time, is based on the expectation that there will be a general tendency in transport operations towards more frequent schedules, with a resulting demand for machines of relatively small capacity.

Of greater importance than the number of machines built as a measure of the industry's prosperity is the total volume of miles to money units. Taking a reasonable average retail price for each type of plane within the above grouping, the total in prospect for 1931 reaches up to \$27,800,000 for non-military airplanes and engines, as against a little over \$50,000,000 in 1929 and about \$20,000,000 during the past year.

Military Business

MILITARY production will be smaller in volume than during 1930. Not only have Army and Navy orders for new equipment been placed earlier in the fiscal year (which ends June 30) than is the common practice, with a large part of the purchases for the fiscal year 1931 being made during the calendar year 1930, but there is a substantial cut in the amount of money to be allowed for new purchases during the next fiscal year. The federal budget provides approximately \$26,800,000 for new flying equipment for the Army and Navy for the fiscal year beginning July 1 next, as against \$30,000,000 for the year now closing.

Furthermore, competition for military business will be fiercer than in the past, with a temptation for the contracting officers to seek constantly lower prices and reduction of profits. A considerable number of companies which have heretofore been quite content to pursue a purely commercial market have now been impelled by the depression to seek military orders, and where there were two or three potential competitors for a given class of equipment two years ago there may be a dozen in the field by next summer.

Summarizing all this, the decrease in military orders should be more than compensated for by the increased commercial volume and a good production of complete planes, both civil and military, which amounted to \$71,500,000 in 1929 and roughly \$45,000,000 this year, will be up to about \$26,000,000 in 1931, if the prospects ventured here should be verified by experience.

Transport Activity

SPECULATION on the future of air transport is perhaps even a more popular occupation than guessing the shape of the aircraft production curve. Most of the forecasts that I have encountered in the field during a recent tour of the United States have been extremely optimistic, setting the increase in next year's total transport business over that of the present year at anything from 50 to 200 per cent.

The foundation of all prophecy in that area is of course

Table 1. Breakdown of Estimated 1931 Production

Number of Lines	Open Design	Anticipated Production
1-2, Light or low-powered planes	400
2-3, ".....	200
3-4, ".....	100
4-5, ".....	100
5-6, ".....	100
6-7, ".....	100
7-8, ".....	100
8-9, ".....	100
9-10, ".....	100
10-15, ".....	100
15-20, ".....	100
20-25, ".....	100
25-30, ".....	100
30-35, ".....	100
35-40, ".....	100
40-45, ".....	100
45-50, ".....	100
50-55, ".....	100
55-60, ".....	100
60-65, ".....	100
65-70, ".....	100
70-75, ".....	100
75-80, ".....	100
80-85, ".....	100
85-90, ".....	100
90-95, ".....	100
95-100, ".....	100
100-105, ".....	100
105-110, ".....	100
110-115, ".....	100
115-120, ".....	100
120-125, ".....	100
125-130, ".....	100
130-135, ".....	100
135-140, ".....	100
140-145, ".....	100
145-150, ".....	100
150-155, ".....	100
155-160, ".....	100
160-165, ".....	100
165-170, ".....	100
170-175, ".....	100
175-180, ".....	100
180-185, ".....	100
185-190, ".....	100
190-195, ".....	100
195-200, ".....	100
200-205, ".....	100
205-210, ".....	100
210-215, ".....	100
215-220, ".....	100
220-225, ".....	100
225-230, ".....	100
230-235, ".....	100
235-240, ".....	100
240-245, ".....	100
245-250, ".....	100
250-255, ".....	100
255-260, ".....	100
260-265, ".....	100
265-270, ".....	100
270-275, ".....	100
275-280, ".....	100
280-285, ".....	100
285-290, ".....	100
290-295, ".....	100
295-300, ".....	100
300-305, ".....	100
305-310, ".....	100
310-315, ".....	100
315-320, ".....	100
320-325, ".....	100
325-330, ".....	100
330-335, ".....	100
335-340, ".....	100
340-345, ".....	100
345-350, ".....	100
350-355, ".....	100
355-360, ".....	100
360-365, ".....	100
365-370, ".....	100
370-375, ".....	100
375-380, ".....	100
380-385, ".....	100
385-390, ".....	100
390-395, ".....	100
395-400, ".....	100
400-405, ".....	100
405-410, ".....	100
410-415, ".....	100
415-420, ".....	100
420-425, ".....	100
425-430, ".....	100
430-435, ".....	100
435-440, ".....	100
440-445, ".....	100
445-450, ".....	100
450-455, ".....	100
455-460, ".....	100
460-465, ".....	100
465-470, ".....	100
470-475, ".....	100
475-480, ".....	100
480-485, ".....	100
485-490, ".....	100
490-495, ".....	100
495-500, ".....	100
500-505, ".....	100
505-510, ".....	100
510-515, ".....	100
515-520, ".....	100
520-525, ".....	100
525-530, ".....	100
530-535, ".....	100
535-540, ".....	100
540-545, ".....	100
545-550, ".....	100
550-555, ".....	100
555-560, ".....	100
560-565, ".....	100
565-570, ".....	100
570-575, ".....	100
575-580, ".....	100
580-585, ".....	100
585-590, ".....	100
590-595, ".....	100
595-600, ".....	100
600-605, ".....	100
605-610, ".....	100
610-615, ".....	100
615-620, ".....	100
620-625, ".....	100
625-630, ".....	100
630-635, ".....	100
635-640, ".....	100
640-645, ".....	100
645-650, ".....	100
650-655, ".....	100
655-660, ".....	100
660-665, ".....	100
665-670, ".....	100
670-675, ".....	100
675-680, ".....	100
680-685, ".....	100
685-690, ".....	100
690-695, ".....	100
695-700, ".....	100
700-705, ".....	100
705-710, ".....	100
710-715, ".....	100
715-720, ".....	100
720-725, ".....	100
725-730, ".....	100
730-735, ".....	100
735-740, ".....	100
740-745, ".....	100
745-750, ".....	100
750-755, ".....	100
755-760, ".....	100
760-765, ".....	100
765-770, ".....	100
770-775, ".....	100
775-780, ".....	100
780-785, ".....	100
785-790, ".....	100
790-795, ".....	100
795-800, ".....	100
800-805, ".....	100
805-810, ".....	100
810-815, ".....	100
815-820, ".....	100
820-825, ".....	100
825-830, ".....	100
830-835, ".....	100
835-840, ".....	100
840-845, ".....	100
845-850, ".....	100
850-855, ".....	100
855-860, ".....	100
860-865, ".....	100
865-870, ".....	100
870-875, ".....	100
875-880, ".....	100
880-885, ".....	100
885-890, ".....	100
890-895, ".....	100
895-900, ".....	100
900-905, ".....	100
905-910, ".....	100
910-915, ".....	100
915-920, ".....	100
920-925, ".....	100
925-930, ".....	100
930-935, ".....	100
935-940, ".....	100
940-945, ".....	100
945-950, ".....	100
950-955, ".....	100
955-960, ".....	100
960-965, ".....	100
965-970, ".....	100
970-975, ".....	100
975-980, ".....	100
980-985, ".....	100
985-990, ".....	100
990-995, ".....	100
995-1000, ".....	100

the amount of money available for air mail compensation. Directly or indirectly, most passenger operations have still to lean upon the Post Office. During the past year the aggregate sum has been \$15,000,000 for domestic air mail, and \$6,000,000 for foreign mail and express. For next year, the federal budget provides an increase to \$20,000,000 and \$7,000,000, respectively, a total just 25 per cent higher than for the present fiscal year. Under the terms of the Waters act, assuming the estimate to be cracked into low without change, domestic air mail operations should total about 28,000,000 airplane miles in the fiscal year 1932, or perhaps 26,000,000 for the calendar year. At the present time we are making at the rate of 23,000,000 miles per year. The total just mentioned would allow for compensation at an average rate of 72 cents per mile, which seems a fair estimate.

A plane-mile flown with air mail ought on the average to carry with it about four paid passenger-miles by the same operator, whether the passengers actually be carried in the same plane with the mail or on a parallel service. The grants made by the Post Office Department, in addition to compensating the contractors for carrying all the domestic mail sent by air, should insure a paid passenger traffic of about 104,000,000 passenger-miles.

The distance to be flown by transport lines without mail subsidies during the year is much harder to estimate. At the present time it is at the rate of about 14,000,000 miles a year. I foresee a lower figure for next year, for a number of lines are being operated at a loss in the hope of securing mail contracts, and will not continue for very long on an independent footing. Only a few have been set in motion with the expectation of continuing indefinitely on passenger business alone. I fairly take 11,000,000 miles for the year as the most probable figure for mileage to be flown off the mail routes. Allowing four and a half passengers for each plane on the average, that will contribute another 49,500,000 passenger-miles.

The aggregate paid passenger traffic estimated for domestic air lines for 1931 is thus 152,000,000 passenger-miles, as against approximately 85,000,000 for this year, an increase of about 80 per cent. All these figures

are necessarily very rough, even when they relate to past records, as there are few complete statistics on passenger-mileage, and in particular, there is in most cases no process of dividing the traffic between the paid part for full rates and that carried without charge for reasons of company policy.

In general policy on transport lines I predict, as already suggested, a general increase in frequency of schedule, along the lines followed on the New York-Philadelphia-Washington service. There is likely to be a strong tendency towards smaller planes, ranging in capacity from four to seven paying passengers or the equivalent in mail and express. In estimating a total of 11,000,000 miles for passenger handling only passenger traffic, I have assumed the transportation of at least two or three new short-haul lines, with departures hourly or bi-hourly, like the one between New York and Washington, sometime during the year.

A more rapid expansion of transport operations will depend on improved economy of equipment, which will make it possible to carry passengers profitably without dependence on mail contracts. During the past year a fair average of operating costs has been about \$5.50 to \$6.00 per ton-mile, based on capacity pay loads. There is every reason to hope that it will shortly be brought around \$5.00 to \$5.50 per ton-mile under favorable conditions and with schedules frequent enough to keep the overhead within reasonable limits, but the full effects of present efforts for increased economy in design are hardly likely to be shown in the traffic figures until late in the coming year, or even well 1932.

Business should pick up strongly for the free-lance operators with improvements in general business conditions. The statistical background is too slender to permit of giving any specific figures, but I anticipate at least a 40 per cent improvement over 1930.

School Prospects

Few flying schools specializing in the production of professional pilots, the coming season promises to be a record year. The number of students entering for educational facilities shows a time lag behind the industrial conditions that produce it. When a profession is crowded with personnel it commonly takes a year or more for the universities and technical schools to feel the full effect in limited numbers of applicants for admission in their particular field. On the other hand, students are slow to come forward as adequate numbers to meet the new demands of a growing business. A great many transport pilots having been out of work during the past few months, the expert is likely gradually to be meted out the cheaper as a professional, having been overeducated, and some of them who might be enrolling in the schools will hesitate and turn elsewhere.

There should be, on the other hand, a considerable increase in the number of individuals taking up flight training in a small way, merely to acquire an acquaintance without intention to make it a profession. During 1929 there were issued about nearly 30,000 student permits. For 1930 the figure will apparently be one or two per cent lower. For 1931 I predict 23,000 permits, with 17,000 of the holders going to the point of taking some sort of formal instruction, but only about 5,000 pursuing regular courses in regular schools in any serious fashion. There is likely to be a pronounced increase, with the coming of summer, in the number of those taking cross-country training by the hour on week-ends or whenever the inclination arises.

1930 PASSES IN REVIEW

WHETHER 1930 be considered as a part of the normal evolution of the aircraft industry to be succeeded by another year not very different, or whether it be regarded as a brief and unhappy episode never to be repeated, we cannot escape a review of its record. Whether next year be like the past one or different, it will be dependent upon it. To review a year is not to write history, but to provide an explanation of the point of departure from which we are taking off for next year's activities. Adversities aviation is much too broad in scope, and its activities too varied, to be summarized on a whole. In the group of articles that follows this page it has been broken down into a dozen sections. Though such is treated separately, they obviously blend with and react upon each other. Though all deserve attention, even from those whose interest in the industry is narrowly specialized, we particularly emphasize the sections bearing on technical progress. Contributions such as those of Myers, Taylor, Johnson, and Howard and the staff article on the trend of design contain the raw material for charting the course of aerial activities during 1931.

TRENDS OF THE INDUSTRY
DURING 1930

By R. Sidney Bowen Jr.

Contributing Editor of AVIATION

AS the twenty-eighth year of heavier-than-air development issues upon the members of the aeronautical industry are asking themselves two very definite questions. What has happened during the past year? Where do we stand now? There are undoubtedly a hundred and one different answers to each question.

The beginning of 1930 saw the entire industry struggling desperately against the inevitable . . . a continued slump in sales (at once the normal aftermath of a boom period and the natural consequence of general economic conditions) and a consequent slump in production. There were, unfortunately, misguided individuals and organizations who even then clung to the belief that the late spring and early summer would see marked indications of a speedy return to 1928 and 1929 business levels. As a result their economy programs were far from rigidly enforced. Worse than that, they continued to regard the subject of aeronautical merchandising as something which would be automatically taken care of by the demands of an aroused public.

Deterring as it may be, the very fact that the United States public was not, and is not, anywhere near 1931 per cent aeromaniac was the underlying factor in the falling of more than one aeromaniac venture during the year of 1930. The general business depression which swept the entire world had its dire effect on the industry of aeronautics. However, it is firmly believed that even though general business had been at normal levels it would have made only a secondary difference in the aviation outlook, the sort of thing that happened would have happened anyway, although to less serious degree. Of course, the purse strings of the banks and other financial institutions would have been looser, a bit more. But, when viewed from another angle it is a good thing that they were not. Funds were the least of the industry's needs.

To be more explicit regarding the continued depression of the industry during 1930 we go back to 1927 . . . the year when the man-in-the-street really began to take notice of the feats of the airplane. At regular intervals the world goes crazy about something. In 1927 it pined on the airplane. The events that followed that festive year are well known. They need not be recorded in detail in this article. However, what did happen has had a very pronounced and discouraging effect on the aviation industry. After an over-night rise in boom times, and the formation of a sincere belief that an industrial millennium was at hand, the aeronautical industry has slid down the other side of the hill to a point which at first glance appears to be the lowest possible level. It was during 1930 that the industry took the last long slide. As one

A review of what has gone before is a guide for the future. A review of the aeronautical industry during 1930 is unquestionably a guide to 1931, for it was during last year that the industry took the long slide down from an abnormal peak. The accompanying article deals with blunt truths which at first glance may seem discouraging, but when analyzed hold substantial hope for a bright future.

aeronautical authority has expressed it . . . "Anything that happens from now on is bound to be an improvement."

Such a statement might be taken as the booming of one who has thrown up his hands in despair and expects the worst, so that, at least, he will not be disappointed. On the contrary, if that statement be true, and we earnestly believe that it is, it signifies a lot that is encouraging. It means that all the false beliefs have been replaced by sound reasoning. It means that the cart is no longer before the horse. It means that the hindering riddle that followed a gold rush has been dropped by the wayside. It means that the industry has come down out of the clouds and is now on a solid foundation where development must keep pace with demand.

From the standpoint of production and sales the industry began the year of 1930 with a great handicap in the form of a large overstock of 1929 stock, and a rapidly declining market for any type of production, new or old. During the winter months of 1929-30 there was considerable talk about plans for clearing the shelves during the early part of 1930. For a time, sales organizations, even the factory sales manager right down to the lowest sub-dealer, were all keyed up to go out and virtually throttle the market. Of course there was also considerable activity on the drafting board, but in general it consisted mainly of refinements of existing models. A company with a large unused stock on hand has very little incentive for attempting innovations so radical that they will make the existing equipment obsolete and unsalable.

The first real concentrated sales drive by the manufacturers took place at the International Aircraft Exposition held at St. Louis in February. There the exhibitors

shown disparately to unfilled 1929 stock and sell interest in the limited market in 1931 equipment. The efforts, valiant as they were, were not very encouraging. The main reason for the merchandising failure at St. Louis was the very obvious fact that the manufacturers' sales writers, the distributors and dealers, were themselves locked up with 1929 stock.

The same thing happened at the All-American Aircraft Show in Detroit two months later. If there was any difference it was that the sales managers had become even more disillusioned and did not bother to attend extensive sales efforts. Those who attended that particular aircraft exhibit will recall the apparent disregard that the exhibitors had for each other and every one who chanced to stop and inspect their displays. Even so, the sales record was better than at St. Louis.

The failure of the industry to build up sales volume during the first half of the year can be attributed to the fact that the profitable 1929-1930 years, the industry itself, was over-supplied with equipment. The only other outlets for the surplus, namely the private and business markets, were hot-or-cold ventures. Up to 1930 there had been little concentrated and persistent effort directed at those markets. For a time it did appear that they were being successfully invaded. However, it later proved that many of the sales supposed to be going to these two markets were really sales to the members of the industry itself.

Included in the plan for a 1930 selling drive were the plans for opening up the private market. The plans were negligible. In justice to a few organizations which really did hammer at the private door it must be admitted that some few sales were made, but the total volume is hardly worth mention.

Of the various ways in which the private market was attacked the one most widely handled was the idea of a small, low-powered plane, selling at a low price and possible of operation at a low cost. A few examples of that type appeared as the market. A number of their accounts got out in the front pages of the newspapers. However, their reception by the general public has not as yet been what one might term encouraging.

Some other manufacturers hit upon the idea of the glider as the solution to the decrease in powered plane sales. They converted themselves (and even their boards of directors) to the glider was unquestionably the first step toward powered plane production. They maintained that thousands who did not have the price of a powered plane would spend what they did have for a glider. And after that, a powered plane sale!

The industry with all its resources and organizations leaped upon the glider idea with almost inconceivable without even feeling out the market, they went right into a production schedule. In one or two cases all production of powered planes was stopped, and all hands concentrated on manufacturing the glider. For a time it looked as though there would have to be more regulation governing primary glider construction and operation than that of powered planes. The results of all that activity were unstable. There were a certain number of gliders sold. However, production soon expanded again and today there are gliders on the shelf and unsalable.

In the efforts expended to enter the private market, the Government lent its aid though regulation intended to impede the public with the safety of flying. For example, flying schools were ruled according to equip-

ment and personnel. In such schools the quality and quantity of instruction given was government regulated. Toward the end of the year the Aeronautical Branch took a very definite step toward holding the sale of private planes. It adopted the policy of permitting prospective purchasers of approved type aircraft and prospective students of approved flying schools to handle the control of aircraft during demonstration flights without passing student permits. However, the policy was not adopted until late in the year. Its benefits did not apply in 1930. That change in regulation resulted from a discussion between the representatives of the Department of Commerce and the aircraft manufacturers at Washington in September. The meeting of the industry with the Department was more successful than any of its predecessors, thanks to a casual preliminary analysis of the subject matter. Under the auspices of the Aeronautical Council of Commerce, the manufacturers convened the meeting for two days and prepared a clear exposition of their collective statement to present to the Department.

By the time summer arrived, a certain amount of 1929 stock had been removed from the shelf, and some of the 1930 production had also found a market. Strange as it may seem, sales started to fall off in the months of June, July and August, the three months after the most popular flying weather the country over. Some manufacturers were faced with the possibility of ending the year loaded up with both 1929 and 1930 stock. Sales figures were reduced to a minimum. The enrollment in the "Aeronautical Association" reached figures that were staggering even to the laze. At the first of the year there had been faint signs of a price war. During the summer it became a price slaughter. Equipment began to move off the shelf at figures below manufacturing cost. Of course it soon became understood that the show does not mean that the manufacturer took what he could get and was glad of it, but many did. The production left over from 1929 was virtually sold to the highest bidder. Although it is impossible to get the true figures, we feel safe in estimating that the 1929 equipment which changed hands during 1930 was sold at a price which averaged less than 75 per cent of the 1929 retail price.

The merchandising story for the last third of 1930 was no different except that there was a slight increase in sales. Official figures on production for the entire year are not available at this time, but commercial production for 1930 was more than 100 per cent below production in 1929. Although there will not be such quantities of 1930 stock carried over into 1931 as there were carried over to 1930 from 1929, there are still a number of planes of the 1930 vintage resting on the manufacturer's shelves, and the shelves of his sales outlets.

The export picture for 1930 is much brighter than the domestic one. A particularly complete account is contained elsewhere in this issue, so we limit our remarks to the statement that while plane sales were less than in 1929, the export picture was nearly the same. During the year the gross value of exports was a greater per cent per unit and their relative importance, compared with the domestic sales, has been steadily increasing. Accuracy and parity sales to foreign countries were very readily doing the year. It is quite possible that the final figures will show an increase in gross value over 1929.

Returning to the domestic situation during 1930, reference is made to the statement at the beginning of

the article which was to the effect that the beginning of the year saw several manufacturers convinced that the country was unready. Because of that belief, and the intense desire to close house on the fact of others, real intensive market research and analysis were again become a matter of secondary importance. From the standpoint of design, history was repeated. Of course, there were improvements and refinements of designs. However, the legislative practice continued to be first to make a product and then to order the selling department to go out and find and develop a market, or markets, for that product. It is impossible to estimate the amount of time and money which would have been saved during the year if manufacturers had voluntarily adopted the policy of first finding a potential market, estimating its requirements, and then setting about the task of producing a plane to meet them. John Doe is not going to buy an airplane at any price until he can get the type of airplane he wants.

There are these, of course, who will live at this point to remark that John Doe does not know what he wants. That is quite possible. If one out of every ten John Does cannot now afford the time nor the money that go with buying, nor do they want to be bothered with all the red tape attached to the business of the airplane. The fact that they will always be the ones, however, would be for no reason. In the course, conditions will be quite changed. Those who insist upon a reason for that change are referred to the history of the automobile. Regardless of what the history of the automobile was during 1930 that even a development which from the world as did the airplane cannot be forced into general use over a period of one or two years, or even three years for that matter. Public demand for a product is created only by educating the public as to its advantages. It grows with experience. But even before that attempt the needs of the prospective market should be determined. In summing up the production and sales situation it can be stated that 1930 feels the industry right down to her bones. The hopes for sky-rocketing sales volume have been definitely dashed. That is not to say that analysis is exceedingly encouraging, for now even the most optimistic manufacturer will save all of his efforts toward giving his market a product which it needs and wants instead of plowing blind to the customer to find markets for whatever he has to offer.

As the aeronautical industry is composed of two units, manufacturing and operation, a review of activity trends during the year would naturally be incomplete without some comment on the operation phase. Pointed elsewhere in this issue is a study of air transport development during 1930. Therefore, we follow that deal with transport only from the merchandising angle.

Unlike production and sales, air transport operation during 1930 gained in every phase. Lines that held mail contracts were in the black for the year, or as very close to it. Passenger lines did not do so well. However, the year saw a general reorganization, as the result of legislation, which in time will probably prove most beneficial. The year of 1930 saw also a marked decrease in the fatality rate.

That one item will have a greater effect upon the non-aeronautical public than all kinds of figures about lines mismanaged, pounds of mail and express carried, and miles flown. Incidentally, air transport operation will have as great an effect on the development of a private and a business market for planes. Twice as may be, it

is nevertheless true that no one ever bought an airplane before he flew in one. The more patronage the airlines receive, the greater will be the prospective market for individually owned planes.

Although it was not proven to a certain extent that time and fear was keeping people on the ground, accidents now do play a big part. The fewer the accidents, the more impressed will be those who seriously consider traveling by air.

If there was a turning point in air transport operation during 1930 it was in April when the Watson Bill was passed and without loss the storms. Up to that time passenger lines had been fighting what seemed to be a losing battle against operation loss. The forces were too weak to permit full-line operation, and when they were reduced the passengers came forward but were carried at a loss. Success in air transport operation depended on whether or not one held a hand outstretched.

The Watson Bill was introduced with the idea of relieving air transport by giving every important line a business chance of making profit. Shortly following its passing it began to be interpreted in diverse ways by the Post-Office under the Controller General, and some of the lines handed down proved most unwelcome news to certain companies. Even at this time the exact meaning of the bill is not clear to all. As a result some operators are rather hesitant about buying the bill, and others are developing their lines. Experience, however, will straighten out the various misunderstandings that are continually popping up, and the main purpose of the Act, the benefiting of air transport, will be fulfilled.

The Watson Act has had a most pronounced effect upon the airline merger situation. During last year three main trunk lines were developed to serve the country through coast-to-coast operation.

These three trunk lines were direct results of the passing of the Watson Act. The fact that the various companies composing them would have merged regardless of the Act is open to considerable argument. However, the fact remains that the workings of the new law left them little alternatives. Every one of the individual companies was either broken or broke. Several of them have been operating successfully for a number of years. With the Act as a background it is probably a foregone conclusion that future progress will be made at a rapid and profitable rate. And, as already suggested, the progress of air transport in this country will have a very direct effect on the progress of the manufacturing industry. The time is coming when the non-aeronautical market for planes will be very profitable to the manufacturer. However, the airline is the backbone of the aeronautical industry, and upon it rests a great part of the success or failure of the industry's various branches.

To sum up briefly the answer to our second question: Where do we stand now? It can be stated that the industry stands on solid ground facing a terrific task. That task will be successfully completed is inevitable. It will, for it is nothing new. Other new industries have been faced with unusually the same task, although none has ever had it presented in a more difficult way. They have done their job. It is for us as aviation to guard against making the same mistakes over and over again. We sincerely believe that the industry has the spirit that sort of thing already. The lessons of 1930, bitter as they were, really were a help. At least the rose-tinted glasses have been removed and the industry is seeing the light of day, none of its members for the first time.

AIR TRANSPORT PROGRESS

IN SPITE of the fact that practically every air transport operator in the United States operated at a loss during 1930, unless supported by mail contracts, development of air transportation has made its greatest strides toward stability during the past twelve months. The actual passenger mile over the previous year in miles flown and passengers carried was greater during 1930 than ever before. Furthermore, air transport was in the act of being established during 1929, and though the immediate public patronage was gratifying, there was no assurance that it would be permanent. The continued growth of traffic during 1930 has given an adequate proof that the air transport system is here to stay.

Air transport development during 1929 was characterized by feverish activity, much experimenting, clamor, a great deal of experimenting with rates, routes and schedules, and some destructive competition. During 1930 this somewhat jumbled picture was clarified in a number of ways. Mergers united many small firms and some large ones to such an extent that we enter 1931 with about 90 per cent of our air transport operations in the hands of five large groups. Rates have stopped oscillating and are now about uniformly at about six to eight cents a mile, a little above the level of the bus line fare. All major trunk-line routes immediately needed are in operation now, with three transcontinental services and four major north and south lines interconnecting these three. The framework of American air transport service has been established, and most new routes started will serve as feeders to these trunk lines or as purely local developments. Some features of the pace at which passenger air transport is being developed is given by the direct comparison of transcontinental schedules. During 1929 the establishment of a 48-hr. coast-to-coast passenger service was hailed as revolutionary, yet the time was reduced to 36 hours with the inauguration of the coast route by Transcontinental and Western Air, Inc., late in 1930, and this will be lowered to approximately 24 hours with the advent of night flying on this route, planned for the coming year.

Continuance of low fares has helped to boost traffic totals during 1930, but the operators have taken heavy losses on their passenger operations. Under the provisions of the Waters bill, passed and put in operation during 1930, mail subsidies have been extended to a few passenger lines and all of the major air transport systems are now partially supported by mail contracts.



Landing mail on Transcontinental and Western Air plane at Los Angeles Terminal.

At the same time costs of operation are being pared in many ways. To supplement passenger and mail, there is a hope of heavy airmail express traffic within the next eighteen months as a result of co-ordination between all operators and lowered rates. Thus, while operators are now on the verge of a still smaller and are still taking staggering losses on the operation of some lines, the general prospect for the future of American air transport were never brighter than at present.

Enactment of the Waters bill by Congress was the outstanding factor in air transport development during 1930. Its provisions made direct financial aid available to passenger lines during a most trying period, and assured the continuance and expansion of the major air passenger services. As a result of this measure approximately 9,000 sq. ft. of mail routes were added to the air route, with an increase of 35,000 sq. ft. flown per day with mail. Two new transcontinental routes were inaugurated. A number of advantageous mergers were consummated and the pay schedule on all air mail routes was placed on a more equitable basis. The formula under the provisions of the Waters bill provides for rates of from 55 cents per mile where a weight space of 200 lb. or 125 cu. ft. is provided, to 95 cents per mile where planes capable of carrying 2,000 lb. or 125 cu. ft.

of mail are operated. There are additional valuable amounts granted for various types of flying, such as at night or over rugged country, and for extra passenger capacity, bringing the absolute maximum up to \$1.25 per mile. On all new routes, space for passengers must be provided.

Operators subsidized by mail contracts are making every effort to expand the strictly commercial phases of their operations. It is generally understood, and properly so, that air mail contracts, as now administered, are the government's contribution to air transport development during the lean period of establishment. It is to be expected that air mail will play a constantly less important role in air transport operations after 1931.

Several attempts were a direct result of the passage of the Waters bill. Most prominent of these was the operating agreement of T.A.T.-Maddox with Western Air Express, Inc., to form Transcontinental and Western Air, Inc., for the purpose of operating the coast mail route from New York to Los Angeles. Next was the merger of Southwest Air Express, Robertson Air Lines, and Standard Air Lines under the banner of American Airways to form Southern Air Fast Express and operate the southern mail route from Atlanta to Los Angeles. Earlier in the year National Air Transport had been acquired by United Aircraft and Transport Corporation, in order to set up a coast-to-coast service which would profit most fully by the anticipated passage of the Waters bill. Later Stout Air Lines was combined with N.A.T., and Varney Airlines, carrying mail between Seattle, Portland, Spokane and Salt Lake City, was taken over by Boeing Air Transport to give United one of the most closely knit air mail and passenger systems in the country.

Earlier in the year the Aviation Corporation completed the assembly of the lines that it controlled, under the name of American Airways. Those included were Alaska Airways, Colonial Airways, Colonial Western, Canadian Colonial, Inverair Airlines, Robertson Aircraft Corporation, Southern Air Transport, and Universal Aviation Corporation.

In August, the purchase of Nevada by Pan American Airways was approved by the Department of Commerce and postal authorities, and the two lines were consolidated. Marked economies resulted and the new system, with 131 planes, is the largest in point of equipment and in length of routes operated by United States interests.

Of special significance was the success of short-haul airlines established during 1930. Great Air Transport, operating a Seattle-Bremerton air ferry across 12 mi. of water, reported 2,700 trips and 25,000 passengers carried in the first year of operation, which ended in June, 1930. Air Ferries, Ltd., started a 6-mi. air ferry service across San Francisco Bay in February, 1931, and

carried more than 60,000 passengers during the first nine months. New York-Philadelphia-Washington Airways started operations between the cities named on Sept. 1, 1930, with an every-hour-on-the-hour schedule and carried 1,537 passengers during the first ten days. Traffic held up to an average of 3,000 passengers per week through October, and this line has the distinction of being the most heavily traveled airline in the world. Several factors in the operation of the Lodgington line, as the service is generally known, are of interest and are outlined elsewhere in this issue.

Such figures as these make it evident that there are real possibilities in the short-haul airline, and that striking economies may be effected without sacrificing either patronage or safety. The widespread application of more frequent schedules, with every effort for economy, is to be looked for in several instances of the country during 1931.

Another significant feature of 1930 in air transport was the maintenance of fares at comparatively low levels. After dropping during the latter part of 1929 and early 1930 to as low as 5 cents per mile from a previous average of 30 to 35 cents per mile, fares averaged up about 40 per cent and have gone on higher. The present levels seem to be here to stay, and operators must look to the development of air, express, and freight lines, and to further operating economies for further profits. With real service as good as it is in this country, there is little prospect of air travel on considerable volume at fares much above limited train rates.

A NUMERICAL comparison of 1930 with the previous year shows marked progress in every phase of transport flying. The total number of operators listed by the Department of Commerce increased from 35 at the first of the year to 48 by Nov. 1. Total of all routes increased from 74 to 113 during the same period. There were 38 new routes started in 1930, several established routes being discontinued due to mergers. Of the 38 new



Plane arriving steadily on "top-mail" plane of the Kipling Express Line.

routes, 32 were devoted to carrying passengers and express only, two to mail only, and four carried passengers, mail, and express. The tendency toward passenger and express carrying is further shown by the fact that 80 per cent of the routes operated in November, 1930, were carrying passengers as against but 72 per cent in December, 1929. The number of routes handling mail increased from 39 at the close of 1929, to 43 at the close of 1930, but the percentage of lines carrying mail dropped from 49.3 per cent in 1929 to but 40 per cent in 1930.

The tendency toward more frequent schedules is shown by the fact that the average round trips per day over scheduled air routes increased from 2.3 in 1929 to 3.6 in 1930. While total domestic routes increased from 16 to 112, those operating daily increased from 19 to 30, those operating more than twice daily from five to eleven. Total daily trips of lines operating more than twice daily increased from 23 to 80. With most of our major air transport routes now established, it is to some frequent schedules over these routes, and to the development of feeder lines, that we must look for progress during 1931.

Total mileage of established airways was 47,184 at the close of 1930 as against 36,330 in 1929 and 16,067 in 1928. Total miles scheduled daily increased to 123,771 in 1930, compared to 87,484 in 1929 and 36,950 in 1928. Mail miles increased about 10 per cent in the same period. Most lines of 1930 over the same period for 1929, and express loads more than 16 per cent. Total mail flows were about 43,000,000 for 1930, as compared to 25,000,000 in 1929 and 10,000,000 in 1928. Although no exact figures are available on total passengers, Department of Commerce reports indicate 208,357 passengers over scheduled routes during the first six months of 1930. It is probably safe to say that the total number of passengers carried by transport lines during 1930 was more than 400,000, and that the total passenger miles flown approximated 100,000,000. This compares with approximately 150,000 passengers carried in 1929 and an estimate of 40,000,000 passenger miles flown. From January to June, 1930, the number of transport planes in domestic use increased from 250 to 378, and the number per month flown by scheduled planes increased from 50.1 to 95.6. Safety, with special reference to the elimination of chance-taking on the weather, received more attention in 1930 than ever before.

During 1930 almost measurable improvements, both in cost and value, were made in ground and flying equipment. Trends in flying equipment were shown by the commercial application of the Fokker F-32, 30-passenger airplane, the development of the new high-pool Ford, the low-priced Stinson 8-passenger sailplane, the Boeing monomail single-engine low-wing monoplane of one-ton capacity and the Sikorsky 16-passenger amphibian. Development of the Dornier DO-3 and the Junkers G-38 in Germany was interesting. The trend in flying equipment is toward lower-priced planes. Several of the largest manufacturers announced substantial reductions in price during the year. At the moment, there seems to be a trend back toward single-engine planes, and the urge for giant airplanes has subsided.

OF MAJOR interest in the number of flight accessories introduced during the year, and calculated to improve efficiency or safety. Navigational aids tested or applied include the Sperry gyro-pilot, Sperry artificial

horizon, Guardhouse wind-vane pilot, visual radio range equipment, and the DeWittizer for flying a radio range course off the path of the beacon. These aids, coupled with improved ground communications provided by teletype stations, advanced weather reporting service, and perfected two-way ground-to-plane radio voice systems have done much to lessen weather as a factor, and will do more during 1931 as the use of new equipment and new instruments becomes more general.

Other general equipment developed and of importance to transport operations includes mail-bag pickup devices, fire-proof mail bags, application of the Townsend rig to transport planes, perfection of variable pitch propellers which will soon see commercial use, the Herrickson device which warns the pilot when ice may start to form, and the air combination developed by Dr. William C. Cline which prevented the formation of ice on wings.

Communication equipment of importance consisted chiefly of installation of radio range stations by the Department of Commerce, organization of aural radio communications into a system of five chain-controlled by Aeropost Radio, Inc., co-operatively controlled by the major operators, and the extension of teletype service with the result that confidences of service were decreased as much as 30 per cent on some routes.

Air traffic control systems are also being tried in many parts of the country and will be accelerated in 1931. Co-ordinate types of signals used, but few steps in this direction have been taken as yet. Air traffic is being controlled at the present time by means of flags, lights, steam jets, lighted panels, radio, the use of separate runways for landing and taking off, and by other methods. The fact that London has prohibited flying over the city at any time or any altitude, and that Paris has prohibited all flights over the city during the hours of darkness, should induce to American operators the desirability of working out air traffic control systems at an early date in order to avoid undesirable legislation.

Much study was devoted during 1930 to methods of making the passenger comfortable while flying, and little is left now except to eliminate noise in aircraft. Noise has been extremely bothersome, and little scientific attention has been given to this matter, although there have been, but laboratory experiments conducted by the Department of Commerce indicate that most of the objectionable noise can be eliminated.

Transport terminals have developed rapidly during 1930 and are now very nearly ideal, or at least as good as can be expected for a long while to come, in most western and a few eastern cities.

Aircraft engines have been improved rapidly, and there is a strong tendency to gain further power by using special high-test fuels.

The issue of the transport pilot has been one of the hotly debated questions within the industry during the past year. There has been much discussion of taking responsibility from the pilot as a result of the perfection of two-way voice communication and the perfection of weather reporting and inter-dip ground communications, reducing his position from one comparable to that of the captain of an ocean-going vessel, in full command of his ship while on the high seas, to one about midway between that of the ship captain and the railroad engineer, who constantly receives orders en route. It is probable that there will be a general drop in pilot salaries to a level somewhat lower than that now in place.



Transcontinental and Western Air Fokker F-32 flying over Colorado River.

force, and it has already been in several instances that it is quite possible that trans-oceanic airway lines will be established within the next two or three years and that they will prove a real factor in promoting all forms of air travel. It seems more probable, however, that trans-oceanic services will first be attempted by seaplanes or amphibians. Plans are now being formulated for the outfitting of such a service by American and British interests, to operate across the North Atlantic via Bermuda and the Azores, and both governments have indicated that no mail contracts would be granted.

A month-by-month chronology of air transport development during 1930 is of interest. During January the American Air Transport Association met in Chicago and took steps to synchronize all airline schedules, to arrange for exchanges of passengers, standard ticket forms and co-operative ticket selling; air mail rates in South and Central America were reduced; T.A.T.-Mallory reduced the N.Y.-L.A. fare to \$199.82 from \$274.42. Pan American-Grace Airways opened its Cristobal-Panama route to passengers. Postmaster General Walter F. Brown proposed the new amendment which was later enacted as the Waters Bill; the Department of Commerce issued the maximum altitude of 800 ft. for transport planes.

During February, Air Ferries, Ltd., started operating across San Francisco Bay and carried 10,000 passengers in the first month.

In March, T.A.T.-Mallory reported a net deficit for 1929 of \$986,291; United Aircraft and Transport started a fight for the control of N.A.T.; Western Air Express ordered \$200,000 worth of Western Electric radio equipment for two-way voice communication between earth and plane.

April saw United Aircraft and Transport gain control of N.A.T. and the valuable mail contracts held by the latter; this gave U.A.T. the first complete coast-to-coast line under one company; the Waters Bill was passed by Congress; W.A.E. started operating Fokker F-32s on the Los Angeles-San Francisco run.

In May, Aeropost Radio, Inc., was forced to take over administration of airline radio communication for 60 per cent of all air lines; the Department of Commerce started enforcing airline regulation rules which require inspection by the Department and granting of a certificate of airworthiness to each transport operator; for each line Postmaster General Brown announced a formula for pay to air mail route operators under the Waters Bill.

Slight passenger line increases were made by T.A.T.-Mallory, S.A.F.E., and America Airways during June;

F.A.A. made an extension from Fannacoe to Rio de Janeiro.

United acquired Varney Air Lines during July; N.A.T. accepted the Johns-Manville fireproof mail bag; Department of Commerce announced details of air transport certificate of authority plan in tentative draft form.

During August, Pan American Airways bought the New York, Rio de Janeiro, and Buenos Aires airlines and merged both services, with a total of 131 planes; Eastern Air Transport started daily passenger service between New York-Philadelphia-Baltimore-Washington-Richmond; lanes were expanded by S.A.T. and Universal between Tulsa-St. Louis, and Houston-San Antonio.

September 1 saw the start of New York-Philadelphia-Washington Airways, with an hourly service from 8:00 a.m. to 5:00 p.m. over a 200-m. route at a fare of \$14.80 each way. N.A.T. bought Scott Air Lines and merged with the passenger service to prospect between New York and Chicago; Aviation Corporation and S.A.F.E. won the northern route mail contract; T.A.T.-Mallory and Western Air Express won award of central air mail route and formed Transcontinental and Western Air, Inc., to operate the new line; Sikorsky, Utah and Oklahoma directed airlines ordered from passenger tax.

During October the R-101 was lost; the Department of Commerce successfully tested its DeWittizer for use in connection with radio range stations; S.A.F.E. succeeded as result of merger with American Airways; T.W.A. Inc., started 36-hr. mail and passenger service from Los Angeles to New York over the Central route; N.A.T. started Chicago-Cleveland passenger and express service; Ford freight lines started their 100,000,000 pound of freight over Detroit-Chicago; Denver Buffalo lines in five days, now carrying 3,000,000 lb. per year.

In November, Eastern Air Transport, extended passenger service to Atlanta under provisions of Waters bill to meet Southern Air Post Express and complete the southern mail and passenger routes from Los Angeles to Atlantic Coast cities; transatlantic air mail law was proposed by American and British interests.

Taking all factors into consideration, the progress made in air transport during 1930 is most impressive. The possibilities for future growth being larger with each passing year. Cheaper, more efficient, and more economical flying equipment gives promise of materially lower costs of operation in the near future, so that the many improvements in method of operation which are being worked out.

POWER PLANT PROGRESS



The past year has been particularly rich in power plant design developments. A review of the achievements of this period and their interpretation by one of the leaders in the field, constitute the subject of this article.

By Prof. C. Fayette Taylor

Massachusetts Institute of Technology

THE year 1930 marks a number of rather important developments in aircraft power plants, not only in the field of practical application, but also in those fields of research and experimental development which give an indication as to the future trend of this most important branch of aeronautical engineering.

Ring Coolings

AMONG the developments of most immediate practical importance was the publication of a large number of data regarding various arrangements of "ring" cooling for air-cooled engines. ["Comparative Performance Obtained with XPFC-1 Airplane Using Several Different Engine Coolings," N.A.C.A. Technical Note No. 354, Feb. 1930; "The Efficiency of Engines," by H. C. H. Townsend, *Aircraft Engineering*, April, 1930.] Although this work is perhaps a matter chiefly of aerodynamic importance, the possibility of its profound effect on trends in engine design makes it of vital interest to the power plant engineer. While the N.A.C.A. cooling developed at Langley Field, was announced in 1929, the first results of a systematic investigation of the many variables which affect the performance of this type of cooling were not available until 1930. This work has been continued at Langley Field throughout the year in the form of a continuing program of research where the different variables have been investigated in an orderly fashion under the practical conditions of full flight. The results confirm the earlier data, which indicated that the possible reduction of the air-cooled engine can be reduced to a point where it is quite comparable with that of the equivalent power plant of any other type, even including the Prestone-cooled Vee engine. To date the author has seen no carefully controlled tests which indicate a very great aerodynamic superiority of the Prestone-cooled engine, with radiators, over the equivalent air-cooled radial installation with the best form of ring cooling. An aerodynamic comparison of the two under carefully controlled conditions would certainly be of wide interest.

Another surprising feature of the ring cooling tests

is the great reduction in drag to be obtained by comparatively narrow rings which interfere very little with the forward vision between the cylinders. All of this work indicates that the radial air-cooled engine is not nearly so bad, aerodynamically speaking, as one once supposed, and it looks as though this type would continue to hold its important place in the scheme of things aeronautical, as long as the internal combustion engine remains in its present general form.

While speaking of the aerodynamics of aircraft engines, one should not omit to mention the elaborate program of investigation now under way in the Langley Field 20-ft. tunnel on the problem of the location of an engine nacelle and propeller with respect to the wing, as an outboard installation. ["The N.A.C.A. Meets the Industry," by L. E. Neville, *Aviation*, May 24, 1930.] The possible effect of the results of this research on engine design should be of vital interest to all those interested in airplane power plant development.

Diesel Power Plants

IS the field of endeavor confined to the details of the engine itself, the outstanding trend in research in 1930 has been toward the high-speed fuel injection cycle. There is hardly an internal combustion engine laboratory in the country that is not devoting some attention to the possibilities of this type.

Early the outstanding development in this field in 1930, was the long awaited publication ["The Packard Diesel Engine," L. M. Watson, *S.A.E. Journal*, April, 1930, p. 431; "The Packard Diesel Aircraft Engine," Edward P. Wisner, *Aviation*, April 5, 1930, p. 694; Discussion of L. M. Watson's paper, *S.A.E. Journal*, Sept. 1930, p. 2291.] of the details of construction of the Packard Diesel engine and the placing of this engine on the open market as a power plant for aircraft. The details of construction are now so well known that a repetition of them here would be entirely superfluous, but one cannot refrain from calling attention to the number of especially clever design features, such as the cylinder hold-down system and the flexible

mounting of the propeller hub and counterweight, which take care of the very high pressure and torque peaks without the addition of excessive weight or unduly high stresses. One is inclined to question whether the disengaging escapement gear from the intake parts can be dispensed, while still retaining the obvious advantages in weight and simplicity of the single valve. An especially considerable feature of the engine is the use of individual fuel pumps, each actuated with an injection nozzle, a system which provides a virtually independent injection system for each cylinder and avoids the use of tubing and connections under extremely high pressures. The untimely death of the designer, Capt. L. M. Watson, cannot be ascribed from a review of the major events of 1930 as the field of aircraft power plants. By it, the industry was deprived of its most original designer on this side of the Atlantic.

Of less immediate interest to American aviation, but of perhaps equal importance in the basic development of oil burning power plants was the publication of the first complete and authentic descriptions of the new Junkers Diesel engine which was first flown in the winter of 1929. ["Design of the Junkers Diesel," Dr. Gastermeyer, *Aviotechnische Zeitschrift*, Jan. 10 and 25, 1930.]

Translated in N.A.C.A. Technical Memorandum No. 365, May, 1930.] The general characteristics of this engine have been known for some time, but the year 1930 marked the first benchmarking of its detailed constructional arrangement. Several quite remarkable features of this engine may be worth commenting upon here. The double injection arrangement is, of course, entirely without precedent in aviation engines, but is the arrangement which has been used for some time on all of Dr. Junkers' stationary Diesel engines. The fact that the water-cooled air-cooled two-stroke cycle is especially noteworthy since the use of this cycle for some years has been confined to very small engines only, while the Junkers engine is rated at 630 hp at 1600 r.p.m., giving a brake mean effective pressure of 92 lb. per sq. in., equivalent to 104 ft. on the four-stroke cycle. This is a noteworthy performance for an engine with no more piston displacement than one of our standard large sea radials, although its weight is considerably greater, being 1600 lb. without water cooling system. The use of a centrifugal blower for scavenging is unusual and accomplishes a considerable reduction in weight and size as compared with the positive blower generally employed for two-stroke engines. In spite of its design, which appears borrowed from the usual American point of view, this engine is inclined to be worked with considerable interest and may point to a trend toward the use of the two-stroke cycle in aeronautical Diesel power plants.



Internal piston and valve arrangement given in a P & W engine.

have not yet been published. Unfortunately the publication of these numerous private developments has been exceedingly meagre.

The work of the N.A.C.A. and Pennsylvania State on the mechanics of fuel sprays for Diesel and other "solid injection" engines has continued during 1930, and has added much valuable data in this very important field. [N.A.C.A. Technical Note Nos. 335, 336 and 352 on fuel sprays; "Factors in Nozzle Design," by P. H. Switzer, *A.S.M.E. Oil & Gas Power*, 1930.] One ventures to hope that the correlation of the numerous data on engines with the performance of such sprays as typical experiments will be undertaken by some competent laboratory in the near future.

Fuel Injection With Electric Ignition

THIS past year seems to have been also marked by a sudden interest in the possibility of fuel injection into the cylinder or manifold in connection with electric ignition. This was no doubt stimulated by the full flight demonstration of a Pratt & Whitney Wasp operating with injection into the cylinder, apparently with entirely satisfactory results. It appears that such a cycle may

Approved Engine Types for 1930

Engine	Type	hp
14 Packard Diesel Engine	4-14	15, 18, 21
15 Packard Diesel Engine	4-15	18, 21, 24
16 P & W Wasp Engine	4-16	180, 200, 220
17 Wright Cyclone	4-17	180, 200, 220
18 Armstrong 8-18-18	8-18	181, 182, 183
19 Lycoming 8-19-19	8-19	181, 182, 183
20 Packard Diesel 8-20	8-20	181, 182, 183
21 Air Corps, Mark 14 (Packard)	4-18	180, 200, 220
22 Wright 1-17	1-17	180, 200, 220
23 Pratt & Whitney 18-180	18-180	180, 200, 220
24 Pratt & Whitney 18-180	18-180	180, 200, 220
25 Pratt & Whitney 18-180	18-180	180, 200, 220
26 Pratt & Whitney 18-180	18-180	180, 200, 220
27 Pratt & Whitney 18-180	18-180	180, 200, 220
28 Pratt & Whitney 18-180	18-180	180, 200, 220
29 Pratt & Whitney 18-180	18-180	180, 200, 220
30 Pratt & Whitney 18-180	18-180	180, 200, 220
31 Pratt & Whitney 18-180	18-180	180, 200, 220
32 Pratt & Whitney 18-180	18-180	180, 200, 220
33 Pratt & Whitney 18-180	18-180	180, 200, 220
34 Pratt & Whitney 18-180	18-180	180, 200, 220
35 Pratt & Whitney 18-180	18-180	180, 200, 220
36 Pratt & Whitney 18-180	18-180	180, 200, 220
37 Pratt & Whitney 18-180	18-180	180, 200, 220
38 Pratt & Whitney 18-180	18-180	180, 200, 220
39 Pratt & Whitney 18-180	18-180	180, 200, 220
40 Pratt & Whitney 18-180	18-180	180, 200, 220
41 Pratt & Whitney 18-180	18-180	180, 200, 220
42 Pratt & Whitney 18-180	18-180	180, 200, 220

Note: 1-17, 1-18, 1-19, 1-20, 1-21, 1-22, 1-23, 1-24, 1-25, 1-26, 1-27, 1-28, 1-29, 1-30, 1-31, 1-32, 1-33, 1-34, 1-35, 1-36, 1-37, 1-38, 1-39, 1-40, 1-41, 1-42, 1-43, 1-44, 1-45, 1-46, 1-47, 1-48, 1-49, 1-50, 1-51, 1-52, 1-53, 1-54, 1-55, 1-56, 1-57, 1-58, 1-59, 1-60, 1-61, 1-62, 1-63, 1-64, 1-65, 1-66, 1-67, 1-68, 1-69, 1-70, 1-71, 1-72, 1-73, 1-74, 1-75, 1-76, 1-77, 1-78, 1-79, 1-80, 1-81, 1-82, 1-83, 1-84, 1-85, 1-86, 1-87, 1-88, 1-89, 1-90, 1-91, 1-92, 1-93, 1-94, 1-95, 1-96, 1-97, 1-98, 1-99, 1-100, 1-101, 1-102, 1-103, 1-104, 1-105, 1-106, 1-107, 1-108, 1-109, 1-110, 1-111, 1-112, 1-113, 1-114, 1-115, 1-116, 1-117, 1-118, 1-119, 1-120, 1-121, 1-122, 1-123, 1-124, 1-125, 1-126, 1-127, 1-128, 1-129, 1-130, 1-131, 1-132, 1-133, 1-134, 1-135, 1-136, 1-137, 1-138, 1-139, 1-140, 1-141, 1-142, 1-143, 1-144, 1-145, 1-146, 1-147, 1-148, 1-149, 1-150, 1-151, 1-152, 1-153, 1-154, 1-155, 1-156, 1-157, 1-158, 1-159, 1-160, 1-161, 1-162, 1-163, 1-164, 1-165, 1-166, 1-167, 1-168, 1-169, 1-170, 1-171, 1-172, 1-173, 1-174, 1-175, 1-176, 1-177, 1-178, 1-179, 1-180, 1-181, 1-182, 1-183, 1-184, 1-185, 1-186, 1-187, 1-188, 1-189, 1-190, 1-191, 1-192, 1-193, 1-194, 1-195, 1-196, 1-197, 1-198, 1-199, 1-200, 1-201, 1-202, 1-203, 1-204, 1-205, 1-206, 1-207, 1-208, 1-209, 1-210, 1-211, 1-212, 1-213, 1-214, 1-215, 1-216, 1-217, 1-218, 1-219, 1-220, 1-221, 1-222, 1-223, 1-224, 1-225, 1-226, 1-227, 1-228, 1-229, 1-230, 1-231, 1-232, 1-233, 1-234, 1-235, 1-236, 1-237, 1-238, 1-239, 1-240, 1-241, 1-242, 1-243, 1-244, 1-245, 1-246, 1-247, 1-248, 1-249, 1-250, 1-251, 1-252, 1-253, 1-254, 1-255, 1-256, 1-257, 1-258, 1-259, 1-260, 1-261, 1-262, 1-263, 1-264, 1-265, 1-266, 1-267, 1-268, 1-269, 1-270, 1-271, 1-272, 1-273, 1-274, 1-275, 1-276, 1-277, 1-278, 1-279, 1-280, 1-281, 1-282, 1-283, 1-284, 1-285, 1-286, 1-287, 1-288, 1-289, 1-290, 1-291, 1-292, 1-293, 1-294, 1-295, 1-296, 1-297, 1-298, 1-299, 1-300, 1-301, 1-302, 1-303, 1-304, 1-305, 1-306, 1-307, 1-308, 1-309, 1-310, 1-311, 1-312, 1-313, 1-314, 1-315, 1-316, 1-317, 1-318, 1-319, 1-320, 1-321, 1-322, 1-323, 1-324, 1-325, 1-326, 1-327, 1-328, 1-329, 1-330, 1-331, 1-332, 1-333, 1-334, 1-335, 1-336, 1-337, 1-338, 1-339, 1-340, 1-341, 1-342, 1-343, 1-344, 1-345, 1-346, 1-347, 1-348, 1-349, 1-350, 1-351, 1-352, 1-353, 1-354, 1-355, 1-356, 1-357, 1-358, 1-359, 1-360, 1-361, 1-362, 1-363, 1-364, 1-365, 1-366, 1-367, 1-368, 1-369, 1-370, 1-371, 1-372, 1-373, 1-374, 1-375, 1-376, 1-377, 1-378, 1-379, 1-380, 1-381, 1-382, 1-383, 1-384, 1-385, 1-386, 1-387, 1-388, 1-389, 1-390, 1-391, 1-392, 1-393, 1-394, 1-395, 1-396, 1-397, 1-398, 1-399, 1-400, 1-401, 1-402, 1-403, 1-404, 1-405, 1-406, 1-407, 1-408, 1-409, 1-410, 1-411, 1-412, 1-413, 1-414, 1-415, 1-416, 1-417, 1-418, 1-419, 1-420, 1-421, 1-422, 1-423, 1-424, 1-425, 1-426, 1-427, 1-428, 1-429, 1-430, 1-431, 1-432, 1-433, 1-434, 1-435, 1-436, 1-437, 1-438, 1-439, 1-440, 1-441, 1-442, 1-443, 1-444, 1-445, 1-446, 1-447, 1-448, 1-449, 1-450, 1-451, 1-452, 1-453, 1-454, 1-455, 1-456, 1-457, 1-458, 1-459, 1-460, 1-461, 1-462, 1-463, 1-464, 1-465, 1-466, 1-467, 1-468, 1-469, 1-470, 1-471, 1-472, 1-473, 1-474, 1-475, 1-476, 1-477, 1-478, 1-479, 1-480, 1-481, 1-482, 1-483, 1-484, 1-485, 1-486, 1-487, 1-488, 1-489, 1-490, 1-491, 1-492, 1-493, 1-494, 1-495, 1-496, 1-497, 1-498, 1-499, 1-500, 1-501, 1-502, 1-503, 1-504, 1-505, 1-506, 1-507, 1-508, 1-509, 1-510, 1-511, 1-512, 1-513, 1-514, 1-515, 1-516, 1-517, 1-518, 1-519, 1-520, 1-521, 1-522, 1-523, 1-524, 1-525, 1-526, 1-527, 1-528, 1-529, 1-530, 1-531, 1-532, 1-533, 1-534, 1-535, 1-536, 1-537, 1-538, 1-539, 1-540, 1-541, 1-542, 1-543, 1-544, 1-545, 1-546, 1-547, 1-548, 1-549, 1-550, 1-551, 1-552, 1-553, 1-554, 1-555, 1-556, 1-557, 1-558, 1-559, 1-560, 1-561, 1-562, 1-563, 1-564, 1-565, 1-566, 1-567, 1-568, 1-569, 1-570, 1-571, 1-572, 1-573, 1-574, 1-575, 1-576, 1-577, 1-578, 1-579, 1-580, 1-581, 1-582, 1-583, 1-584, 1-585, 1-586, 1-587, 1-588, 1-589, 1-590, 1-591, 1-592, 1-593, 1-594, 1-595, 1-596, 1-597, 1-598, 1-599, 1-600, 1-601, 1-602, 1-603, 1-604, 1-605, 1-606, 1-607, 1-608, 1-609, 1-610, 1-611, 1-612, 1-613, 1-614, 1-615, 1-616, 1-617, 1-618, 1-619, 1-620, 1-621, 1-622, 1-623, 1-624, 1-625, 1-626, 1-627, 1-628, 1-629, 1-630, 1-631, 1-632, 1-633, 1-634, 1-635, 1-636, 1-637, 1-638, 1-639, 1-640, 1-641, 1-642, 1-643, 1-644, 1-645, 1-646, 1-647, 1-648, 1-649, 1-650, 1-651, 1-652, 1-653, 1-654, 1-655, 1-656, 1-657, 1-658, 1-659, 1-660, 1-661, 1-662, 1-663, 1-664, 1-665, 1-666, 1-667, 1-668, 1-669, 1-670, 1-671, 1-672, 1-673, 1-674, 1-675, 1-676, 1-677, 1-678, 1-679, 1-680, 1-681, 1-682, 1-683, 1-684, 1-685, 1-686, 1-687, 1-688, 1-689, 1-690, 1-691, 1-692, 1-693, 1-694, 1-695, 1-696, 1-697, 1-698, 1-699, 1-700, 1-701, 1-702, 1-703, 1-704, 1-705, 1-706, 1-707, 1-708, 1-709, 1-710, 1-711, 1-712, 1-713, 1-714, 1-715, 1-716, 1-717, 1-718, 1-719, 1-720, 1-721, 1-722, 1-723, 1-724, 1-725, 1-726, 1-727, 1-728, 1-729, 1-730, 1-731, 1-732, 1-733, 1-734, 1-735, 1-736, 1-737, 1-738, 1-739, 1-740, 1-741, 1-742, 1-743, 1-744, 1-745, 1-746, 1-747, 1-748, 1-749, 1-750, 1-751, 1-752, 1-753, 1-754, 1-755, 1-756, 1-757, 1-758, 1-759, 1-760, 1-761, 1-762, 1-763, 1-764, 1-765, 1-766, 1-767, 1-768, 1-769, 1-770, 1-771, 1-772, 1-773, 1-774, 1-775, 1-776, 1-777, 1-778, 1-779, 1-780, 1-781, 1-782, 1-783, 1-784, 1-785, 1-786, 1-787, 1-788, 1-789, 1-790, 1-791, 1-792, 1-793, 1-794, 1-795, 1-796, 1-797, 1-798, 1-799, 1-800, 1-801, 1-802, 1-803, 1-804, 1-805, 1-806, 1-807, 1-808, 1-809, 1-810, 1-811, 1-812, 1-813, 1-814, 1-815, 1-816, 1-817, 1-818, 1-819, 1-820, 1-821, 1-822, 1-823, 1-824, 1-825, 1-826, 1-827, 1-828, 1-829, 1-830, 1-831, 1-832, 1-833, 1-834, 1-835, 1-836, 1-837, 1-838, 1-839, 1-840, 1-841, 1-842, 1-843, 1-844, 1-845, 1-846, 1-847, 1-848, 1-849, 1-850, 1-851, 1-852, 1-853, 1-854, 1-855, 1-856, 1-857, 1-858, 1-859, 1-860, 1-861, 1-862, 1-863, 1-864, 1-865, 1-866, 1-867, 1-868, 1-869, 1-870, 1-871, 1-872, 1-873, 1-874, 1-875, 1-876, 1-877, 1-878, 1-879, 1-880, 1-881, 1-882, 1-883, 1-884, 1-885, 1-886, 1-887, 1-888, 1-889, 1-890, 1-891, 1-892, 1-893, 1-894, 1-895, 1-896, 1-897, 1-898, 1-899, 1-900, 1-901, 1-902, 1-903, 1-904, 1-905, 1-906, 1-907, 1-908, 1-909, 1-910, 1-911, 1-912, 1-913, 1-914, 1-915, 1-916, 1-917, 1-918, 1-919, 1-920, 1-921, 1-922, 1-923, 1-924, 1-925, 1-926, 1-927, 1-928, 1-929, 1-930, 1-931, 1-932, 1-933, 1-934, 1-935, 1-936, 1-937, 1-938, 1-939, 1-940, 1-941, 1-942, 1-943, 1-944, 1-945, 1-946, 1-947, 1-948, 1-949, 1-950, 1-951, 1-952, 1-953, 1-954, 1-955, 1-956, 1-957, 1-958, 1-959, 1-960, 1-961, 1-962, 1-963, 1-964, 1-965, 1-966, 1-967, 1-968, 1-969, 1-970, 1-971, 1-972, 1-973, 1-974, 1-975, 1-976, 1-977, 1-978, 1-979, 1-980, 1-981, 1-982, 1-983, 1-984, 1-985, 1-986, 1-987, 1-988, 1-989, 1-990, 1-991, 1-992, 1-993, 1-994, 1-995, 1-996, 1-997, 1-998, 1-999, 1-1000, 1-1001, 1-1002, 1-1003, 1-1004, 1-1005, 1-1006, 1-1007, 1-1008, 1-1009, 1-1010, 1-1011, 1-1012, 1-1013, 1-1014, 1-1015, 1-1016, 1-1017, 1-1018, 1-1019, 1-1020, 1-1021, 1-1022, 1-1023, 1-1024, 1-1025, 1-1026, 1-1027, 1-1028, 1-1029, 1-1030, 1-1031, 1-1032, 1-1033, 1-1034, 1-1035, 1-1036, 1-1037, 1-1038, 1-1039, 1-1040, 1-1041, 1-1042, 1-1043, 1-1044, 1-1045, 1-1046, 1-1047, 1-1048, 1-1049, 1-1050, 1-1051, 1-1052, 1-1053, 1-1054, 1-1055, 1-1056, 1-1057, 1-1058, 1-1059, 1-1060, 1-1061, 1-1062, 1-1063, 1-1064, 1-1065, 1-1066, 1-1067, 1-1068, 1-1069, 1-1070, 1-1071, 1-1072, 1-1073, 1-1074, 1-1075, 1-1076, 1-1077, 1-1078, 1-1079, 1-1080, 1-1081, 1-1082, 1-1083, 1-1084, 1-1085, 1-1086, 1-1087, 1-1088, 1-1089, 1-1090, 1-1091, 1-1092, 1-1093, 1-1094, 1-1095, 1-1096, 1-1097, 1-1098, 1-1099, 1-1100, 1-1101, 1-1102, 1-1103, 1-1104, 1-1105, 1-1106, 1-1107, 1-1108, 1-1109, 1-1110, 1-1111, 1-1112, 1-1113, 1-1114, 1-1115, 1-1116, 1-1117, 1-1118, 1-1119, 1-1120, 1-1121, 1-1122, 1-1123, 1-1124, 1-1125, 1-1126, 1-1127, 1-1128, 1-1129, 1-1130, 1-1131, 1-1132, 1-1133, 1-1134, 1-

emerge from time to time. The durability of the outer cover fabric has been a very striking item. When the Los Angeles is no longer fit for service, it has been success-fully replaced by the dehydrated through ground handling tests. Such tests could be made to afford information of value.

Important developments in rigid airship ground handling methods and equipment have been underway continuously for the past several years. The past year has seen definite advancement of mechanical handling in lieu of man power for several phases of ground handling. Further work is indicated before a final solution satisfactory for all phases of the problem will be reached.

Options still remain divided on the merits and demerits of high versus low, or mid, masts for airship mooring. Probably neither is of universal application, and the best type again is selected to fit a given set of conditions. The mobile stanchion mast as a piece of handling equipment has been a definite success. One existing mast mast is mounted on crawler treads. Another of similar type, but arranged to travel over rails, is under construction, together with necessary additions to track-ways. Many successful moorings have been made to the low type of mast at Lakehurst and with the gradual acceleration and perfection of mechanical equipment, the number of men required to effect a mooring is being reduced. Even with the incomplete and admittedly imperfect equipment now at Lakehurst, the Los Angeles has been handled out of the shed; across the field, and secured in her riding position with the aid of sixty men.

The metal-disk airship ZMC-2 has now been in service fifteen months. She incorporates a number of novel features which are being watched with interest. Tightness of the hull, while showing some decline, still compares favorably with a fabric hull airship. As to durability of this type of structure, it is too early to draw conclusions.

Technical progress along various lines necessary to the airship field has continued. Development in the United States of a solid injection type engine suitable for airships is underway, but it is too early to predict the outcome of these efforts. The everlasting search for more suitable gas cell material has produced a gelatin-linex fabric that has given very satisfactory results in actual service for a period of nine months. An airship envelope is being constructed with which to conduct left-side tests using fuel gas as an airship fuel. One phase of this problem is how to handle the reproduction of helium that has become polluted with a high-hydrogen content fuel gas. Better means have been developed for making seams in rubberized fabric. A really satisfactory type of water-recovery apparatus that will not add too much to the resistance of the airship is still much needed for helium-filled rigid airships.

With the opening of a new government plant near Amarillo, Texas, increased quantities of helium have become available. Low-cost helium is hereby a question of large production, and net production costs of less than one cent per cubic foot have been reported by the Bureau of Mines. Several additional tasks arise for transportation of helium have been put in service by the Navy Department.

Over the United States, the Graf Zeppelin has operated on more or less regularly scheduled flights, and generally has carried full passenger lists. Her triangular flight (Europe—South America—United States) in June was a striking achievement, second only to her

record-breaking voyage around the world last year. A new and larger shed has been completed at the Friedrichshafen works of the Zeppelin Company, and work has actually started on a new and larger ship to be known as LZ-128. It is understood that this airship expects to see better. This decision has been made subsequent to the R-101 disaster.

The two British airships, R-100 and R-101, had their trial flights late in 1929. Each airship incorporated in its construction variations from usual Zeppelin practice. The R-100 employed duralumin as the principal structural material. The R-101 employed a stainless steel for certain portions of structural members, amounting to 25 per cent by weight of the total.

The R-100 made a round trip voyage from England to Canada in July and August. This marked the twelfth crossing of the Atlantic by airship—the westward and six eastward voyages. The Pacific has been crossed one—west to east. For nearly two weeks the R-100 remained based on the coast near Montreal, which represents the last word in modern equipment for the high-mast type. Damage to fabric in covering was successfully repaired while the airship rode to the coast.

This accidental damage to the covering was similar damage to the Graf Zeppelin in 1928, and focuses increased attention on possible weaknesses in airship fabric. It is noteworthy that in such case, the airship continued her voyage in safety. High-speed airships clearly demand that the covering be adequately strong and be supported at more frequent intervals.

In each recent year the months September or October have produced some noteworthy airship event, and 1930 is no exception. The unfortunate disaster to the R-101 was a fearful shock. As this is written there are at least only press reports as to circumstances which might have caused this tragedy, but nothing has been seen which throws suspicion on the structural integrity of the airship. One comment read the current newspaper accounts without having a number of questions arise. Why was there only a brief trial flight after the major operation of adding a new bay to the airship? What were the actual weather conditions? Were they known in advance and was effort made to dodge the worst weather? Was the airship structurally low-heavy, and if so, what caused this condition? Was the airship's preflight situation realized and were all reasonable measures taken to maintain control of the airship? It is greatly to be hoped that the investigation now in progress will bring forth enlightening facts on the technical aspects of this tragedy, so that future generations of airships may profit. Undoubtedly, the large loss of life was a secondary phase of the accident and resulted from hydrogen fire. There is nothing which has so far appeared in reference to this disaster which negates the opinion that helium-filled airships, carefully designed and skillfully operated, are a safe means of transportation.

It is difficult to believe that the R-101 disaster will cause any permanent retardation in airship work, certainly not in this country where helium is comparatively easy to obtain. Public opinion, as evidenced through editorial comment, is still decidedly favorable to airship development. Further evidence of firm belief in airships is to be found in the plans of at least one or two groups, and notably of the Goodyear-Zeppelin interests, in alliance with the German Zeppelin Company and with American financial interests, for the establishment of trans-continental lines carrying mail, passengers and express

AIRPORT CONSTRUCTION IN 1930

ONCE again it is time to look back over a calendar year and consider the record made in the all-important matter of providing terminal facilities for this country's aircraft. Most conspicuous, of course, is the fact that construction dropped below the record for 1929 and far below the prophesy for 1930. Again, however, as last year, airport construction was about as prosperous an activity as could be found in the aviation industry. It shared in the prevailing recession, but to a much smaller degree than most of the other departments.

A year ago we reported that in 1929 some \$45,000,000 and \$50,000,000 had been spent on airport construction projects. With conditions then obtaining it appeared that an even larger amount would be invested during the year just closed. We estimated, quite conservatively we then thought, that 1930 would see between \$30,000,000 and \$75,000,000 spent on the various phases of post building and refinement. Like most other

What was the 1930 record in this activity and how does it compare with that for 1929? In this article the important elements are described and the results summarized. The conclusions present a highly satisfactory condition in this department of the industry.

estimates for 1930, this one proved high. The actual outlay was close to the \$45,000,000 mark.

This last figure was secured by the same method as that published for the previous year [See AVIATION, Feb. 15, 1930]—by tabulating all available reports on completed airport construction work. It obviously and of necessity is indicative only, since it is quite one of the questions to secure a complete and accurate summation of all the work done. We may consider it at least a minimum, however, for undoubtedly there were projects which escaped reporting, and there were instances also of extensive work in progress which data were too vague to merit inclusion in our statistics. There are eight salient characteristics of the 1930 record:



Handicap field and new and airport construction this year.

1. A great deal of the construction was confined to the completion of projects started in 1929, and fewer brand new projects were launched.

2. As in the preceding year, there were far more municipal projects in 1930 than private or commercial. Approximately 70 per cent of these were under municipal or government auspices in 1930, while in 1929 about 57 per cent (175 as compared with 180) were municipal. This indicates that civic communities could best afford to carry on with airport construction programs, that municipal projects continue to dominate in the general development of a national airport map, and that even this department of aviation depends to a large degree on governmental interest.

3. Construction in 1930 followed the tendency to build for permanence, with even more appreciation of the importance of provisions for comfort and of the aesthetic aspects than had been displayed in the preceding year. In the air-terminal building the airport is a business comparable to those of railroads and steamships. Used for comfort, convenience and pleasing architectural surroundings they look like similar structures in the aeronautical set-up. Though they have been disappointed in the past, they are gradually being provided with something at least approximating their demand.

4. There was a very definite slowing up during last year in the initiating of projects by commercial interests as an investment. The fact that an airport would usually be considered a sort of public utility or a very long term investment discouraged the promoters, leaving the field to large transport or general operating companies and to municipal and semi-municipal groups (that is, such projects as these operated as a part of a chamber of commerce on behalf of the cities).

5. Many airports have realized in the past twelve months that in their enthusiasm to keep abreast of events in aviation they had provided more building space than would be needed for some time. In general it may be said that we have too many buildings and not enough land. This statement should be interpreted only in its widest sense, however, for the most opposite opinions at many individual points.

6. Another realization which has been causing concern is that in many cases elaborate airport equipment, runway installations, etc., are being found unnecessary as yet. This is shown in Table 2 but deserves separate emphasis. Many communities have not only over-built but have needlessly equipped themselves with installations they could ill afford. All that many communities

Table 1: Approximate Minimum Outlay

	1929 (in \$100,000)	1930
Total	8,034,000	8,034,000
Public	5,034,000	5,034,000
Commercial	3,000,000	3,000,000
State	1,411,000	1,411,000
Other	2,629,000	2,629,000
Total	8,034,000	8,034,000

require for some time to come is a landing field with service for the seasonal west of aircraft rather than elaborate facilities capable of handling a transport service.

7. Grading, drainage and runway improvements were in for more attention than ever before. Hard surfaced runways were installed at scores of major points, many of them fields which had been in existence for some time and which were adopting the new surfacing to meet the requirements of modern transport operation in all seasons. There was a growing appreciation of the need for adequate drainage. Everywhere earnest at-

Table 2: Approximate 1930 Outlay for Aeronautics

	South	North	Central	West	East
No. of new airports	10-15	10-15	10-15	10-15	10-15
Major expenditures	\$1,000,000	\$1,000,000	\$1,000,000	\$1,000,000	\$1,000,000
Cost of public buildings	5-10	5-10	5-10	5-10	5-10
Cost of public buildings	100,000	100,000	100,000	100,000	100,000
Runways	20,000	100,000	100,000	100,000	100,000
Landings	20,000	100,000	100,000	100,000	100,000
Grading and drainage	1,000,000	1,000,000	1,000,000	1,000,000	1,000,000
Other expenditures	1,000,000	1,000,000	1,000,000	1,000,000	1,000,000

*Not available.

tempts were being made to eliminate, in one way or another, the mud, or wet, treacherous ground which has characterized so many points.

8. The construction in the first half of 1930 was but slightly under 50 per cent of the total for 1929. It appeared in about months that this year's construction would just about hold its own as compared with a year ago. However, the slowing down which started in the first six months became more marked in the second period as projects reached completion and new construction started fell off. This was in general a normal, seasonal trend.

ABOUT 150 new hangars were built in the United States during last year, representing an investment of approximately \$1,000,000. About 35 or 40 administration buildings were erected at a cost of approximately \$2,500,000. More than 20,000 acres of land were acquired for airport use at a total cost of about \$5,000,000. There were about 40 projects involving runway extension or improvement and these cost close to \$2,000,000. Between 30-35 individual lighting installations cost more than \$500,000. Fifty or so grading and drainage projects involved an outlay of more than \$5,000,000, while general development cost over \$16,000,000. There were miscellaneous projects to amount for at least another million or two.

For 1929 we reported 83 new development projects—which we treated as a whole, without reference to the individual times of grading, lighting, etc.—and these totaled more than \$75,000,000. Besides these there were, of course, many individual cases of surfacing, lighting, building construction, general improvement, and miscellaneous work. The geographical areas were about as made of the following states:

East—Maine, New Hampshire, Vermont, Rhode Island, Massachusetts, Connecticut, New York, Pennsylvania, New Jersey, Delaware, Maryland, and the District of Columbia.

Central—Ohio, Illinois, Indiana, Nebraska, Missouri, Kansas and Iowa.

North Central—Canada, North Dakota, South Dakota, Michigan, Wisconsin and Minnesota.

South—Texas, Florida, Louisiana, Texas, Mississippi, Virginia, West Virginia, North Carolina, South Carolina, Georgia, Alabama, Kentucky and Arkansas.

West—Washington, Oregon, California, New Mexico, Arizona, Idaho, Montana, Utah, Wyoming, Colorado, Nevada and Oklahoma.

Construction in two sections of the country actually increased in 1930 over 1929. The South was particularly active. Though its total investment may have been less than in some other areas, in number of individual projects it surpassed the rest. The other section to show a gain was the North Central area, including a part of Canada.

Using the figures actually reported to us, and without including corrections applied to the totals for the year, we have in Table 3 the interesting comparison of work in the various sections.

A more detailed barometer of what happened in 1930 is shown in Table 2, which includes estimates by geographical section based on such data as the above. This shows clearly the high point in the South in part construction matters last year. More than 50 hangars were built in that area, approximately a dozen individual administration buildings were erected and more than 10,000 acres of land were secured for airport purposes.

For various reasons the western data for 1929 and 1930 could not be compiled along exactly the same lines, so no direct comparison of two decades tables is available. Some idea of the relation between the two years may be

Table 4: Department of Commerce Airport Figures

	Jan. 1929	Jan. 1930
All airports and fields, including government	1,000	1,013
Government	400	414
Commercial	600	599
Department of Commerce installations	200	199
Other	100	100
State	100	111
Municipal	100	111
Individual government activities	100	111
Proposed	1,000	1,000

derived from the approximate figures for 1929 in Table 3.

The Aeronautics Branch issued about 900 new and revised Airport Bulletins during the year. Approximately 375 of these represented airports and fields not covered by bulletins before. The majority of the latter, of course, were brand new installations. The Branch reported at the first of the year and near the close the airport figures in Table 4.

WHAT OF THE YEAR 1931? What may we expect the total investment in construction to read and what may its outstanding features be?

It seems reasonable to expect that there will be between \$20,000,000 and \$30,000,000 worth of construction carried out this year unless there is a prolongation of the slide in general business affairs. This is based on the known projects planned for the coming months and on the rate of decrease experienced in 1930 over 1929. A slow falling off may be considered normal, as the fewest airport building programs could not continue indefinitely, and the known spots on the airport map have been well filled in. It should be emphasized, however, that the airport situation is not as bright.

Refinement of existing plans probably will be one of the most active of construction items this year. By the close of the year much equipment already installed should have been improved and better turned to the service for which it was designed. Further attention will be given to the provision of comfortable passenger handling facilities, lighting, surfacing and drainage.

Table 3

	South	North	Central	West	East
Number of airports	10-15	10-15	10-15	10-15	10-15
Major expenditures	\$1,000,000	\$1,000,000	\$1,000,000	\$1,000,000	\$1,000,000
Cost of public buildings	5-10	5-10	5-10	5-10	5-10
Cost of public buildings	100,000	100,000	100,000	100,000	100,000
Runways	20,000	100,000	100,000	100,000	100,000
Landings	20,000	100,000	100,000	100,000	100,000
Grading and drainage	1,000,000	1,000,000	1,000,000	1,000,000	1,000,000
Other expenditures	1,000,000	1,000,000	1,000,000	1,000,000	1,000,000

*Not available.



The new hangar at United Airport with its 10,000 sq. ft. floor space.

DEVELOPMENT OF MILITARY AIRPLANES

By Major Clinton W. Howard

Chief Engineer, Maxwell Dam, Wright Field, Dayton, Ohio



An observation plane that carries the observer far above the enemy.

IN LAST year's experimental procurement program of the Air Corps the foremost emphasis has been placed upon increased speed for all military types of airplanes. The conflicts of the major trend are, in order of importance—increased power—clean design and decreased weight—multiplicity of types.

The principal advances in airplane performance are the result of engines of greater power and efficiency. The present policy of the Material Division, therefore, in order to meet the constant demand for improved performance by the tactical organizations, is to devote its major efforts to the development of power plants.

Increased speed can best be obtained by increase in power for a given piston displacement, and the trend of experiment for both liquid and air-cooled engines has been in this direction. The power of the present standard air-cooled and liquid-cooled engines has increased from 10 to 20 per cent during the past year, as a result of fundamental studies involving compression ratio, supercharging, revolutions per minute, and increased turbo near critical pressure. The fruits of these improvements are not in sight. There are at present outstanding design requirements and specifications for an engine of 1,000 hp., having the same displacement as the existing 600 hp. types.

Increased power as represented by the engines developed along these lines can only be obtained by the use of fuel which is an improvement over the present domestic aviation gasoline. The United States possesses ample resources of high-grade crude oils suitable for the production of gasoline with exceptionally high anti-knock ratings. This petroleum industry, in cooperation with the Air Corps, has produced and made available to the American aviation industry a fuel conforming to the extremely rigid requirements of the new Army aviation

gasoline specification. The trend is toward a continuation of researches in fuel development, which it is believed offers possibilities for much further improvement in engine performance.

The advanced models of airplanes of strictly military type either liquid-cooled engines with their decreased resistance, improved susceptibility to efficient cooling, and Ethylene Glycol as a coolant. From a structural standpoint these airplanes show a definite trend toward all-metal construction. The metal monocoque fuselage has distinct advantages over the now standard type of structure for the Army (fabric-covered steel framework with composite fabric-covered wings). There is a saving in weight and a decided improvement in streamlining and consequent reduction in drag.

New models include both biplanes and monoplanes; however, there is a strong trend toward the monoplane. The "pull wing," as shown in one of the illustrations, has been found to have some advantages from the standpoint of stress, and the disadvantages from an aerodynamic standpoint are in some instances less than anticipated. In other instances these disadvantages are sufficient to make questionable the usefulness of this type of wing structure. Some years ago it became apparent that along with the increase in power of engines other means should be sought to improve the performance of military airplanes. The extensively laminated all-metal monoplane wing offered the logical means of reducing parasite resistance.

A vast amount of work has been devoted to the structural and aerodynamic aspects of this problem by the Material Division and by the manufacturers of commercial and military aircraft, with the result that the objections to the monocoque for military airplanes that are due to their terminal velocities have been overcome. Wing "deter" has been eliminated and the desired

strength obtained by the use of suitable materials and methods of construction. An extremely broad metal-shell type wing of duralumin construction throughout has been recently tested. It has a span of 55 ft. and with a unit weight of 1.85 lb. per sq. ft., it carried without failure a maximum load of 120 lb. per sq. ft. Such a wing is suitable for an airplane of 5,000 lb. gross weight, designed for a load factor of ten under high incidence conditions. There are now being produced all-metal monocoques (monocoque fuselages) for attack, bombardment, pursuit, and observation airplanes.

Increase in speed at altitude has been obtained by supercharging, with the Turbo exhaust-driven supercharger appearing most promising. However, all superchargers increase the weight of the engine and fuel load, with the result that the weight of a 600 hp. engine installation, plus the fuel load, is more than 50 per cent of the gross load for present experimental single-seater pursuit models. This indicates that there will be, for engineering reasons, a trend toward a bi-place fighter for high altitude, as the increase in the structure necessary for an additional cockpit is very slight and, practically the same performance has been obtained with the two-seater as with single-seaters with the same engine.

Expressed in another manner, the difference in performance between a single and two-place airplane built around a 300 or 400 hp. engine is much greater than the difference in performance between the most efficient single and two-place airplanes built around a 600 hp. engine. With greater increments of power the advantage will be still more in favor of the two-place airplane and there will be a tendency toward the elimination of the single-seater fighter for use at high altitudes.

One trend of all military airplane design is toward an increase in the number of types and models of aircraft specified for the use of the U. S. Army Air Corps. These are designated as attack, bombardment, observation, pursuit, transport, photographic, primary training, and basic training. The experience of the past years with both experimental and standard service type airplanes has shown that in practically all instances the performance of the existing planes is not sufficiently flexible to meet their function satisfactorily when a given

This article, although interesting in itself, would be even more interesting if coupled with one on the development of Naval Airplane for the same period. A number of parallel and supplementary conclusions would be found. These are the best evidence that could be given of the increased harmony among military, naval, and commercial airplane design and operation, and of the extent to which each profits by drawing upon the knowledge and experience of the others.

model has been required to do the work of more than one classified type. The members in performance, especially speed have been too great for the advantages gained from the maintenance and supply standpoint by reducing the number of types. Although there has been some increase in the scope of the tactical requirements to be met and in the variety of functions that the military airplane must perform, the increase of the number of distinct types as listed above has been due largely to engineering developments. It is also to be noted that the absence of a perfected and standardized variable pitch propeller has retarded in an abnormally great loss of horsepower and efficiency at altitudes less than the highest at which the rated horsepower of the engines can be developed. Thus it, the airplane with a supercharged power plant has a great advantage in performance at high altitudes over the airplane with the same engine not supercharged, but it develops its inferior range the ground—variable pitch propeller will not completely solve this problem, however, and there is, and still will be, a necessity for two or more models of some military types in order to insure maximum performance under all conditions and at all altitudes.

Illustrations of the tendency toward an increase in the number of types, and of the inability of the designers and builders of aircraft to construct a composite airplane that will serve more than one requirement, are the photographic and attack types. Although observation airplanes will continue to carry photographic equipment as war, there is a definite need for a special airplane which has little or no application to other military purposes except that it can easily be converted into a light transport. The characteristics of the present standard attack type airplane, which is a modified observation airplane, differ widely from the experimental models now under construction.



Painting the landing gear and engine.

The new models are low-wing monoplanes with monocoque fuselages, racing type wings, and in some instances equipped with slots and flaps. They are powered with either direct-drive or geared Curtiss Conquest engines using Ethylene-Glycol as a coolant. The increase in speed is in the range of 80 m.p.h. over the present standard attack airplane, which is obtained by the sacrifice of characteristics essential for observation airplanes. In one of the monoplanes an experimental model of a long-range observation type airplane provides for the seating of the crew of three in tandem. The novel features of this airplane are the engine installation and the landing gear design. The landing gear, electrically operated, folds back into the engine nacelle, the wheels occupying the streamlined section of the engine cowls. The difference of speed with the wheels up and down amounts to approximately 15 m.p.h., which is well worth the additional weight on this particular type. This type of landing gear traces its ancestry to an Army scout plane which was brought forth in 1928.

Commercial aviation has influenced the military models of the transport airplanes. In addition to the multi-engine standard type transports now used,



One of "gull wing" on a new two motor patrol ship.

there are being "service tested" a number of single-engine transports for specific purposes. The most high-speed transports are being used for tenders for patrol airplanes, carrying crews and minor parts, while the larger and slower single-engine types are being service tested as cargo airplanes for the purpose of transporting spare engines and more bulky equipment. As well as personnel, at a lower cost and with less maintenance than with the present standard multi-engine models. The policy is being still further extended toward the utilization of the very largest types of commercial transport airplanes. In cases of emergency, airplanes capable of carrying bulky engines or parts will have a very important function in supplying the advanced landing fields with technical and other supplies.

At present there is one standard primary training type airplane. In 1929 a survey was made of commercial training airplanes in view of increasing the scope of supply.

It was found that only one, out of fifteen airplanes investigated, would meet the military requirements in respect to design factors, accessibility, crews, and vision, owing to the fact that the majority of them were primarily designed for sport and passenger airplanes and

then adapted to training purposes. This year there are five commercial types that meet the military requirements for trainers, which may be taken as an indication of the tendency of manufacturers to observe the Army standard in the construction. The function of the basic training airplane is to provide a normal step for the student qualifying on the primary training airplane to the service airplane. In general, the controllability, stability, and balance of the basic training airplane approximate the characteristics found in the single-engine service type, however, the power unit and gross loading are smaller. The trend of development is to retain the present welded steel fuselage construction and to step the primary training airplane up in performance and power, rather than to use a standard service type airplane with a smaller engine. It may be seen that this policy is advantageous to both the government and the manufacturers of commercial aircraft, and especially to those who conform to the load factors and other requirements of the Air Corps.

The influence of the improvement of non-military airplanes is reflected in improvements on existing standard patrol, observation, and bombardment airplanes. The ring tail is used with all air-cooled installations. Tail wheels (tail wheels) form part of the standard equipment, and enclosed cockpit and streamlined wheels are in evidence in some of the experimental types. On a given type, the addition of the ring tail increased the maximum speed near the ground approximately 10 m.p.h., and streamlining for the wheels made a difference of 5 m.p.h. in the high speed.

The equipment and armament of the strictly tactical airplane are being reduced in some instances for the purpose of lightening the load and decreasing fuselage dimensions. The use of brackets, first developed by the Army and used on high speed airplanes, has been extended even to training types. Navigation instruments are of primary importance on all installations, but there is a decided effort on the part of the Air Corps to eliminate engine as well as non-essential flight instruments, and other unnecessary equipment which has been gradually accumulating in military aircraft.

In conclusion, it is desired to point out that the trend is predominantly toward higher speeds for all aircraft military types, and the utilization of all-metal and composite wire structures with metal monocoque fuselages. For this reason, the liquid-cooled engine best fits the needs of the Army Air Corps, and its adoption with Ethylene-Glycol as a coolant has resulted in an outstanding saving in the power-weight ratio, with a prospect of further improvement with the use of newer coolants now under consideration. The air-cooled engine, with its need for the standard training and transport engine, with the possibility of a limited tactical use in some other models of airplanes designed for operation at intermediate altitudes.

GLIDING ACTIVITIES

GLIDING and soaring prospects in this country were never better than after twelve months as which we have ranged from an unusual and unrenewing enthusiasm at the beginning, through a period of doubt, to many quarters winging on down, and then on to a new confidence based on sober planning. We have gone through the tribulations associated with a first burst of American enthusiasm, and all are squared around on a more mature basis.

As a result of our 1930 experiences we learned: That gliding and soaring may be expected to prosper in direct relation to the quality of our training and experience. That adequate background is essential, and is just what we have been lacking.

That the logical idea of gliding is soaring, and that the latter not only is now possible in this country but may perfectly well attain a caliber equalling the German performance.

That there is nothing inherently wrong with gliding or soaring, but that we have been guilty of haste, confusion and non-over-optimism.

That the primary type has serious defects and that the secondary now appears the best bet suited to all average operations in this country. This applies particularly to auto-soaring, which we have developed to supply artificial lifts where natural elevations are not available, or where operation from an airport station is preferred.

That both gliding and soaring are worth while for their own sake as a sport and science, and should not be regarded primarily in a commercial light, as part of a flight

A year ago we were on the brink of a great experiment, and its name was gliding. Cause disheartenment, which threw the glider into widespread disrepute and seriously threatened its future prospects. By the close of the year, however, motorless flying was looking up. Elms and a dose of common sense did it. Here is the record.

instruction course or as a penance for the sins of a manufacturing industry.

That airplane towing is extremely hazardous and to be undertaken only by the most experienced, but that auto-soaring is perfectly legitimate if done with the proper equipment and in a proper fashion.

A year ago indeed was nearing its end. A number of airplane manufacturers had seen in the glider movement an opportunity to maintain factory activity despite the decline in plane building. Flying schools saw in it a novel and perhaps necessary adjunct to their construction methods. Airport operators perceived another attraction to draw the public to their fields. Promoters saw an opportunity to make money. The emphasis was on the commercial aspects, the sporting and scientific aspects were nearly forgotten.

To supply an eager market, airplane manufacturers added primary gliders to their products and quickly dominated the field, since the smaller firms concentrating on gliders lacked considerable sales and manufacturing facilities. Up to the middle of June four airplane manufacturers alone had produced more than 275 gliders—all of the primary type.

During the first half of the year we were still thinking of gliders as open, bicycle-seat vehicles hunched by shock cord or auto-type for short aerial "rides" of a few seconds' duration. They were alleged to be simple to build, light to transport, easy to assemble and repair, inexpensive, and practically fool-proof. It was



A first glider best used in marine towing.

natural that this primary type should be the favorite of professional manufacturers, the amateur builder, and the enthusiastic buyer.

About the middle of Spring we began to realize that under existing conditions, and with the type of machine then prevailing, gliders could be transformed easily from the safe device we had been told they were, into veritable man-killers. The generous support accorded by industry and public was being withdrawn. By late summer many of the gliders were collecting dust on storage or had been discarded entirely after major and minor crashes. The serious point in the fortunes of gliding, as well as the dawn of competitive soaring in this country, came with the First National Soaring Meet at Elkhart, N. Y., Sept. 21 to Oct. 5, which served to focus attention on the efficient secondary or utility type and the significance of soaring. American soaring in 1930 had previously been confined to the vicinity of San Diego, where Hawley Thomas and Jack Barnow had been active. The latter established an unofficial duration record of 15 hours.

At this Elkhart meet, staged by the National Glider Association as part of its effort to co-ordinate and supervise gliding activities, some of the outstanding performances were:

Wolff Hirth of Germany attained an altitude of 2508 ft. about his starting point using a German motor and was the first of the ultimate prizes presented by AVIATION. Warren Eaton, using an American secondary, reached 2,499 ft. Hirth flew 33 miles across country. Albert Hastings, also using a secondary, made a duration flight of 7 hr. 43 min., 11 sec., and first and

second prizes in landing to the stake were won by landings 4 and 5 inches from the stake. In the 99 qualified flights of the meet the machines totaled 116 hours in the air.

Lack of proper supervision and regulation was another of the chief causes of the glider slump. The National Glider Association, of course, has led only those clubs and individuals affiliated with it. It has had its hands full, for the association grew from 26 clubs, 51 licensed pilots and 32 machines on Jan. 1, to 60 clubs, 204 licensed pilots and 76 machines on Nov. 25. Outside of the S.G.A., were hundreds of independent clubs and individuals, including many virtually untrained high school boys who lacked experienced leadership. Many of this independent class operated in the distinct detriment of the movement.

Improvement in this situation followed promulgation of the Department of Commerce regulations in 1930, and a general warning of super-enthusiasm. The first direct advance of the federal government had been in March, 1930, when it forbade airplane towing except by special permission. The N.G.A. in November abandoned licensing pilots, leaving the work to the National Aeronautic Association and the Aeronautics Branch.

All the federal rules are now in effect, except that regarding A.T.C.'s for license. Until July 1, 1931, it will continue to be possible to have a glider licensed on the basis of a visual check by an inspector.

On Dec. 1 the government reported the current glider statistics:

Standard glider, portable engine since July 1	810
Glider, port. engine before July 1	120
Glider, motorless before	95
Others (identified)	85
Approved type certificate for gliders	1,075

Nothing spectacular in design has been developed, but experience has brought general refinement of the primary glider—on account of structural limitations and dangers in favor of the sturdier and more efficient secondary, or utility. This type has an enclosed cockpit and fuselage, and an aspect ratio of not more than 10. While not developed directly as a motor, it will not easily be adapted to give favorable terms and wind conditions, as was demonstrated convincingly at the Elkhart meet. We have learned that structural strength in motors must not be sacrificed for lightness. A number of mishaps, especially control-surface failures in flight, have emphasized the danger of extreme cutting down in weight.

We appreciate better now the value of design permitting quick and easy assembly and disassembly. The standard primary type, even very disappointing as that source among others. Well-built and efficiently designed trainers also are important to successful sportsmen. Use of a single wheel or a pair of wheels instead of only skids has been found advantageous for auto-towing at airports. Sturdiness with strength, of course, must ever be the guiding principle in glider design.

Operating scope has increased with the discovery of the Elkhart and California soaring terrains, and there is a new impetus to discover other sites. Operating methods have changed considerably in the light of unfortunate episodes in engine and motor-driven engine in improper instructions practices. The usual practice now is to load, proceed to shock-cool landings. All auto-towing was looked upon with suspicion at one time but it is now the consensus that if done with proper equipment and in a proper manner it is a safe and satisfactory method of glider instruction.

PROGRESS OF RESEARCH AND INVENTION

By Otto C. Koppen

Associate Professor of Aeronautical Engineering
Massachusetts Institute of Technology

THIS outstanding research problem of 1930 was the uncontrollable spin, held before the attention of the commercial airplane manufacturers chiefly by the requirements of the Department of Commerce. Whether or not the attitude of the Department toward spinning is too harsh, there is no doubt that the requirements as to the number of turns an airplane must make in a spin without becoming uncontrollable brought out dangerous characteristics of airplanes that would have otherwise been considered airworthy. The necessity of conforming with the requirements of the Department caused a great deal of research that would not have been touched if they had not existed.

Since spinning is a necessary of little use in either commercial or military flying, there is no doubt that in the future airplanes will be built so that it will be impossible to spin them under any condition. However, in learning to eliminate uncontrollable spins a great deal of information concerning control and stability at low speeds is being obtained, with subsequent improvement of the characteristics of control in stalled flight.

The influence of spin research is already being felt in the field of design. The presence of locating lags in components forward of the center of gravity of the airplane is becoming more obvious, so the benefit not only of spinning characteristics but also of longitudinal stability under full-load conditions.

The research on spinning now being completed by the National Advisory Committee for Aeronautics ought to be complete enough to provide all of the necessary design data to make it possible to avoid spinning troubles in the future.

Closely allied with the problem of spinning is the question of lateral control at low speeds. In general, the airplane will maintain equilibrium or can be held in equilibrium if the airplane is either stable or controllable. If an airplane is both unstable and uncontrollable, it will not tend to return to an equilibrium position if disturbed and the pilot will have no power to make it do so. Consequently, the motion will increase indefinitely or until a state of motion is reached in which the airplane becomes stable.

The Guggenheim Safe Airplane Competition held early in 1930 brought forward a comparatively new solution of the problem of lateral control. The airplane which won the Competition, the Curtiss Tanager, was

equipped with floating ailerons especially designed to provide control at low speeds. The method used was one that had been tried in England prior to 1924 on an experimental airplane but at that time did not show sufficient merit to justify further development.

The floating aileron as developed by the Curtiss Company proved to be very effective in flight at low speeds. Due to the freedom of rotation of the floating aileron, when displaced, their angle of attack to the relative wind is equal to the angle through which the pilot moves them, regardless of the angle of attack of the airplane. Since the setting of the aileron in its neutral stick position is always parallel to the direction of the relative wind, the air forces on the ailerons, when displaced, are equal in magnitude. Therefore the drops of the ailerons are equal, and the aileron yawing moment is always equal to zero. The lift of the floating aileron is independent of the lift of the wing, as the location of the aileron is entirely separated from the junction of the wing. The rolling moment of the floating aileron is independent of the angle of attack of the airplane wing and varies only with forward speed.

The Guggenheim Competition also positively demonstrated, for the first time in the United States, the marked increase in performance that can be obtained when slots and flaps are used to increase wing lift.

The development that is probably here out to be the most important of 1930 was not the direct and designed result of research or invention. It was an unexpected outcome of the Guggenheim Competition. The Competition showed that at least two of the elements, the Curtiss Tanager and the Dunsell "Doodler," could be safely loaded from any attitude by merely holding the controls back and waiting for the airplane to "lead itself." This very useful characteristic was due to a combination of wing slots and flaps, sufficient control, and long-travel landing gear, especially the last.

AIRPLANE structural research in 1930 was concentrated chiefly on the design of metal structures having stressed skin. Allowable stresses in this metal sheet and the effect of stiffeners on the allowable stresses in the metal sheets were studied in the laboratories of the Bureau of Standards, of Lehigh University, and of the Massachusetts Institute of Technology.

Additional information as to the maximum loads allowed in flight on a parasol airplane, as yet unpublished, was obtained from pressure distribution tests made by the National Advisory Committee for Aeronautics. Loading schedules now used in stress calculations will no doubt be revised as a result.



Model developed by the
Waco Aircraft Corporation.

PROGRESS IN AIRCRAFT MATERIAL DEVELOPMENT

By J. B. Johnson
Chief, Material Branch
Material Division, Army Air Corps

IMPROVEMENTS in design are often preceded by the development of new materials of construction, or more efficient methods of fabrication. The aeronautical engineer does not have a background of precedent upon which to base his selection and is made apt to exploit the possibilities of new materials than are engineers in other fields. Progress in the past year has been as notable as in any previous period, despite the curtailment of production. The greatest effort is being directed toward metal construction. Most engineers recognize this as the ultimate goal, although they may advocate other forms of construction as a matter of expediency. The rigid metal wing and fuselage, in which the entire covering is not pneumatic but carries its share of the load, is rapidly being realized. The metal materials which are now commercially used in this country are stainless steel and aluminum alloys. Magnesium is coming to the front in Europe. Beryllium is still on the speculative horizon.

CLEAR, straight-grained Sitka spruce was at one time the principal material for wing beams, but it has gradually been replaced by laminated and built-up construction, except for small, light airplanes. Increased efficiency in the use of material has been obtained in box beams and other hollow structures by the adoption of two-ply veneer or orthogony in place of three-ply material. The planking is made with a glue sheath strength equal to that of regular aircraft plywood. With the increase in speed, there has been a tendency on the part of several companies in the past year to use plywood covered wing surfaces in place of fabric, in order to obtain greater stiffness without resorting to metal.

There has been little change in methods of fabricating wood structures. Experiments made at Wright Field on the use of staples applied with a stapling machine in

Development of materials is one of the most important contributing factors to structural efficiency and weight saving. As head of the Air Corps division devoted to this study, the author of the accompanying article has had long and valuable experience with the problem.



Welded steel of magnesium monometer after testing.

place of leads for joining the members of truss-type ribs were quite successful in reducing manufacturing time without impairing the efficiency of the joint. This method has been adopted by at least one manufacturer.

Practically no changes have been made in the cases in glass which are universally used for aircraft construction. The uniformity and water resistance of the present product is quite satisfactory. Since the working life of a glass wing is an important consideration under certain conditions, a viscosity determination has been incorporated into the government specifications, which secures a maximum working life of five hours.

THE only change in Grade A cotton fabric for wing coverings has been the production of a smoother material, free from nap. Cotton fabrics with less weight and strength than Grade A are being used for light biplane and glider construction. There has been some

AVIATION
January, 1931

AVIATION
January, 1931

experimental work on pie-shaped tapes. A twisted cotton having cord has been developed which is superior to the twisted cord made according to standard specifications. Twisted cord will not unravel during the process of being the fabric to the structure, and the tape can be made tighter and less flutter than with the twisted cord.

The Air Corps has been successful in the development of a rayon for parachutes which gives a performance equal to the natural silk fabric now extensively used in service type parachutes. The opening time is about the same as for natural silk, and superior to cotton fabric.

The strength-weight ratio of fine cotton balloon cloth has been raised about 10 per cent.

THERE has been a strong tendency upon the part of airplane designers to use metal construction for aircraft wings. Steel and light alloys have received about equal consideration. Welded truss-type fuselages and control surfaces have been in service for years and are very satisfactory. The construction is rigid and permanent. Loosework or play in the joints is impossible. Fuselages which have been in service for more than six years show no deterioration as the structure. Steel beams made of chrome-nickel-manganese alloy, oxy-acetylene welded and heat treated, are more recent but have been used in several airplanes. They are especially applicable to the larger types. Heat treatment is generally done after all welding. Material of tensile strength of approximately 150,000 lb. per sq. in. is commonly used.

The use of fine, heat-treated mild steel covered to form hollow sections has not been adopted in this country, although it is used rather extensively in Great Britain. Test specimens made in accordance with American standards indicate the following physical properties for this material:

Thickness in inches, range	0.040
Thickness in inches, min.	0.011
Tensile strength, lb. per sq. in.	145,000
Yield point, lb. per sq. in.	115,000
Elongation, in 2 in.	4

The ingenuity of the designer can find expression to the best advantage in the application of aluminum alloys. The commercial production of extruded and rolled shapes permits a wide choice in the selection of material for built-up sections. The physical properties of the various shapes are generally obtained by heat treatment and are

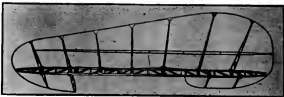


A steel alloy steel 1411 wheel hub

quite uniform. For special purposes a higher tensile strength may be obtained by cold working following heat treatment. The only satisfactory method which has been developed for joining the duralumin type alloy is riveting.

The heat treatment of rivets has been receiving more attention, as many rivet failures which have been recorded were traced to improper heat treatment. Not only is the strength affected, but also the corrosion resistance. Several formulas have adopted the practice of holding rivets at low temperatures after quenching in order to retard aging. Soft iron rivets with a solid or semi-hollow shank are used satisfactorily. Encouraging progress is being made in the welding of high strength alloys, but has been used only for very low strength parts.

Corrugated and flat aluminum alloy sheet is becoming more popular for wing covering, with a preference for the latter in the more recent designs. A flat, smooth, rigid surface for wings and control surfaces and a monocoque construction for fuselages is possible with metal covering. It is not subject to the change in atmospheric humidity or soaking in water which may cause wrinkling and change of shape in plywood. Fatigue under vibra-



A spot welded stainless steel radiator structure weighing 41 lb. and heat treated 45 lb. per sq. in.

tion is a matter of design. It can be eliminated with proper attention to the factors which cause breakdown in fatigue, such as rough entry holes, surface scratches and large unsupported surfaces of this sheet which permit excessive vibration.

These use of heat-treated aluminum alloy castings which have relatively high strength and ductility is increasing with the confidence which has been gained after several years' service testing. The castings when put into service have a tensile strength of approximately 30,000 lb. per sq. in. and an elongation of 6 per cent. As aging proceeds, the strength increases and the ductility becomes less, but the rate of decrease in ductility is very slow and there is no case where it has impaired the usefulness of the casting up to a period of five years, which is about the maximum life of any casting now in service.

The development of heat-treated alloy steel castings is showing interesting possibilities in connection with large airplanes. Castings can be made with a wall thickness of $\frac{1}{4}$ in. which have a minimum tensile strength of 100,000 lb. per sq. in. and a maximum elongation of 30 per cent. Such castings are especially applicable to landing gear and tail skid structures.

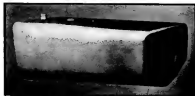
CORROSION-RESISTANT steels have been receiving more attention in the past year. The greater uniformity obtained in this material by improved mill practices has produced a material which is highly resistant to corrosion, reliable and of uniform physical properties. The composition which has proved most satisfactory contains 18 per cent chromium and 8 per cent nickel as the principal alloying constituents. It is produced in the form of annealed and cold rolled sheet and strip, bars, tubes and wire. Seamless and open-seam welded tubes are being used for exhaust manifolds and a few structural parts. Sheet and strip is being used for exhaust rings and structural parts, such as ribs and experimental wing beams.

An interesting development in this connection is the use of spot welding for joining the several members of a small truss, such as a wing rib. The ribs are built up of a series of channels manufactured from a strip with a tensile strength of 180,000 lb. per sq. in. There is some reduction in strength due to welding at a single spot, but the efficiency of the joint can be raised by using several spots spaced as rivets would be. There is some reduction in corrosion resistance by welding, but any corrosion that appears is more in the nature of a staining of the steel than actual pitting. It can be overcome to a large extent by pickling to remove the scale and then passivating.

Stainless steel is especially satisfactory for external tie rods which are subject to corrosion. A high polished, pickled and passivated stainless steel rod has been found to resist the corrosive resistance of a cadmium-plated tie rod as measured by the salt spray test. Such a rod is practically immune to any corrosion fatigue, and

there is little danger of an abrasion causing rapid deterioration. Stainless steel wire is also being manufactured into control cables. The fatigue resistance of such cable is equal, if not superior, to that of high carbon steel wire used in the standard cable.

Copper has been the material selected for fuel, water and oil lines with very few exceptions. The weight of this piping becomes appreciable on large, multi-engine airplanes and a number of installations have been made using aluminum and in some cases aluminum alloy tubing. These have been uniformly successful. Failures can generally be traced largely to inadequate fittings. Aluminum has a lower fatigue limit than copper, nickel or other heavier metals, but if the line is properly supported the stresses are low and the life of aluminum is equal



Application of magnesium-manganese alloy sheet to welded tank construction.

to that of any of the heavier materials. The majority of failures in fuel lines can be traced to abrasions of the surface at the fittings which have a very serious effect on the life of any metal under vibration.

RE use of magnesium alloys in airplane construction has been restricted in this country on account of the controllability of this sheet and tubes. Much more extensive use has been made of this material in Europe due to the fact that a more corrosion-resistant material has been developed. It is being used especially for cooling, fuel tanks, and seats, although experimental wing and fuselage structures are also being flight tested. Tanks and seats are welded. Cowling is riveted. Magnesium alloy castings have been used to some extent in this country on aircraft engines, but the high price has limited their application. These castings have a strength and ductility equivalent to heat-treated aluminum alloy castings. Corrosion resistance of the magnesium-aluminum-manganese cast material is quite satisfactory. Extruded and formed magnesium alloy propellers show considerable promise, as the ratio of fuselage load to weight is higher than in the case of aluminum alloys.

Nitrided steel has been used to a limited extent for certain engine parts and its use will probably be extended as it becomes more generally available. It has very great hardness and excellent resistance to salt-water corrosion, properties which to be desired in clevis pins, hinge bolts and similar parts.

AMERICAN AERONAUTICS ABROAD

By
Leighton W. Rogers

Chief, Aeronautics Trade Division
U. S. Dept. of Commerce



DURING the year 1930, American aeronautical companies in foreign fields have been conspicuous and vigorous promoters, willing to back up their imagination and confidence by laying foundations for the future without immediate financial return in view. Never has an American industry seriously set out to make a reputation for itself in foreign fields at so early an age.

In the field of air transport, there were on Nov. 20, 1930, in regular operation by American companies running beyond the borders of the United States, 19,594 miles of air lines. The comparative figure for Jan. 1, 1929, was 1,169 miles. In addition, there were in November, 1930, 4,341 miles operated by companies controlled by American capital. The Pan-American System (Pan American Airways, Pan American-Grace Airways, and Mexican Aviation Company) is the largest single undertaking. This line started late in 1927 with a round trip daily between Key West and Havana, a jump of some 110 miles. On Jan. 1, 1930, the plans of this system flew 8,113 miles a day on a system of 11,673 miles; and in November, 1930, they were flying 12,074 miles a day on an enlarged system of 18,004 miles.

The planes of the New York Rio and Buenos Aires, or Nevada Line, another American company, were flying an average of 1,953 miles a day on 2,250 miles of lines centered at Buenos Aires, on Jan. 1, 1930. Late in September, 1930, these two companies, the Pan American Airways and the New York, Rio and Buenos Aires Lines, merged their interests into the Pan American Airways System. Some of the Nevada services were discontinued,

but there is little doubt that within a reasonable time the Pan American Airways will be operating complete services along the east and west coasts of South America, as well as numerous intermediary and feeder lines. Aeronautics traffic figures are scarce, but on Oct. 1, 1930, the records of the system showed a total of 5,544,447 miles flown, with 30,727 passengers, 511 tons of goods, and 580 tons of mail carried. The passenger traffic on the U.S.-owned lines in South America totaled 10,715,000 passenger miles for the first six months of the year.

DURING 1930, lines participated in by the Cartage Company and the Chinese Government operated a distance of 550 miles from Shanghai to Hankow, or 1,100 miles per day of flying. This line was for the purpose of carrying mail and passengers, and encountered some difficulties with competing departments of the Chinese government, but late in the year these difficulties were solved and operations are now on a sound and clearly understood basis and plans for extensions are on the way.

In the field of exports of aircraft and equipment, the United States has, during the year 1930, practically maintained the record pace set for the previous year. This is a considerable performance in the face of the string-

American aeronautical equipment is steadily

finding its way into foreign fields, and transport operators of the United States are extending their activities abroad. The past year has been devoted largely to ground work in developing a very promising export market.

decline in export trade in nearly all other commodities which has taken place during the year. It has been estimated that the exports of all United States products during the first nine months of 1930 were about 25 per cent under those for the same period of the previous year, whereas exports of aeronautical equipment were only 5 per cent less. Total foreign shipments of aircraft, engines and parts from the United States during the first nine months of this year were valued at \$6,763,123, as compared with \$7,130,916 for the same period in 1929. This involved the exportation of 251 complete aircraft at a valuation of \$3,749,062 compared to 275 complete aircraft valued at \$4,390,311 during the same period in 1929. Engines exported during the January-September inclusive period this year numbered 294 valued at \$1,289,543, being 29 more in number and \$162,253 greater in value than those exported during a similar period the previous year. The exports of parts for the nine months' period of the current year were valued at \$1,733,698 compared to \$1,606,515 for the same period of last year.

United States airline activity in South and Central America had an immediate effect on the shipment of American aircraft to those districts, which were responsible for 54 per cent of our exports as compared with 36 per cent for the whole of 1929. One of the largest American aviation companies sent a demonstration mission to Europe, which included a postal, an observation, a training, and a light cabin airplane. Regardless of whether the company in question receives orders sufficient to offset the cost of the demonstration mission, it will have rendered an outstanding service to the American aeronautical industry in general, enabling Europe to see in action first-class American products. This kind of salesmanship is worthy of support by all.

One of the leading manufacturers of multi-engine transport planes continued its demonstration tour in Europe and the Far East with unexpectedly successful results. Whereas the tour was originally undertaken largely for advertising sales of some line demonstrating planes are reported to have resulted.

Another demonstration mission was confined in South America by another American company with light open lightness of a strictly commercial type. One of these planes, a 165 hp model, flew the forbidding Andean hump between Chile and Buenos Aires without difficulty. Results were the sale of both demonstration planes and good prospects for eventual business.

There were a number of American pursuit planes exported early in the year for the use of the North-

lands East Indian Air Force. Some American high-powered engines are now being installed in pursuit planes of American design in Spain. During the year a licensing agreement was effected for the fabrication of these American planes in a Spanish government factory, engines to be continued to be exported. The Japanese market, as in the case of other lines of mechanical equipment, is confined almost exclusively to manufacturing licenses, which invariably assure that several units of the product to be manufactured are exported.

Actual military sales in China were made in substantial number by one of the leading American companies. During 1930, American engines were manufactured in Germany for the first time and further activity along these lines is pending in other European countries as a result of licensing arrangements completed during the year. In South America, one American firm began the erection of a branch factory in Chile, to be devoted almost entirely to military production.

Several important foreign aeronautical missions visited the United States during the year. General Guzman, head of the aviation unit in the Colombian Army, and Captain Ruyssens Menden, visited the country for an inspection of European factories, and investigated various aeronautical activities in the eastern part of the United States. Mr. Georges Garbe, head of the airport department of the French Air Ministry, made a tour of visit of the outstanding airport developments in the United States. A group of four European pilots came to this country and took part in the Chicago National Air Races with conspicuous success.

More interest is being shown in aeronautical exhibitions abroad and in international conferences. The industry was represented through the Department of Commerce at the International Aviation Lighting Meeting at Berlin, at the Fifth International Air Conference at the Hague, and the International Air Safety Conference at Paris.

There are now pending negotiations, carried on by the Department of State, for aircraft licensing arrangements with most of the European countries similar to those now in effect between the United States and Canada, the United States not yet having seen fit to ratify the International Air Convention of 1926. For purposes of comparison, continuation of the record shows that during the first five months of 1930, France exported complete aircraft valued at \$3,215,000 as compared with our \$2,042,225. During 1929, Germany exported 190 planes valued at \$1,661,905 and the United Kingdom exported aircraft and parts valued at \$10,536,625 as compared with our \$9,262,383.

On the whole, from the point of view of activity of American aeronautical interests abroad, the year has been distinctly encouraging. It has shown that American air lines are furthering their international activities in accordance with a comprehensive program, with the assistance of the Post Office Department and the Air Mail, and that American aircraft exporters have taken the long-time view of export activities which is absolutely necessary for eventual success.

AERONAUTICAL FINANCE IN 1930

By R. R. Doane

THIS year 1930 will long be remembered in aeronautical business circles not alone for its sharp contrast with the two years of unrestrained development which preceded it, but for the perils and dangers inherent in a general state of trade for which this industry had little responsibility.

In a period which has rapidly developed into a major economic crisis of world-wide proportions, the capital structure of the American aeronautical industry has withstood the strain astonishingly well and now bids fair to come through into the extreme era of moderate prosperity with comparatively few fatalities.

In carefully reviewing the chronology of the corporate events of the past year, one cannot help being forcibly impressed by the small number of enforced liquidations. In what has been universally considered the conflict year yet experienced by commercial aviation, with a 55 per cent reduction in productive output and a 40 per cent

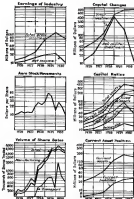
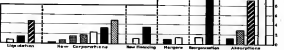
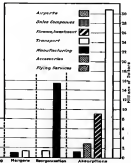


Chart 1 (above and right): Financial activities in aviation during 1930. Chart 2 (below): Major financial changes in manufacturing aviation companies for year and month. The figures for 1930 are on this line and the complete field of such chart and those for 1929 are on the opposite left.



A Consolidated Phantom as used in South American transport service.



major financial changes can be more graphically seen in Chart 2, which summarizes the entire industry. Chart 1 graphically portrays the relative activity, in dollar terms, of the major changes as set forth in Table 1.

Aeronautical Stock Movements

REFLECTING more faithfully the predominant trends of the entire speculative securities market than the individual fortunes of the many companies they represent, the aviation stocks close the year 1930, on the whole, at levels considerably lower than those at which they stood at the beginning of the year.

Chart 3 gives the main trends during the past 24 months of both the transport and manufacturing aviation stocks, together with their volume of sales. From a study of the chart of stock averages and the trend in volume of sales it appears that considerable liquidation has been in process during the latter half of the year. The high and low monthly movement and volume of both United Aircraft and Curtiss-Wright are included separately in chart form so as to order the the faithfulness to general trends, regardless of present differences in earning-power and net working capital position, may be the more readily ascertained.

Very little evidence of discrimination between aircraft

security values has yet manifested itself. There are instances of aero stocks which dropped during 1930, 75 per cent below their average 1929 price level, while at the same time the companies they represent greatly increased their income during the same period. Selectivity, apparently, has little part to play in a market ruled by fear.

Aeronautical Earnings of 1930

WITH the exception of those spectacular losses which have occurred as a result of excessive inventory, over-capitalization, and what has happened as excessive commitment in fixed and non-tied assets, there has been a far greater stability to aeronautical earnings during 1930 than is popularly supposed. In the transport field the year's earnings, with but one exception, have been considerably better than those for 1929. In fact the average increase in gross for 1930 over 1929 stands at approximately 18 per cent. Due to increased passenger traffic and express, together with the increased data of deficits during the latter portion of the year, a proportionate improvement in net earnings may be expected when the final reports are compiled.

Airport holding and operating companies are showing unusually better earnings than a year ago. The Cleveland Municipal Airport reports gross income at the rate double expense; the City of Newark estimates that it will net \$50,000 on the Newark Airport, for the year's operations; and these are merely samples.

In the manufacturing field two powerful companies have passed the year with undiminished earnings, while three well-known companies have practically doubled their volume of business over 1929. Those companies specializing in government work have fared unusually well during 1930. In fact they have, despite the general depression throughout the industry, been able to show a substantial increase in their gross income with a proportionate increase in net.

Based on the aggregate reports now available there can be no doubt but that 1930 has proved, from the quantitative financial standpoint, the worst year yet encountered in the brief history of commercial aviation. But a

AVIATION
January, 1931

AVIATION
January, 1931

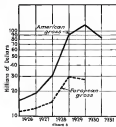


Chart 1

large portion of these losses have been but the necessary accompaniment of an exaggerated and highly inflated investment promotion.

Plant Consolidation

NECESSARY to many introductions, the economies already effected and still likely to be realized through consolidation have not been over-emphasized. There are instances, of course, where they are likely to prove as disappointing as in some other industries. The degree to which manufacturing and operating costs may be reduced through consolidation of facilities and equipment may be expected to vary with conditions in the several sections of the industry. On the whole, however, such benefits may be expected to be a large and important contributing factor making instantly for a better earnings record in the future.

Independency of Depression Remedies

PASSE more than can stand upon these facts is evidence that the aeronautical industry's outlook, despite its best efforts, will be bleak. It is manifestly unfair to lay too much at the door of mismanagement within an industry whose progressive plans were temporarily arrested by external trade developments so obviously beyond its control. Yet the plans and continuities were made, and the essential corrections must be undertaken in order to avert the new conditions.

There is evidence that this predicament is, at the beginning of 1931, still somewhat far from complete. The liquidation of inventories and of expendable fixed assets has been not altogether as satisfactory as it might have been. It also appears that some of the remedies that have been effected have been of the makeshift variety.

However this may be, the question, so far as those directly interested in aviation are concerned, resolves

itself into the extent and duration of probable declines in total commercial aircraft production, and the effect upon the profits which these companies will be likely to earn.

It appears reasonable to assume that the answer to the above depends in large measure upon whether the conditions of the civil-bidding cycle, started by the accelerated productivity of 1928 and 1929, are to continue. These conditions are familiar to all. They are first: a rapid rise in output as a result of the public's increased interest with the attendant inflation of inventories. Second: capital waste and inefficient employment of funds as a result of over-competition and under-operation which made for unbalanced production. Third: Fundamental market situation which became strained because the productive plant equipment had become too large for the demand base upon which it rested. Fourth: the growing lack of liquidity of working assets because of a too large investment in fixed capital. Fifth: the necessity to maintain an adequate liquid position in the face of rapid adjustments and continued high fixed costs.

The past year has supplied us with a clear example of the severity of the essential corrective measures that this cycle requires. It has not, however, supplied any convincing demonstration that they have been completed.

Stability of Export Trade

THE continued drive in the export field has proven a marked help during the past year. According to Department of Commerce figures \$6,214,720 worth of aeronautical goods were exported during the first eight months of 1930. Both exports and imports exceeded slightly the 1929 export figure covering the same period, while exports of planes were only three units below. In view

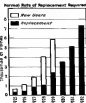
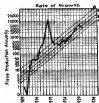


Chart 2: Underlying factors behind the present financial structure of aviation.

Table 2: Three-Year Comparative Division of Income

	1928			1929			1930		
	Net	Avk.	Avk.	Net	Avk.	Avk.	Net	Avk.	Avk.
Shipping companies	\$ 3,014.9	1	1	\$ 3,014.9	1	1	\$ 3,014.9	1	1
Manufacturing companies	1,311.1	1	1	1,311.1	1	1	1,311.1	1	1
Transport companies	2,300.0	1	1	2,300.0	1	1	2,300.0	1	1
Aircraft companies	1,311.1	1	1	1,311.1	1	1	1,311.1	1	1
Finance companies	1,311.1	1	1	1,311.1	1	1	1,311.1	1	1
Development companies	1,311.1	1	1	1,311.1	1	1	1,311.1	1	1
Total	\$14,000.0	1	1	\$14,000.0	1	1	\$14,000.0	1	1

*1930 figures ended Sept. 30, 1930.

of the generally unsettled international trade conditions this is indeed a splendid record, and speaks well of the developing export business as an added element of stability in the total aircraft market.

Commercial Aviation Ahead

DEFINITE the more or less pessimistic report made to the Commission of Civil Aviation Experts which met last October at the League of Nations, available earnings reports of outstanding European aeronautical companies indicate a surprising vigor of growth. The accompanying Chart 4 discloses an interesting illustration, with the exception of 1929, of the major increase of European companies to those experienced by the outstanding companies within our own country.

FLIGHTS, COMPETITIONS, AND RECORDS

PROBABLY it will be remembered at a glance, this year 1930. Assuredly, the year gave us an ample number of trans-Atlantic and transcontinental flights, including flights, competitions, and miscellaneous matters. But there was a new note in them. In Paris, following his trans-Atlantic flight, Count had: "I think we are about the last of the public's interest here. Had we waited another year nobody here would have turned out to welcome us anywhere."

Another acquaintance closely lies in Frank Hawks' unaccompanied trip of 123 hr., and that of Ruth Nichols last month, which fell one hour short of Hawks' record. Now we await a commercial application. All that can be proved by duration retaining flights seems to have been proved by Jackson and O'Brien in their 640-hr. great above St. Louis—certainly it showed the satisfied point had been reached so far as promotion money-making was concerned—and that is a pleasing note.

The industry began to look to the heel of the balloon period. After all, it crinked out against the over-optimism of soaring. There was the statement by Curtiss-Wright Flying Service: "This organization is in business to provide flying instruction and airplane transportation. Racing has no connection with the commercial operation of airplanes." The commercial manufacturers of airplanes, through the Association of Manufacturers of Aircraft, were on record against amateur exhibitions. The industry is giving itself to rise from the depression as an industry—and not a show.

Under the head "Trans-Atlantic," heavier-than-air, commanding was the Paris-New York flight, non-stop, of Cox and Bellanca in the Biquet Question Mark—a flight which strikingly assailed the New York-Penn duan of Lindbergh, this time in the reverse, and sported, direction. The Frenchman made the trip early in September, in 27 hr. 18 min.

Two east-west North Atlantic crossings presented this. In late June, Major Kingsford-Smith and three companions flew in the veteran rebuilt Fokker F-7 Southern Cross (three Wright J-3s) from Port Moresby, Ireland, westward across the Atlantic to Harbor Grace, Newfoundland. A feature of the flight was the employment of radio-transmitted weather data to aid navigation through thick weather encountered near the Azores coast. The other crossing was that of Capt. Von Grosse and his crew of three in the two-engined Dornier Wal flying boat formerly operated by Captain Courtney. Covering a nine-day period in August, it started as a German flying school training flight—but ended at New York City! From Isle of Sky, in the North Sea, the trail led by Faroe Islands; Reykjavik, Iceland; Inghet,



Waco-powered Laird "Hulthine" was one of the Transocean Travelers.

Greenland; Cartwright, Labrador; Quasquet, Nova Scotia; Halifax; and New York.

Thus, 1930 saw three successful westward crossings to balance the many eastward flows in other years. Incidentally, there was one east-west flight, too—that of Boyd and Gossard in the Bellanca Columbia, which had already crossed the Atlantic in '27.

In the South Atlantic field, a very interesting commercial flight was made when Jean Mermoz, with copilot and radio operator, flew from St. Louis, Senegal, across the ocean to Natal, Brazil, in a single-engined Latécoere airplane. He carried 300 lb. of mail, which was then routed by the Aeropostale companies' planes from Paris to Rio de Janeiro in about three and a half days. The trans-Atlantic distance was set at 1,980 mi. and the time of the flight 20 hr. 15 min. Later, Mermoz attempted to repeat his flight in the other direction with 600 lb. of mail, but he was forced down and taken aboard one of the Aeropostale company's guard boats.

Twice, Bermuda and New York were connected by air. In April, Captain Yancy and two companions flew a powered-up J-6 Stinson Detroiter to within 60 mi. of the Island girl, headed on the sea, and then completed the flight next morning. Another venture in aviation to the same small target was the round trip made by Roger Q. Williams, with Mr. Conner as copilot and navigator, in June. The round trip consumed but 17 hr. The plane—again—was the Whirlwind Bellanca Columbia.

LIGHTER-THAN-AIR CROSSINGS of the Atlantic numbered 14 last year in 20-round trips of the Graf Zeppelin and of the R 100. The former flew from Germany to Scotland, Spain, then crossed the ocean to Pernambuco, Brazil, in 62 hr. From there a round trip to Rio de Janeiro was made, then the dirigible flew north to Lakehurst, New Jersey. The airship left Germany May 16 and landed at Lakehurst May 31. The Graf then was flown back across the North Atlantic again to be moored at Freetown, Liberia on June 6. Dr. Goebeler stated that the flight proved the airworthiness of his giant in operational demands. Many flights were made with the Graf in Europe.

After several delays, the British R 100 finally took off from Cardington, England, July 26, and was flown to Montreal, Canada, in the time of 38 hr. 52 min., landing at the latter point Aug. 1. A visit was made to

Toronto, following repairs to a fin damaged in the ocean crossing. Then came the return to England—a flight of 57 hr. British lighter-than-air progress, encouraged by these performances, reflected in and blow later in the year; for on Oct. 5, the R 100, sister ship to the R 101, was wrecked at Brest, France, during an enroute flight to India, and nearly all on board were lost, including most of England's leading lighter-than-air experts.

Mention may be made of an Atlantic attempt begun but not completed—that with the twelve-engined Do X. She got underway from Albernach, Switzerland, late here, on Nov. 5, and flew the first leg of its journey to New York City—the leg to Amsterdam. "Commercial efficiency and flying range will be specifically studied," stated the Do X's first Christmas in the flying boat outfit came in the form of a Christmas Eve, when darkness threatened, forced some 50 mi. down the coast to La Rochelle, and cast anchor for the night.

Then the plane continued to Bordeaux, which lay but an hour and fifteen minutes distant, next to Santander, later Coruña, Spain, and from there to Lisbon, Portugal. On Nov. 27, three weeks out from home. While officials were trying to decide when and by what route the ocean crossing would be made, an electrical short circuit on Nov. 29 started a fire which was not checked until one week later was raised. Then the Do X lies at Lisbon under repairs.

We now turn to another "Trans-" head—"Transoceanic." At present, the cause of Hawks leads all the rest.

Until 1930, records for intercontinental flights between New York and Los Angeles were established on ship, but passed on route now become the order of the day. On Easter Day, Colonel Lindbergh, accompanied by his wife, flew from Los Angeles to New York in 14 hr. 45 min., being stopped for fuel at Wichita, Kan. The plane used was a Waco-powered low-wing Lockheed



The historic powered biplane "Question Mark" seen by Cox and Bellanca.

Strat. This time was possibly considered to be the "last word." But on Aug. 18, Capt. Frank Hawks brought a Hupac-powered Trans Air low-wing over the same route in 13 hr. 25 min. Signs for fuel were made at Albuquerque, Wichita, and Indianapolis. The Captain had already established a new record in the East to West direction the week previous, when he flew to Los Angeles in 14 hr. 50 min., with five fuel stops.

Brook and Schick, the Detroit-to-Tokyo fliers, and Col. Eugene Turner scored in two other transoceanic flights of note, both using Waco-powered Lockheed planes of high wing type. The Detroit airmen flew from Jacksonville, Fla., to San Diego, Cal., in 13 hr. 35 min., passed one hour, then flew back to Jacksonville, with one stop, in 16 hr. 30 min. This round trip of 31 hr. 57 min. elapsed time took place June 17-18. Turner's flight was a "three-day" venture, in 9 hr., 14 min. from Vancouver B. C., to Apas Caliente, Mexico. A word, too, must be given here to Hawk's novel suspended glider trip. Towed in a Franklin D. Roosevelt glider behind a Waco plane operated by J. D. Jacobson, Jr., Hawks left San Diego on March 30. He completed the new flight to New York City on April 6, virtually on time to the minute according to his schedule.

A few of the many other flights of the year may be mentioned. To test a two-way radio on a long distance flight, Capt. Lewis Yancy, with Emil Burgen as pilot and Zeb Rosok, radio operator, flew on May 14 from New York City in the Wright Success-Detroiter (which figured in his Bermuda flight) for several weeks of flying in South America. The trip proved highly successful until the plane was suddenly forced down in the West Indies on the coast. Then on June 7, Nick B. Mauer set a new mark of 9 hr. 32 min. for the St. Paul-Spokane run in a Waco Budd.

In the fall, Hawks again made the headlines with a new Hercules-New York record of 8 hr. 44 min. in his Texaco Travel Air. Another flight was Capt. Roy Adams' 24 hr. 35 min. non-stop flight from New York to the Panama Canal Zone Nov. 5-10, in a Waco Lockheed Strat.

Several flights new automatic pilots were their piece. The Sperry unit was used to control a Curtiss Condor during the Army maneuvers on the West Coast



View of the Graf Zeppelin as seen from the ship's deck.

in April, while further tests of the Green's Guard aircraft were being made by N. A. T. and the Clifford Ball line.

The following flight stage for the year—a French publication would have us call it "refinement"—was held by Jackson and O'Brien, and the Hunter Brothers. The former pair entered 1930 as the record holders, boasting a mark of 420 mi. established in July, '29, in the Challenger-powered St. Louis Robin. They left 1930 still record holders—but with a new mark of 549 mi. On June 11 at Sky Harbor, Chicago, John and Kenneth Hunter took the air in the "City of Chicago," a Wright-powered Stinson-Detrolair, and did not again touch such earth for 552 mi. This papered Jackson and O'Brien into leaving the earth for another mark, one which did not set until the present 647-mi. mark was established by N. A. T. and the Clifford Ball line. "The Greener St. Louis" was employed in this venture.

PRICE and last came new records to be recognized by the F.A.I. in 1930. On Oct. 30, a check showed France held 34 records, the United States 27, and Germany 26.

Among the important series of '30 were Jant, Apollo Sosnka's new world altitude mark of 43,135 ft. and the new world endurance record, non-refueling, of 67 hr. 10 min. established by Maj. Charles G. Taylor, Jr., and co-pilot Lutz. Fawcett's mark of 550 mi. Fiat Seven monoplane. Lieutenant Sosnka's mark in his Wasp Wright Apache biplane bettered the record of 41,794 ft. held by Wirth Neumann of Germany, while Middleton's effort broke the mark of 65 hr. set by the German, Riana and Ziemerstein, in 1929. The latter also established the world record of 5,500 mi. for closed circuit distance non-stop in his flight.

For maximum speed, Squadron Leader Odell's 357.7 m.p.h. stood unchallenged throughout 1930.

The records of Capt. Boris Serebrensky drew the spotlight with striking frequency at '30. With a Havoc powered Sikorsky 3-38, seven weeks to give it shapeless classification, Captain Serebrensky attained an altitude of 39,065 ft. with a 2,000 kg. load. This set an average speed of 143.9 m.p.h. over the 100 km. with the same weight. Later he flew to 23,222 ft. with his load at 1,000 kg.

Havoc speed was then replaced with Wasp, and within one day a height of 36,400 ft. was reached with the 800 kg. load and also a height of 39,328 ft. with 2,000 kg., then breaking his own 19,065 ft. mark. An altitude of 26,529 ft. was reached with 1,000 kg. load later in the year, bettering the previous mark.

On Stinson, with a Wasp-powered Lockheed Vega also turned in several fine figures. He averaged 185 m.p.h. for 100 km. with 500 kg. load and did 171.27 m.p.h. for 500 km. With a 1,000 kg. load he flew at 175.87 m.p.h. over 100 km., at 168.11 m.p.h. over 500 km., and at 152.77 m.p.h. over the 1,000 km. distance. Later, Stinson's line flew with a speed of 164.36 m.p.h. over a 1,000 km. course unloaded. Marcel Duret, of France, later won him one better with 179 m.p.h. for this distance—but these two marks here not accorded official homologation in yet.

In Europe, the huge Italian Caproni 90 and German Junkers J-38 attracted much attention as did also the French Latécoere 28. Carrying ten metric tons (22,000 lb.), the Caproni flew 1 hr. 31 min. 39 sec. and to an altitude of 19,000 ft. This flight broke: (1) and (2) the record for duration and altitude for machines with a

7,500 kg. load; (3) also three for a 10,000 kg. load; (4) also three for a machine with 1,000 kg. and (5) the record for the greatest load carried to 2,000 meters.

The four-engined Junkers G-38 was taken into the air with five metric tons (11,000 lb.) and flown 100 km. at 114 m.p.h. The course of 500 km. was covered at an average speed 108.4 m.p.h. That, at once, a distance record, with this load, of 205.6 m.p.h. (500 km.) was set, an endurance record of 3 hr. 2 min. and a speed record. The Latécoere 28 airplane, on the other hand, was credited with about a dozen marks for speed and distances with loads, while an airfield distance mark of 2,575 mi. was set by Jean Mermere for his flight across the South Atlantic in this machine. This plane is powered by a 600 hp. Hispano-Suiza engine.

The Breguet Quatour Mark also entered the news with International record. In February, Coste and Collet set a closed-circuit distance record of 16 hr. 1 min. and a closed circuit distance of 2,000 mi. with the 1,000 kg. load using this plane.

Of greatest interest in the feminine flying field was the dual in Europe waged between Mlle. Lena Herrmann and Mlle. Maryse Hérin for the women's solo endurance record. The former set a mark of more than 35 hr., but Mlle. Hérin finally triumphed in the wheeling course with an effort of 37 hr. 33 min. 43 sec. This, incidentally, approximates the world mark for this endurance.

In America, better than 180 m.p.h. was made by Miss Earhart in a metal Lockheed Vega craft as a bid for the woman's maximum speed record. The news then told that Mrs. Florence Harbo had done better than 190 m.p.h. in a Travel Air Low-wing. Definite recognition has not yet been accorded the latter flight. Miss Earhart also flew the 100 km. course at 174.6 m.p.h. with 800 kg. load, ten miles below the male record set by Stinson.

THE \$25,000 All-American Flying Derby, sponsored by American Cessna Engines, proved to be the most interesting new competitive race of 1930. A race in every respect, with the only formula being elapsed time between control points, the Derby attracted attention all over the world, with the best of that work of re-creating design, the rules required that Cessna engines be employed, bringing several of the fleets to build special craft around that power-plant.

The 6,533-yd. test of the country was won by Leo Goetzach, who piloted a special form Cessna 300, a Cessna, second went to Lowell Bickley, flying a Geo Six Sprinter; and third was taken by Charles Mayes in a Great Lakes Speedster. Goldkuck averaged 150 m.p.h. Another innovation was the only regular Great Lakes Air Contest held in 1930. It was a contest for cities during the five Great Lakes and Georgian Bay. An admirable idea to interest yachsmen,—but only three craft entered!

Despite the growing pains of business depression, aviation's regular annual event, the National Air Races, National Air Tour, Exhibition Ballroom Race, and Gordon Bennett Ballroom Race, were run off in good style.

The National Air Races were held at Chicago from Aug. 21 to Sept. 1, again with Clifford Henderson as the contest director. The event was a financial success with 305,000 in attendance, but outside the commercial plane race and in a few of the deflates were rather disappointing as to number.

The races, which offered the spectator the usual mixture of military and commercial flying, were featured by

January, 1931

the participation of several leading foreign fliers. These were—Flight Lieut. Anthony, England; Marcel Duret, France; Marshal P. Colombo, Italy; and Capt. Friedrich Lossa, Germany—put on shows highly lauded by the crowd. The audience of Ashbury was especially noteworthy, for the contest, Henry Howard will be longest remembered for the striding way in which he captured the prize and that with his Wright Gipsy-governed Howard Special low-wing. He even placed third in the high speed Thompson Trophy race with his astonishing little craft, Charles "Speedy" Holman, flying a special Wasp-Junker Laird at 282.02 m.p.h. average, captured that event.

Among the deflates, which attracted less attention than in the past, the non-stop record from the West Coast was won by Walter P. Fournier of a Wasp Lockheed Vega in Chicago in 9 hr. 21 min. 21 sec. Four of the five entries in this race flew Wasp Vegas, with the fifth flying a Harner Lockheed Air Express.

With the National Air Races out of the way, the industry turned its attention to Detroit, where on Sept. 11 the North National Air Tour for the Edsel B. Ford Trophy got under way, the route taking the fliers north and west to the Northwestern Canadian provinces, then south through the Rocky Mountains and Southwestern Texas, and south again to Detroit. Eighteen competitors, and a dozen non-competitors made the trip. The tour, some 4,800 or in length, ended Sept. 27 with Harry Russell, flying a J-AT Ford with one Wasp and two Wrights, the winner, followed by J. H. Livingston and Art Davis, each in Wright-powered Wasp.

A new formula marked the contest—a formula involving rated horse-power instead of piston displacement, reducing the part formerly played by size and weight, and using true hp speed instead of pre-determined maximum speed as a factor.

Capt. Arthur H. Page, U. S. Marines, had won the slownest Curtis Martin Trophy Race at Ansonia, D. C., May 11, flying a D-12 P-63 Curtiss Hawk. He averaged 164.08 m.p.h. to better the best previous mark of 162.02 m.p.h. established by W. G. Tomlinson in setting the record the year before. Capt. Page lost his life as an accident during the Thompson Trophy race three months later.

Among interesting world events of the year high place must be given to steady sportsman-pilot air events which were given of more frequent occurrence along the West. Such events were held at the Long Island Aviation Country Club and at Pal-Wander Airport, Chicago.

Also, in a review of '30, we must not forget the great increase in state air races. A check shows that there were 31 different state air contests in nearly 100, and a goodly number of craft turned out for most of them. Arkansas and Iowa held their third tour, Nebraska, Michigan, and Indiana held their second, and Oklahoma and California were also repeating stunts. The others were Pennsylvania, North Dakota, New York, Tennessee, Illinois, Colorado, Virginia, Wisconsin, and Missouri. There were also two comparative races involving more than one state—the New England Tour and the Northwest Tour. The author does not doubt that there were still other races which did not reach his notice, but the number, like the growth of these events in 1930.

We will close our review with a word or two as to European flight and European competitions. First to flight. Here we return the Wing-Canada

Charles Kingsford-Smith now holds the England-Australia light plane record, for Oct. 9-25 he flew from the British Isles to Port Darwin, Australia, in 9 days, 23 hr., in a special Gipsy II Avia. This bettered the mark of Bert Haddock, who in 1928 flew from England to Australia in a Curtiss Avia in 18 days.

Another flight to Australia, which proved a feminine show matter was that of 33-year-old Amy Johnson. She flew solo from England May 24 and completed a 194-day journey to Port Darwin. A few forced landings along the way slowed her trip.

Gen. Goodrich, already credited with a Paris-Madagascar speed trip, flew from the French capital to Tehran, Persia, a distance of 3,230 mi., Sept. 19-21. The flight made in a Latécoere powered Farman 190, reduced his 35 hr. With J. A. Lottin, he later (Nov. 6-12) flew from Paris to Saigon, French Indochina, in 5 days, 3 hr. 30 min., bettering the time of Coste and Bellonte for this run by some 30 hr. But Coste still holds the Indo-China to France record of 4 days 30 min. The distance is approximately 7,500 mi.

Between April 9 and April 30 the Duchess of Bedford was piloted by Capt. C. D. Barnard from England to Capetown and return in a Fokker plane, and another long flight was the solo venture of Mrs. Victor Bruce as a Southern Mailbird from London to Japan. Moreover, a score of new records were to be broken from Italy across the South Atlantic with Air Mailbird, (1) command—and that will surely gain a bright spotlight in flight news abroad.

The Challenge de Tourisme Internationale, or light plane tour of Europe, was a leading competitive attraction. Again it was won by the German, Fritz Morath, this time in an Argus A8 powered BFW M.23 alone plane. Bruno Garberly piloted the only American plane entered, a Warner Monocoupe. He took sixth. Sixty pilots from Germany, France, England, Spain, Poland, and Switzerland contested in the tour, which was run July 20-31 over a 4,600-od. course.

A tour, too, was run in July covering the entire South American continent. This affair was promoted by the Royal Italian Aero Club and an Italian publication became a sponsor. The tour, over 100,000 miles, was won by the Italian flier to win twice in the better event. The tour of Italy was flown Aug. 31-31 with 52 starters, including a few from other countries. It was won by Colonel Siccardi as a 140 hp. Wright 15-25 Davis machine.

Again, leading off the season was the King's Cup Race for civilian aircraft. Miss Brown led 60 of the 80 starters to the tape in a Curtiss Avia with an average speed of 162 m.p.h. A. S. Butler, with an average of 126 m.p.h. and Miss Brown, having beaten him with his 29 hp. biplane, Flight Level, Washington, was second, third, however, to better Miss Brown's average.

In France, the Michelin Trophy went to Michel Dugast while other fliers the event failed to finish. He flew a 230 hp. Salomon Morane-Saulnier and averaged 124 m.p.h. This competition was a speed event of 1,700-mi. course with Eastern compulsory stops enroute. Michelin Trophy winners allow only planes with engines of 240 hp. or less to compete.

Finally, we mention a Japanese win the Little Enterprise and Poland Race, run through four countries Aug. 27-31. This nation flew against Czechoslovakia, Roumania, and Poland. Each had entered a team of six 2-place planes, Japanese flying Renaults.

Army and Navy performance schedules issued during the early part of 1939. The balance, of 90 airplanes of commercial type, has been based on the figures given in the specification table published in *Aeronautics* for November.

MSD. The current standards, therefore, include those designed and built up to the end of 1955 when the commercial apparatus was first used. The data shown in September 1950 is considered the data drawn from these two sources must be borne in mind that the figures given by the Army for its representative series of measurements were taken under more or less standardized conditions, while the figures given by the manufacturers are for estimated performance under the most adverse conditions under widely varying conditions. The results of this investigation are shown in Fig. 2 in 2 columns. In this series the data from the Army and the manufacturers have been separated from the commercial data, and the latter have been further sub-divided into three groups.

Maximum speed of the 132 species of arthropods of all types has been plotted in Fig. 4. The lines on the chart are drawn in the same manner as in the comparison with Fig. 1 from a small number of significant points. In the first place it is evident that the wide variety of insects, arachnids, and other arthropods advances in design during the intervening eight years, there is a reduction in the difference to the original curves. The average is also somewhat better than in the case of the original data, at only 18, or about 7.5 per cent, below the 25 per cent mark. It is outside the 10 per cent mark. It can be noted that the points in Fig. 2 are much less scattering than in Fig. 1, and that the average is much closer to the upward along the curve, as would be expected. In Fig. 1 the top speeds vary between 68 and 160 m.p.h., a spread of 92 per cent, whereas in Fig. 4 the maximum velocities are in the neighborhood of 160 m.p.h., a difference of only 20 per cent.

Keeping in mind that both charts include data on widely different types

from high performance fighters and patrol machines down through torpedo carriers, flying boats, amphibians, and training machines, the conclusions which may be drawn may be stated as follows:

(1) That only as the maximum speed of all types increases but the maximum speed of the slower types tend to improve at a relatively faster rate than that of the high performance ones.

(2) The agreement of the most recent data with the maximum speed curve established in 1922 indicates that any change in slope or location of the curve is unimportant, and that for purposes of approximating the relationship, expressed in Equation 2 still holds good. Progress in aerodynamic efficiency in military design, so far as high speed is concerned, appears to be in

In analyzing the commercial data the results were found to be much less consistent than those obtained for the Army and Navy machines. In order to avoid confusion and to prevent the misreading of certain definite trends under a mass of unrelated data, it was considered sufficient to break up the study of commercial data under three distinct classes of airplanes.

Maximum speed data for multi-engine transport airplanes, amphibians, and flying boats have been super-imposed upon the curve of Fig. 1 in Figs. 4. As in the case of Fig. 2, the agreement between the points plotted and the curve is such that no change in Equation 2 is indicated. It is apparent that the original formula may still be safely used in estimating the top speed of amphibians of these classes.

A somewhat different situation exists in the case of Figs. 4 and 5 which represent respectively the maximum stress characteristics of single-main cabin airplanes and single-engine propeller-driven, including both monoplanes and biplanes. Assuming the consistency and accuracy of the data, it is obvious that there is a decided trend away from the original curve in both cases. Taking the points as they fell in Fig. 4, a number of trial curves were plotted of which the most consistent in the comparison shown in a dotted line in the figure

This curve has a slope of 1 to 3 on the logarithmic paper, which corresponds to the theoretical exponent. The equation corresponding to this line is as follows:

$$v = 1.07 \left(\frac{P}{P_0} \right)^{1.3} \quad (3)$$

The values plotted for each analysis

The porous potter for open rocket monopropellant and bipropellant in Fig. 5 yielded much less consistent results than those of Fig. 4. After a number of trials it seemed that the same modulation of curve as was applied to Fig. 4 would also fit these conditions fairly well. This curve is shown as a dotted line in Fig. 5. In both Figs. 4 and 5

the world has in the matter of population 2.5 times as many people as the United States. From within operators in the cockpit, the part of certainty for the pilot is the need for particular products, there is sound reason for the shelling of the original curves in the state of commercial airplanes. Military requirements render impossible a closeness of design which is readily obtained in commercial aircraft. The military avroengineer is not only concerned with the aircraft itself, but also with the military efficiency, it is worth to be noted also that the data used in Fig. 4 to establish the modifying curves are taken only in closed cabin airplanes. The original curve was based exclusively on open cockpit machines of military type, which included low, if any, noise levels.

It would naturally be expected that a reasonably well-designed monoplane of the canard type would be considerably cleaner aerodynamically, than even the best externally-braced military biplane.

In studying Figs. 4 and 5 special investigation was made of these points which showed a wide variation from the average curve, especially on the high speed side. In many cases it was concluded that the apparent high performance was due in no small degree to more or less exaggerated claims on the part of the manufacturer, so the designs obviously had no features of outstanding merit to warrant such performance. On the other hand, some of the variations could be very well accounted for by unusual dimensions of design. A notable example is the case

AVIATION
January 1941

of points *C* and *D* of Fig. 4. These represent very high performance structures, designed by the same manufacturer. The structure of Fig. 4 is given to monoliths in castable form, and where facing is carried in the form of a separate layer. The same applies to points *C* and *D* of the same figure, both of which represent a face formed. Point *C* of Fig. 5 is a small single stage impulse turbine, and point *D* is a small pump, both placed on the market as a result of a special competition. It will be noted that the performance falls almost exactly on the diagonal curve shown in Fig. 4. The other outstanding variant in Fig. 5 are points *E* and *F*, both of which represent a pump, but the latter has been built to reduce head reinforcement in dam to concrete head reinforcement. The latter pump, *F*, is a small pump for the lifting pump. Practically all of the other pumps in Fig. 5 which fall well to the right of point *D* are of the type of very ordinary design in the monoliths given in Fig. 4. They are covered by the general term of "lowly construction". It is

MEASURING UNCONSUMED GASES IN EXHAUST

CATALYZED into the public news by Capote Hawke's recent test flights between New York and Memphis, Tenn., the Micro-vta, a development from the laboratory of Dr. Miller Hesse Huchinson, has been attracting intense interest in astronautical circles.

A meter which measures the residual uncombusted gases in the exhaust of an internal combustion engine, thus giving a direct indication of the correctness of the carburetor setting, a holds great promise of eliminating a large amount of fuel wastage and of completely eradicating all dangers arising from the presence of poisonous carbon monoxide.

difficult to evaluate accurately the degree of restraint which naturally crops up under such conditions, so that it is necessary to view some of them with a reasonable degree of restraint. This condition could be materially improved if all airplanes from all manufacturers were tested under standard conditions by some disinterested central organization.

It may be concluded from the foregoing that the maximum speed formula can be shown at Equation 2 derived by the author. When α is set equal to unity applied to the present study, the formula can be applied to the design of a road for multi-lane commercial transport, and commercial automobiles and spring beds. For commercial types of motor vehicles, the maximum speed is 100 km/h (62 mph) and the maximum speed is 100 km/h (62 mph). (See Appendix 1 for the derivation of the formula.) The modified formula as given in Equation 3 will give somewhat more accurate results. It must be remembered that α and β are determined by the type of vehicle and the road, however, that they are not constants, and are for purposes of approximate calculation only, and that the following modification is made for any assumed value of the design under consideration.

[illegible]

Diagram showing the absolute
value of the difference

been made with varying loads and speeds, and for each condition Motozita readings have been noted as the air-gauge rate has been varied over the range possible without apparent loss of power or speed. With the amount of fuel used known, corresponding to each reading on the Motozita indicator for all conditions of load and speed, a scale has been established that shows directly the percentage of fuel wasted for all conditions of engine operations.

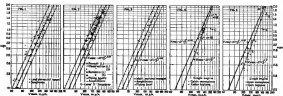
the installation of this instrument in airplanes, covering a period of nearly a year, have shown it to be a valuable aid to the commander, and safe operation of all types of planes. Fuel savings of appreciable magnitude have been achieved.

The actual construction of the assembly, is as simple as it is ingenious. The two ends of the assembly are identical, being the ends of the laminar. Where the two ends meet, a central bridge of the four legs of the bridge, two sets of platinum and two sets of nickel, assembled as shown in the actual photograph, is connected with the central battery and instrumentation. The four legs of the bridge all have the same resistance at equal temperatures, the battery current is divided between the two resistances of the bridge, and the voltage across each leg is the same. Platinum being used for the legs, the platinum has a resistance of about 100 ohms. It can use property, however, which is not shared by nickel, and the nickel is used as a catalyst for the reaction. Therefore, the two gases are passed over the four wires of the assembly there will be a lower at

It will be seen that if we can indicate continuously the percentage of carbon monoxide, or other products of incomplete combustion present in the exhaust gas, we will know just how efficiently the fuel is being consumed by the engine.

The Meco-vita is responsive to any combustible gas appearing in the exhaust (carbon monoxide, hydrogen, methane, or gasoline vapor). It indicates continuously the percentage of these gases (total combustibles) present in the exhaust at any given time.

In order to establish the value of the reductions in terms of per cent fuel wasted, a great many test runs have been made with the engine under test coupled directly to a dynamometer, and each test continued during the run carefully measured. Such tests have



Flying Equipment

THE JUNKERS "JUNIOR"

THE last twelve months have witnessed some gratifying results in metal-monocoque construction in this country. Several military planes have achieved such construction with considerable success, while its application to aerobics was not large when planes typified by the Towle and Thelen planes (described on pages 39 and 40), have been one of the truly remarkable fea-

ture allegedly production-minded Americans in a difficult question. Probably the opinion associated with monocoque stress analysis has deterred the small manufacturer, but early use of our larger corporations could have afforded such a development by this time, even if through the full scale load test route. The Germans, as usual, have not overlooked the opportunity. For a number of months the Junkers "Junior" has been a common sight on European airports, the first aircraft now seen even on our own (Barnes) Field. There were entered in the Challenge de

Twintime International in August and will exhibit excellent showings. There is nothing of an experimental flavor about it, it is an accomplished fact.

The Junkers Junior is indeed a smaller reproduction of all the Junkers features—low monoplane type, corrugated sheet metal construction, single main, tapered appearance.

As in all Junkers planes, the structure deserves detail study. In the wing structure of the Junior type, two principal spars are built up of duralumin tubes and corrugated sheet webbing. These spars are given considerable structural assistance by the rib-like structure of the leading edge and a tube which is in line with the front of the main spar. Light channels are provided to the upper and lower skin between and parallel to the spars to further reinforcement.

Sample diagonal struts maintain the spars in an upright position, while the diagonal, as it is used in Junkers planes, are taken entirely by the metal skin.

A wing which carries the leading gear loads and makes the wing-lifting feature possible, in similar in construction to the fuselage and in built integrally with the fuselage. The two main spars are carried through corresponding built-in. The front spar and built-in is illustrated. The last tubes of the main spar are provided with spherical couplings where

AVIATION January, 1931

they joint the main wing, and the leading edge tube terminates in a double hinge which allows the wings to be folded up and back. When the plane is in flying position and the diagonal couplings tightened up, the slot left open at forward ends by a dual wing which is held in place by two springs.

The fuselage itself is noteworthy on account of its multiplicity of reinforcing rings in its structure. Some of these are simple tubes, some are flanged channels. The cockpit is reinforced with two cross bulkheads and horizontal strips running fore and aft. The entire superstructure is easily removed and is separated from the fuselage proper by an aluminum tie wall.

The landing gear is of the split axle type and utilizes rubber shock absorbers. Hydraulic brakes, individual for each wheel, are used to give the modern features of an adjustable stickler and push rod control for elevator and ailerons.

Three fuel tanks are provided, two in the wings and one, a gravity tank, just ahead of the forward cockpit. The latter tank of 2.7 gal. capacity is fed by a

General wing construction of the Junkers Junior monoplane.



hand pump from the wing-tanks which are each of 7.7 gal. capacity.

Equipped with an Armstrong-Siddley motor delivering 40 hp. at 2,300 r.p.m., the performance of the plane is certified by the German Government Aero-nautical Experimental Institute is as follows:

Maximum speed at ground level, 162.10 m.p.h.
Cruising speed, 137 m.p.h.
Landing speed, 40 m.p.h.
Range, 275 mi.
Climb, 100 ft. per minute, 18,000 ft.
Rate of climb, 1,000 ft. per minute, 3,100 ft. in 10 min.
Speed at 10,000 ft. 114.10 m.p.h.
Wing area, 1,100 sq. ft.
Wing loading, 11.2 lb. per sq. ft.
Weight empty, 1,100 lb.
Gross weight, 1,200 lb.
Wing loading, 10.9 lb. per sq. ft.
Power loading, 10.9 lb. per hp.



The Junkers Junior is equipped with three engines.

THE TOWLE AMPHIBION TA-3

ONE of the most interesting of the recent developments in all-metal construction has been the series of three all-metal, twin-engine amphibians re-

sembling the outstanding planes of the past.

One of the accompanying photographs illustrates the wing structure. The skin is of corrugated sheet. Spars, ribs, and drag bracing of the ordinary type are completely lacking. The internal structure consists of a corrugated sheet skin, supported from top to bottom of the wing section, and a system of stringers. Along the wing is rib center-line and continuous across the hall, these internal members extend from tip to tip. At each point of tangency between the wing sheet and the upper or lower skin the corrugations of the webbing sheet have been flattened out. Alike stringers are placed above and below these flattened places and all three are riveted to the skin in a single operation. The resulting wing is extremely strong in torsion and capable to flex with a good square foot weight per unit area.

The shape of that sheet sheet monocoque construction is arranged to comfortably seat six passengers and a crew of two. Rooming is made from land by means of a walkway up the attachment of the hull to a swiveling hatch immediately above the wing. On the water, entrance can also be made by passing through the pilot's compartment. The baggage compartment is located in the lower of the two sections below the wing of the cabin. This hull was designed to yield a maximum of maneuverability. It is fastened by a high bow, narrow V bottom, water tight openings at the main step to add width, and a second step well aft, which reduces porpoising and shields the tail skin. The hull is



Wing structure of the Towle Amphibion



ture of this plane. There is one field, however, in which the obvious advantages of such construction have been almost entirely overlooked by American designers—the very small three-engine sport plane. If there is any type of air-plane structure which promises real production savings for large scale output, it is the metal monocoque, and of large scale production is ever realized it surely will be in the class of smaller planes. Why this obvious combination of facts has never been put together by



Photograph: The Armstrong-Siddley motor powered Junkers Junior. Above: Detail of the leading edge construction of the wing. Note the wing skin is integral with leading edge. Below: Front spar and internal structure showing general type of construction.



divided into five water-tight compartments.

All the control surfaces are of corrugated tissue. There are three rudders and three fins. The main center fin is a built-in part of the hull and supports the entire tail group. All the movable surfaces are mounted on self-aligning ball bearings and are controlled by cables on 5/32-in. flexible cable with the exception of the adjustable stabilizer which is worked through a torque tube.

Extra precautions have been taken to combat corrosion. All surfaces of the wing both inside and out have been treated with zinc chromate and aluminum pigment. All lap seams where water might collect are treated with asphalt paint. Full ventilation of wings and control surfaces is provided. In the hull such lapped seams have a tape, which has been treated in extreme glass, between the sheets.

The landing gear struts, placed so as to clear the water, yet don't cut into the hull or wing. The vertical stress technique and are positively locked by a 2-in. heat-treated steel pin which is visible at all times to the pilot. Controlled through steel cables the gear can be lifted or dropped in 20 seconds.

The plane is especially equipped with two Packard Diesel 225 hp engines although either Wasp Junior or Wright J-5-300 can be substituted. A 45 psi fuel tank and an oil reservoir are mounted behind each engine in the nacelle. Redox chrome mottos plates are used. The Diesel engine installation has proven quite successful during testing. The plane has been subjected, the non-symmetrical feature has been generally appreciated and on cross country trip the test work was an obstacle in strong gusty wind.

Construction detail showing nature of stresses in attachment to fuselage.



Handling gear on rubber shock absorber of wing showing mounting of shock absorber on right angle to track roller.



AVIATION January, 1933



Mr. A. H. H. T. Thaden and the T4 monoplane

MODEL T4 THADEN

ADVANCED, ingenious, compact, engineering design has been incorporated into almost every detail of the 5-place all-metal cabin plane, the Thaden T4, which is manufactured by the Pittsburgh Metal Airplane Co.

With the exception of the engine mount, which is of chrome molybdenum alloy, the entire plane is of Alclad sheet and duralumin tubes and sections. The wing structure is original and makes an interesting contrast with the types of construction adopted in the Linker Junior and the Travel Amphibian. When one looks at and reads the several quite different methods used by well other designers such as Hawthorn in his Alpha, the Travel Motor Company in their T-1000 plane, and by Linker in his larger machines, the relative possibilities of all-metal design become extremely apparent. The external

skin is of the usual corrugated sheet type from the trailing edge to what corresponds to the lowest spar, from this point forward smooth sheet stock is used. Formed by ordinary duralumin nose ribs, this leading edge is built in solid and can be easily removed to allow inspection of the interior of the wing. Its position corresponding to those of the spars in ordinary wire construction, vertical webs of uncorrugated dural are fastened in place by bolt caps. The leading stresses usually taken by spar flanges are carried by corrugated sheet riveted inside the outer skin, with



Thaden's. Look for shock through the fuselage structure of the Thaden sheet metal duralumin corrugated side attachment to wing bulkheads

AVIATION January, 1933

their corrugations at right angles to those of the skin sheets and parallel to the span of the wing. These sheets are graduated downward in thickness, increasing depth and corrugation pitch from the root of the wing to the tip. There are sheets of this type occupying the entire space between the vertical webs under the upper skin and two separate strips along the lower surface springing about half that amount of the chord. The wing is further strengthened by a third vertical web member between the second one and the trailing edge. In addition to the nose ribs, there are a number of fore and aft members between the two main vertical webs of the corrugated sheet and light angle type, secured quite securely to the compression tubes used in a false reversed wooden wing. The wing is built up three sections, the two outer panels being attached to the center section through a large number of bolts which pass through eye-bolts fastened to the inner corrugations of the panel. These bolts are, of course, covered with the covering plate, and pointed, a wing to be disassembled is almost ready for shipment.

The weight of the wing structure is about 1.5 lb per sq ft.

The fuselage is cut out of the engine mount is of corrugated monocoque construction of what might be called the four bulkhead type. In the cabin these bulkheads or forming rings are made of 2-in. duralumin extruded sheet. To the rear of the cabin they are simply sheet tubes flamed in the required shape and spaced quite closely. The method of riveting these tubes to one another is shown in the accompanying sketch, a large hole through which the trailer can pass, being drilled opposite the position of each rib.

The engine mount is of steel tubing and is suspended on struts at the fire wall through special rubber shock absorbers which serve to absorb engine vibration.

The cowling, which is of smooth sheet, is fastened entirely to the engine mount and can be easily removed. The cabin is fitted with dual 190-hp. side-wheel controls, and has a seat for three across the rear, giving the complete seven-seater arrangement. A rubber-covered fuselage provides a cushion for the shock of the engine mount which is mounted from inside the cabin.

The Felix type altimeter has a differential barrel, graduated 50 degrees, downward 10 degrees. The altimeter is adjustable through a torque tube, the crank being mounted directly on the shock absorber.

The landing gear shock struts are of the Edgewood, combination coil and ring-spring type.

The manufacturer gives the following dimensions with the Wright 30-300 hp engine:

Length overall..... 44 ft. 11 in.
Height..... 10 ft. 11 in.
Span..... 40 ft. 6 in.
Wing area..... 1,100 sq. ft.
Camber 2.00 (mean camber) 2.00 in.
Wing area..... 1,100 sq. ft.
Wing area empty..... 1,100 sq. ft.
Gross weight maximum..... 3,000 lb.



The D'Ascanio Helicopter showing lifting surfaces and trailing stabilizers.

THE D'ASCANIO HELICOPTER

DETAILS of a new available patented at the military airport of Campese near Rome. Designed by Corradino D'Ascanio and financially backed by Baron Pierre Trajano, a distinguished naval officer design engineer. Since more important, it has achieved a series of successful flight tests representative of helicopter development.

The lifting mechanism consists of two 2-bladed rotors, very similar in form to those of an autogyro, being about the same plan form, section, and general shape, and having the same form of being live to rotate in a vertical plane, relying on centrifugal force to maintain its approximately horizontal position. The two rotors turn in opposite directions, the upper rotating about 75 r.p.m. and the lower about the same speed.

Where they are connected through differential drives, their torques are balanced out regardless of their separate speeds or angular settings. Each blade is fitted with a small, trailing stabilizer, controllable from the cockpit, and can itself be rotated about its longitudinal axis through the same set of controls.

These rotors are driven by a 90 hp. Post air-cooled engine, though it can of course take any other engine as an autogyro. The fuselage is of solid steel tubular design, and is mounted on three wheels of the caster type. Landing gear is absorbed through ordinary rubber shock absorbers.

The system for stability and control are especially ingenious. On separate struts are mounted three adjustable jacks, providing a means of raising the fuselage and the vertical. Driven from the rotor shaft, these jacks are available for manual operation when the engine power is cut off and the large blades are operating as an autogyro. The controls are surprisingly simple. They consist of an ordinary control stick and rudder bar, and one additional

lever operating fore and aft. These are so connected that a forward or backward motion of the stick would give the pitch of the propeller furnishing longitudinal control so as to descend or climb the air, a motion to the left or right, the roll of the propeller for lateral control, and a movement of the rudder bar that of the propeller mounted in a vertical plane and controlling direction. The fore and aft lever controls the stabilizer setting and angle of incidence for all the blades together. Lifting it back results in an ascent, and pushing it forward, in a descent.

The machine has already completed the following flight subjects: to a small boat while an aerial barge. A vertical climb from a 50 ft. circle to a height of 25 ft. remaining motionless over a fixed point for 1 min. and 30 sec.

A climb from the same circle and a flight in a closed circuit not less than 2,000 ft. in length and return to point of takeoff.

An ascent to an altitude of 50 ft. A flight along a straight line of 1,000 ft., terminated only by the boundary of the field.

A duration flight of 8 min. and 45 sec.

APPROVED TYPE CERTIFICATES

DURING the period Oct. 8 to Nov. 29 the Aeronautics Branch of the Department of Commerce issued nine full-scope and 1 approved type certificates: 294 Pter, 7 (Kemper 100 hp.); 253 Biplane, 253B1 (Wasp 30 hp.); 250, Pter, 1 (Kemper 100 hp.); 257 Land, LCRW300 (Wasp 30 hp.); 258 Lockheed, 258B1 (Wasp 30 hp.); 259 Land, LCRW300 (Wasp 30 hp.); 260 American Eagle, 260B1 (Wasp 30 hp.); 261 Northrop, 261B1 (Wasp 30 hp.); 262 American Eagle, 262B1 (Wasp 30 hp.).

Servicing Short Cuts

FILTRATION OF ENGINE FUEL

SOME of the most consistently bothersome problems which have faced the airplane operator since the very beginning of controlled flight, have been those connected with loading, unloading and the plane itself. Problems of



THIS IS A NEW
STANDARD

fuel and water content, problems of fuel delivery, and most of all, an increasing impatience, problems of rate of delivery. All these are tied up with the type of filtering, if any, used in the fuel line through which the tank is being filled. The fuel companies have usually made all possible precautions to deliver a clean and water free product; that they are unable to achieve 100 per cent success in this delivery to the client can multiply and extend the handling which the fuel must undergo between the refinery and the plane. Now are the difficulties with the delivery tanks and pumps. A half dozen well developed types are in use, most of these deliver as much as 40 gal. per min. which seems sufficient for operating purposes.

The Standard Oil Company of New Jersey recently conducted a series of tests on the comparative performance of several types of filtering. Cleaners and life filters, normal types used by the military services, and a filter-lamp device developed by Gilbert and Parker of Springfield, Mass., were used. Measured amounts of water were introduced into the gasoline and compared with the amount retained by the filter. Rates of handling were also carefully recorded. The results showed that of general interest is operation.

A good quality charcoal collected from 90 to 100 per cent of the water but had a delivery rate of only 1 gal. per min. A poor grade of charcoal delivered 10 gal. per min. but held only 45 per cent of the water content. When the steam be-

came dirty from contained use the delivery rate dropped to a third of their former value. Cleaners have the further defect of offering the maximum static hazard unless the fuel is electrically connected to the plane, and to the metal lining of the fuel line.

Filter wires were found to be even less satisfactory, under the best of conditions, retaining only 75 to 80 per cent of the impurities and having a discharge rate about comparable with that of a poor grade charcoal.

In general the element bill of health was given a type of filter based upon a combination of gravity and a 200 mesh strainer screen. It retained 90 per cent of the water and suspended, delivered 26 gal. per min. under ordinary pressure, and, being entirely of metal, reduced the static danger to a minimum.

This filter which is illustrated in the accompanying photograph, offers the promise under which the fuel is delivered from the pump by passing it down from the top of the funnel through a ring of vertical baffles. Once filtered of pressure, the action of gravity collects the water and impurities on the bottom of a lower compartment, and the fuel, which is located in the upper, cylindrical section, then descends and out through the delivery pipe.

AIRLINE MOTOR BOARD

AN especially well planned motor board for virally keeping track of the hours accumulated on each of their engines is being used by the Northwest Airways, Inc. It has served to insure the closest possible co-operation and efficiency between the various maintenance, and purchasing departments, in scheduling and providing for periodic overhauls.

The motor board, which is approximately 12x5 ft., is ruled into vertical and horizontal columns. For each engine there are three columns of figures provided, while the horizontal columns are entitled "Ready," "30, 50, 75, up to 300," followed by a double division marked "In Shop." For each engine a colored tag is provided, the color corresponding to the type, for example, Blom, yellow; Waco, green; and Wright, purple. On the lower half of this tag is written the name and number of the engine. For each plane in service, there is a white tag, half the size of the engine tag.

The first of the engine columns is provided with a hook opposite each

horizontal division. When an engine has been newly overhauled or taken into the factory, its tag is hung opposite "Ready." As soon as it is mounted in a plane it is moved to the hook on the next division above, and the tag for the plane in which it is installed is hung over it. In the second and third vertical columns are transcribed the dates and regions from the photo reports. In this case, when the flying hours reach a total of 25, the engine and plane tags are moved up to the next division where they remain until 50 hours have accumulated, and so on. As the tags cross a red line at the 225 hour mark the various departments are automatically informed that within 30 hours that particular engine will be due for overhaul.

A suggestion of our own which might be of use to some operators would be to make an entry on the reverse of the engine and plane tags each time the overhaul period is reached which would then render easily available the often desired information of the total hours accumulated to date by the unit.

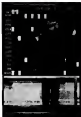
WASH-TUBS FOR ENGINE PARTS

SOME wash-tubs were used by the Washington Flyers in the handling of a small line-up, in which to clean engine parts during overhauls. Instead of working in the open, as is usually done, an empty gasoline drum was turned into service. A few gallons with a suitable brush and a spray directed into two of the desired articles. One of these even has a removable screw plug which can be used to drain off the cleaning gasoline when it has become too dirty for further use.

Technical Abstracts

STRENGTH OF WELDED JOINTS

STRENGTH OF WELDED JOINTS IN TENSILE. MANUSCRIPT BY ARTHUR W. L. 30 January and 27 C. Engineering, M.A.C.A. Technical Report No. 146.



A section of the "Motor Board" of the Aero Corporation of California

IT WAS the object of this investigation to make available to the aircraft industry authoritative information on the strength, weight, and cost of a number of types of welded joints.

The Bureau of Standards prepared a program from information supplied by the manufacturers, calling for tests of 40 different joints, all to be made from chrome-nickel-silicon stainless steel tubing and sheet, and of 20 different joints, all to be made from aluminum-magnesium-silicon alloy tubing and sheet. The program was of three types: test, "T," and fabricate, the latter two being tested both with and without reinforcement. To insure that all the welding should be uniform and of good commercial quality the procedures recommended by the committee on welding procedure of the American Bureau of Welding was followed. These specifications covered the following subjects: material and preparation, base metal inspection, welding metal inspection, and qualification of welders. Welding was conducted by the American Welding Society specifications for gas welding steel G-W-LA, and for aluminum G-W-LA.

For joints in chrome-nickel-silicon tubing ranging in size from 1 in. O. D. to 4 in. O. D. in wall thicknesses of 1/8 in. O. D. to 1/4 in. O. D., and in wall thicknesses of 1/8 in. O. D. to 1/4 in. O. D., the following minimums apply:

1. The point of minimum strength and hardness of the base metal is sharply defined and is located about 3/8 in. from the weld crown. Here the strength may have strength ranging between 80,000 to 100,000 psi. per sq. in. in tension and 70,000 to 95,000 psi. per sq. in. in compression, and a yield strength as low as 165.

2. For "T" joints made in high loading stresses near the point at which the metal is subjected to the stress, the strength by increasing the size of the fillet rather than by adding plates. Where the joint is subjected to such a manner that bending stresses are high is a low value, the efficiency of the joint is improved by adding a "U" strap around the joint, the ends extending at least 1 in. below the joint. The efficiency of an unannealed joint was found to range from 55 to 77 per cent. Reinforcement by means of "U" straps increases the efficiency to 80 per cent. The efficiency of a joint in which a tube is encased by a circumferential

weld is, however, subject to a reduction in the tensile strength of this tube. An unannealed "U" joint in 1/8 in. O. D. tubing requires about eight times as much to fabricate and the weld metal weighs about 1.5 times as much.

3. The best reinforcement for the latter test is one which reinforces at right angles to the axis of the tube. The reinforcement may be either an inserted plate or a strap welded around the joint. Such methods increase the strength of the unannealed joint about 20 per cent.

4. Cracking is an important problem when gasket plates are used for reinforcement. The procedure to be used in welding such type of plate should be determined experimentally and the design described if it can not be welded satisfactorily without cracking.

5. The use of all representative acetylene torches indicated that no difference in the joint strength could be obtained by the use of different torches. A low-carbon rod apparently gives enough strength in the weld to cause the specimen to fail in the base metal for the majority of joints.

PRESSURE AND ROLLING DATA

PRESSURE DISTRIBUTION OVER A WING AIRFOIL. BY D. H. WILSON. (Work as Abstracted on Rolling Moments on a V-Case Airfoil, by D. H. Wilson, French Aeronautics Research Committee, No. 6, 1932.)

PREVIOUS measurements of pressure distribution over an airfoil have been made with the airfoil at 0° yaw. This investigation, made at the National Physical Laboratory, was undertaken to determine how the pressure varied when the airfoil was yawed to a considerable angle of attack.

The airfoil was of R.A.E. 15 section, aspect ratio 5, chord 4 inches, with square wing tips. Measurements of pressure were made at seven sections along the span, six in the right semispan and one on the left. At each section the pressure was measured at eight points on the upper surface and

seven on the lower. Measurements were made at all points at angles of incidence ranging from 0° to 30° in 4° steps, and at every 5° of yaw from -30° to +30°.

The observations were not included in the report because they applied only to the particular airfoil and the object of the investigation was to study this type of distribution of pressure and the variation with yaw as applied to all airfoils in general. The results were all presented in form of charts.

Below the stall, the distributions varied little with yaw except at the wing tips. The pressure normal component was very high at the leading edge and fell rapidly to nearly zero at the trailing edge. At the wing tips there was a region of high negative pressure at 0° yaw, the suction on the leading lip increasing in magnitude as the angle of yaw increased, while that of the other lip tended to weaken. That below the stall, the rolling moment was due almost entirely to the negative pressure on the upper surface at the leading wing tip, and the value of this moment was small.

Above the stall, the type of distribution was entirely different. At 0° yaw the central part of the wing stalled first, the stalled area spreading in the direction of the trailing edge as the angle of incidence was increased. At 24° the stall was yawed the leading half of the wing tended to become unstalled while the trailing area of the trailing half remained stalled (at 24°, a small area of high negative pressure still existed at the trailing edge of the other wing at 10°, but had disappeared at 30°). With the wing stalled and yawed a large rolling moment obtained. This was due in part to the large suction over the leading half of the wing, and in part to the piling up of pressure at the leading edge of the trailing half of the wing. At 30° and 35° yaw, the suction at the leading lip reached a value of over -25 p.s.f.

The rolling moment was calculated by decision from the pressure measurements by integration, the rolling moments were measured, using the same airfoil, at the same angles of incidence and yaw. The agreement between results was found to be reasonably close, especially below the stall.

WATER PRESSURE ON HULLS

WATER PRESSURE DISTRIBUTION ON A PLANE HULL. BY F. L. THOMPSON. M.A.C.A. Technical Report No. 145.

THIS report is the third devoted to investigations of water pressure on airplane hulls and hulls. The first report was a two-winged Curtiss II-16 flying boat weighing 10,000 lb., loaded, and with a head-on attack of about 10 mph. The second was a wooden structure of rubber con-

ventilation system with a 21" V bottom, spines, and two steps. Water pressure at 15 stations on the hull bottom were measured simultaneously during landings and take-offs under various conditions of rough and smooth water. Accelerations along the three reference axes of the airplane were also measured. The greatest pressures were found to be about 11 lb. per sq. in., occurring near the lead at the main step during landings. Rough water itself gave pressures up to 11 lb. per sq. in. at the lead slightly forward of the middle of the fuselage, and large local loads over this area were recorded. The greatest pressure was borne by an area which was roughly a triangle with its base at the step and its apex on the lead at the lead water line forward. The pressures, however, being proportional to the square of the vertical velocity.

uniform maximum of 8 lb. per sq. in. was measured over the whole bottom between the steps during landings. The maximum accelerations measured were, vertical, 4.7g; horizontal, 6.3g; and lateral, 0.1g. Comparison of these results with those of the investigation of single and three-leaf floats shows a magnitude of maximum pressure approximately twice as great on the H-18 as on the GO-1 (single float), and 50 per cent greater than the maximum on the T-11 (twin float). This difference was due, partly to the greater angle of incidence of the fuselage of the last hull, but more directly to the fact that the comparatively low lift to drag ratio of the H-18 hull gave it a greater rate of vertical descent than the excellent maximum pressure being proportional to the square of the vertical velocity.

Side Slips

BY ROBERT R. OSBORN

AN AVERAGE DAY AT THE WHOOSIS AIRPLANE COMPANY

Work at the airplane plant, as imagined by the hand of drawers of the *Whoosis Airplane Company*.

Chief Engineer—I'm not going to be in tomorrow or the next day. I've got tickets for the game so might as well take the week-end off.

Senior Manager—Don't tell your old talk to me. I won't be either. I'm going on a two-day duck shoot along the coast. Why bother telling anybody, nobody'll notice you're not here.

Factory Manager—I've ordered some unpainted stock for the customers. They're complaining the old ones were not very satisfactory.

Chief Draftsman—Better order them lower too. Joe Smith doesn't want get a fractured skull falling off one of the high ones when he was asleep yesterday.

Chief Designer—There seems to be some talking about the idea lately that we ought to get out a new design. Do you think it would be better to change the motor mount on the main plane or should I get Joe to weld up a new roller ship for the trainer?

Chief Engineer—You changed the motor the last time, you no longer need try that again. A new motor would be a lot of trouble, though, why not work up a new tail roller ship for the trainer?

Chief Designer—O.K. I'll tell the shop

to weld one up and we'll put a couple of drawers on it when they get it done.

Purchasing Agent—The bid on the maps for the outfit was \$800 each and the senior draftsman will be \$800 per office. That sounds about right, doesn't it? Who remembers what the price was when we had it done four months ago?

Senior Manager—That sounds good to me. Maybe they could do it over the weekend while we're away if we pay them a bonus.

Shop Foreman—(Interrupting) Pardon me, Genl., but I've got a shop matter down in the shop and I ought to have a motor for it, or should I make a glider out of it?

Chief Engineer—What sort of a ship is it?

Shop Foreman—Demo. The mechanic who told me about it said it was a light one or something.

Chief Engineer—Well, look over behind that barrel of priming paint in the stock room. I think I saw a motor there last week, but it might have been a drill press or something like that.

Shop Foreman—O.K. If there's nothing there we'll set it by motor and make the customer and the owner engine is. While I'm up here, tell me—is there any Yale policy around for the game and what are the odds?

Chief Engineer—Well, well, just the odds. I was looking for. Let's send out

AVIATION
January, 1933

for all of the morning papers and then all go in my office and get some more food. I've got to make my expenses in the game in some way. My traveling account has been made a little hard lately, and the food office is complaining about it a bit.

Minister of the Interior's meeting as imagined by the employees of the Whoosis Airplane Company

Chairman of the Board—Now before we go on with other business, gentlemen, is there any more Harvard money loan around here? I'm being on two touchdowns.

First Director—No, you've covered everybody who doesn't get time to read the sporting pages. Let's get going. I've got a conference with my golf instructor at three o'clock.

Second Director—I read in the papers this morning we had developed a new type of landing gear. What's a landing gear anyway? Is it used on an airplane or something?

Third Director—I don't know what it is, do you, Ed?

Another Director—No, but if you really must know, ask my secretary on the way out. She went out to a flying field once, and her kid brother is learning to fly somewhere.

Fourth Director—What do you think about firing some of our engineers this afternoon? I was talking to one of them the other day and he claimed we are making the air line carry such heavy loads in the ship they aren't safe any more. If they can't co-operate with the air line by designing ships that will carry the load, I suppose we should fire some of them as a warning.

Fifth Director—Good idea. Maybe we could make the whole outfit in Chicago for two good players and a second baseman. If we end up another season at the bottom of the league we might as well sell the ball park for a minimum golf course.

Chairman—Now, you're getting mixed a bit. This is a meeting of the American Tapered Roller Bearing Association.

First Director—Say, isn't this the meeting of the Whoosis Airplane Company?

Chairman—Yeah, that's right. I was confused myself.

Second Director—Well, what about firing those engineers or shall we just order their salaries?

Another Director—What engineers? **Second Director**—Oh, well, I suggest we cut out wanting less this way. We've got to stop in here long enough for the reporters to think it has been a good meeting. Let's continue to pass all divisions, and report that prosperity is just around the corner and that our confidence in the future of aviation is being justified. We might well have a few hands of Red Dog; let's cut for deal.

AVIATION
January, 1933

489 Landings in 14 $\frac{3}{4}$ Hours on Timken Bearing Equipped Airwheels



Pilot Bill Hudson and the Timken Bearing Airwheel equipped plane used in this test.

What is said to be a record number of airplane landings to be made in a single day—489—was accomplished by Pilot Bill Hudson of The Goodyear Tire & Rubber Company while making intensive tests of new brake equipment designed by Goodyear for use with their Airwheel units.

Flights averaged 1 minute and 20 seconds in duration, and the plane was brought to a stop with full brake on each landing.

Incidentally, this also proved to be an equally thorough test of Timken Tapered Roller Bearings, with which the Airwheels were equipped.

It corroborated, in a convincing manner, the value of Timken Bearings in helping to reduce take-off time and in maintaining wheel stability in the face of the heaviest impact and thrust loads and severest braking stresses.

Timken Bearing Equipped landing and tail wheels are used on planes of all types and sizes, including the largest transport ships. The Timken Roller Bearing Company, Canton, Ohio.

Timken Tapered Roller Bearings

GULF

Your motor is worth protecting!

Aviation engine manufacturers agree that use of highest quality aviation oils means ultimate economy in longer engine life and increase of time between overhauls.

GULFPRIDE OILS are admitted to be America's Finest Aviation Oils. Many well known flyers insist on GULFPRIDE OILS for their motors. They notice the difference in increased performance, in lower overhaul cost and in increased safety.

GULFPRIDE OIL is especially refined for aircraft motors. It is manufactured in 5 viscosities as follows:—

GULFPRIDE OIL 75	} for cold weather operation
GULFPRIDE OIL 100	
GULFPRIDE OIL 120	} for warm weather operation
GULFPRIDE OIL 150	
GULFPRIDE OIL 200	} for special high viscosity work

(Numbers indicate viscosity SAE at 210° F.)

GULFPRIDE OIL is marketed by one of the leaders in the oil industry—GULF—for aircraft owners who care most about their motors' performance.

GULF REFINING CO.

Gulfpride
Oil

THE REAL PHILADELPHIA

—has been an industrial city from the beginning. It was the only city in the New World colonized entirely by workers. William Penn searched Europe for—

"Industrious, Substantial and Deep Laboring, Inventive Handicrafts, especially Carpenters, Millers, Smiths, Wagon, Tanners, Tanners, Shoemakers, Shipwrights, etc."

This industrial character was intensified until today it forms a unique individuality for the city.

"The Real Philadelphia" sets forth graphically, with the aid of beautiful pictures and modern decoration, the story of what Philadelphia holds for new enterprises of all kinds. It expresses the true spirit of this great modern city.

Send for this or any of our other books on Labor, Transportation, Power, Distribution and Production shown at the right. Please use your business letter-head addressing Department BC.



A Story we've waited

An authoritative Text Book on the Appli-

We had the basic facts for this book 14 years ago. It was as true then, as it is today, that when a metal part is built to a specified strength it can be made lighter with Alcoa Aluminum. And when a part is to be built to a specified weight it can be made stronger with Alcoa Aluminum.

Now, after 14 years, we offer you this book, "Aluminum in Aircraft." Because it represents literally our 14 years' work and experience with U. S. Bureau of Standards, U. S. Army Air Corps, U. S. Navy Bureau of Aeronautics, Naval Aircraft Factory, airplane manufacturers, operators, pilots and mechanics. We feel it is both practical and technically sound. It is crammed with facts from cover to cover. Send now for a copy. Use the coupon herewith.

8 Interesting Chapters

Chapter No. 1 establishes the fact that any specific part depends upon the relative characteristics available in the metal for the particular part in question. It points out that the present tendency is to use high strength aluminum alloys for propeller, power plant, fuselage, wings, control surfaces, float hulls, pontoons, struts, oil and fuel equipment and auxiliary devices.

Chapter No. 2 is devoted to the characteristics of aluminum and aluminum alloys. It divides the alloys into two main divisions, the casting alloys and the wrought alloys. It gives in detail the mechanical, physical and chemical properties of aluminum.

Chapter No. 3 is headed, "Aircraft Metallurgy." Here the book tells about such subjects as cold working, heat treatment, annealing and welding.

Chapter No. 4 discusses the application of aluminum to aircraft parts and aircraft engines, both water-cooled and air-cooled, giving reliable, practical and technical data on how to use the aluminum alloys. It also discusses pistons, connecting rods and propellers. It devotes considerable space to construction and assembly of wings, fuselages, hulls and pontoons.

Chapter No. 5 is headed "Manipulation and Shop Practice," aimed to inform the manufacturing superintendents how best to work aluminum. It begins with heat treating, explaining the equip-

fourteen years to print cation of Alcoa Aluminum to Aircraft

ment necessary for this work and the technique of operation. Annealing is next considered. Then follows forming, with several pages devoted to the equipment and practical shop practice for securing the best results. In this section the subjects of "brake rolls" and "cold forming" are treated. Completing this chapter is practical information on assembling methods—riveting, bolting, and welding.

Chapter No. 6 is on the important subject of corrosion and its prevention. The subject is treated under the following sub-heads:

The relative corrosionability of various aluminum alloys, effect of variations in heat treatment; the effect of dissimilar metals, and the effect of certain chemicals. Classification of services with respect to severity of corroding influence.

Considerable space is devoted to describing effective methods for avoiding corrosion under the most severe type of services.

Chapter No. 7 treats of inspection, maintenance and repair. It tells the operator of an airplane how to keep his maintenance expert at a minimum. Under the heading of "Repair" is detailed the equipment and material that a repair station should have for reconditioning aluminum structures. It gives detailed repair methods.

Chapter No. 8 gives in detail the commercial forms, rates and specifications under which the many Strong Al-

loys of Alcoa Aluminum for use in aircraft may be purchased. This information is of special importance to the designing engineer and the purchasing agent.

The book contains 44 tables and 60 photographs, illustrating the text and making it easy, for the first time, to appreciate the practicality of using Strong Alloys of Alcoa Aluminum in the fabrication, maintenance and operation of aircraft. In a word, the book shows how to use Alcoa Aluminum to the end that you may take excess dead-weight out of the plane, and put its equivalent weight into payload. ALUMINUM COMPANY OF AMERICA, 444 Olive Bldg., PITTSBURGH, PA.



ALUMINUM COMPANY OF AMERICA
444 Olive Building, Pittsburgh, Pa.
Please send me one copy of "Aluminum in Aircraft" I enclose in stamp.

NAME _____ CITY _____
ADDRESS _____ STATE _____
FIRM OR COMPANY _____
COUNTRY _____

BENDIX

AIRPLANE WHEELS AND BRAKES

have been adopted as STANDARD by

Alexander Industries, Inc.
Bellanca Aircraft Corporation
Boeing Aircraft Company
Buhl Aircraft Company
Cessna Aircraft Company
Consolidated Aircraft Corporation
Curtis Aeroplane & Motor Company
Curtis-Robertson Airplane Manufacturing Company
Curtis-Wright Airplane Company
Douglas Aircraft Company, Incorporated
Fairchild Airplane Mfg. Co.

Fokker Aircraft Company
Keystone Aircraft Corporation
E. M. Laird Airplane Company
Lockheed Aircraft Company
Ryan Aircraft Corporation
The Glenn L. Martin Company
Northrup Aircraft Company
Pittsman Aircraft, Incorporated
Sperry Aircraft Corporation
Stearman Aircraft Corporation
Verville Aircraft Company
Chance Vought Corporation
U. S. Air Corps (for all ships)
U. S. Navy (Bureau of Aeronautics) etc.

Light in weight, sturdy built, Bendix Wheels and Brakes mean nearly increased efficiency in ground

maneuvers and landings; which explains their popularity among aeronautical engineers.

Full particulars on request.

BENDIX BRAKE COMPANY
SOUTH BEND, INDIANA
(DIVISION OF BENDIS AVIATION CORPORATION)

BENDIX 4 BRAKES

FOR SAFETY

GROUP PROVIDED BY PATENTS AND APPLICATIONS IN U. S. AND ABROAD

"Air Mail Saves Time"



YOUR AIRPLANE MOTOR

a marvel of engineering achievement

Will you get out of your airplane motor all the speed and power of which this marvelous mechanism is capable?

The greatest single factor in the life of an airplane motor is proper lubrication. Oils that serve "well enough" for ordinary use soon destroy the efficiency of an airplane motor—and that means a general overhaul-expense!

Backed by fifty years' lubrication experience, Pennzoil has been made the ideal lubricant for airplane motors. It

has all the characteristics required by the specifications of aircraft engineers. It is the choice of America's great passenger lines, where reliability and economy go hand in hand. Good operators everywhere say it is "the best motor oil in the world—and the most economical." It lasts twice as long as ordinary oils—giving you approximately fifteen extra hours of flying with every filling.

THE PENNZOIL COMPANY
Executive Office and Refinery: Oil City, Pa.
District Offices: New York, Chicago, Los Angeles

PENNZOIL

HIGHEST QUALITY PENNSYLVANIA OIL



MADE IN U. S. A.
REGISTERED TRADE MARK

Brilliant lights that pick the SPOT



EXIDE AIR-
CRAFT Battery
is specially de-
signed for heavy
flying service

Steady, reliable lighting assured by Exide Aircraft Batteries

TWO shafts of brilliant light
baffle the darkness. Ground
crews rush forward to meet the
incoming transport as she settles
safely to earth. And once more
Exide Aircraft Batteries prove a
dependable power source for
landing lights.

Not only do these batteries

assure smooth landing lights ef-
ficiency, but also supply steady,
available current for radio power
... instrument and navigation
lights ... starting and ignition.
And stream throughout the world
know that millions of miles of
grueling air service stand wi-
thout to the dependable, trouble-

free performance of Exide Air-
craft Batteries. That's why they
choose Exides as equipment for
any type of plane in any type of
service.

Exide Aircraft Batteries are
backed by the 43 years' experi-
ence of the world's largest bat-
tery specialists. Light in weight
and strong in construction,
they are designed so that the
electrolyte will not spill. And
every Exide is economical
... absolutely dependable.

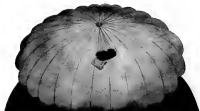
Write NOW, for full in-
formation. We will send you
interesting data on the many
types of Exide Aircraft Bat-
teries and their varied appli-
cations. No obligation.

Exide AIRCRAFT BATTERIES



LANDING LIGHTS
can always be de-
pendable upon when
Exides are on the job.

THE ELECTRIC STORAGE BATTERY COMPANY, Philadelphia
THE WORLD'S LARGEST MANUFACTURERS OF STORAGE BATTERIES FOR EVERY PURPOSE
Exide Batteries of Canada, Limited, Toronto



SWITLIK

SAFETY CHUTES



Reduced to

Now you can get a famous SWITLIK
SAFETY CHUTE at a greatly reduced
price. Silk fabric prices are now the
lowest in years and while they stay low,
we are giving you the benefit of this im-
mense saving to boost Aviation and
safe flying. With the finest silk canopy
our new price gives you a saving of
\$75, and with the proved Pongee Silk
canopy, a saving of \$60.

\$300
FOR BUCKEY SILK
and
\$240
FOR PONGEE SILK

So—order your SWITLIK CHUTE now.
Get one of these proved superior para-
chutes with the patented one-piece com-
bination pack cover and pilot chute, at
a lower price than you would pay for an
ordinary chute. Write or wire at once.
Every SWITLIK SAFETY CHUTE drop
tested and approved with A. T. C. Re-
sponsible dealers are invited to write
for splendid proposition.

**SWITLIK
PARACHUTE & EQUIPMENT
COMPANY
TRENTON NEW JERSEY**

USED BY DEPARTMENT OF COMMERCE OFFICIALS, AIRMAIL PILOTS AND FAMOUS FLYERS

First Sealing Air
Mail Plane arriving in
Omaha via Gilmore
Surfaced Area.



The way "Marty" Field as
Omaha looks from the air.

GILMORE SURFACED AIRPORTS ARE THE CHOICE OF PILOTS

Airport owners like them because the first cost is low... and maintenance is practically nil. Send your problems to Aviation Division, Gilmore Oil Company, Ltd., 2423 East 28th Street, Los Angeles, Calif.

GILMORE
Special Asphaltic **AIRPORT OILS**

A close-up of the Gilmore landing and take-off runway at
Omaha Municipal Airport.

Safety is the pilot's first consideration. Take-off and landing runways surfaced with Gilmore Special Asphaltic Airport Oils and by Gilmore methods have established such records for safety in all weather that pilots always prefer them.

10% LIGHTER

THE IMPROVED

The improved Continental
7-Cylinder Radial Engine con-
servatively rated at 165 h. p.
Navy Test Rating 177 h. p.



The further refinement of this engine has taken two years in the Continental Aircraft Engine Laboratories—the most complete and scientific aircraft engine laboratories in the country. The most important individual feature of this refinement is the reduction in weight of 42 pounds. This improved engine, the Continental A-70 second series, is offered for 1931 markets and will be available as power equipment in the best makes of American airplanes. Complete dynamometer tests—the most severe flight tests—careful metallurgical analysis and tests—prove that this engine is thoroughly perfected and proven. These tests remove the every ounce taken out of the weight has been accomplished by expert engineering research, which is

characteristic of Continental products. These tests also prove that this engine is offered only after it has proven worthy of the Continental name, and does not leave the burden of proof to the buyer.

Every pilot who has flown a Continental engine has remarked on its smoothness—as any pilot. This smoothness is accomplished by perfect distribution, the result of expert engineering, without the aid of complicated and heavy blower mechanism.

We will be glad to furnish complete specifications.
CONTINENTAL AIRCRAFT ENGINE COMPANY
Des Moines Office and Factory, Des Moines, Iowa

Continental Engines



PACKARD-DIESEL

RAISING THE STANDARDS OF AIRCRAFT PERFORMANCE

INTRODUCED less than one year ago, the Packard-Diesel has already fulfilled an initial promise to Aviation—"to give new impetus to flight." Steadily and surely it has contributed numerous and far-reaching improvements—raised the standards of aircraft performance to even greater heights.

Especially significant is the contribution made by the Packard-Diesel to the advancement of flight at high altitudes. Tests have shown that the Packard-Diesel actually gains revolutions as a ship is climbed to rarified air levels. In one demonstration the engine thrived as it cranking speed while near the ground—and at 30,000 feet it had gained 100 R. P. M.

This means that the relatively constant efficiency of the Packard-Diesel enables a plane to have a much higher absolute ceiling—and permits operations at high altitudes without

the penalty of a radical decrease in speed. The Packard-Diesel engine automatically adjusts itself to altitude with a resultant efficiency of operation which cannot be duplicated in any other engine which requires manual adjustment for this ever-changing condition of flight.

For Aviation of today the Packard-Diesel has removed the highly dangerous and even more precise fire hazard from flying—through the use of fire-safe fuel. Its remarkable fuel economy has increased the cruising radius of aircraft and reduced cost of operation, and it has eliminated the sources of radio interference through the very nature of its design.

These improvements in aircraft power have been lauded as the most important in a generation. Today the Packard-Diesel is furnishing clean, reliable, super-power for an ever-increasing number of aircraft.

ASK THE MAN WHO OWNS ONE

TODAY'S PASSENGER SHIP



COMPARE TIME AND COST

ST. LOUIS TO NEW YORK	TIME	FARE
BY PLANE TODAY	6 Hours	\$60.00
BY RAIL (Fastest route with Pullman)	23 Hours	\$84.75
BY 1931 AIR SHIP	16 Hours	\$34.50

Rating over today's plane—6 hours—\$60.00
Rating over today's rail—16 hours—\$34.50

OLIVER L. PARKS
Invented and built this
world's largest non-
stop flying school,
famous in its field.
He spends hours of the
foremost of his time of
your future in flying.



The PASSENGER SHIP of 1931



AVIATION steps forward in 1931

5 TIMES AS MANY AIR LINERS—5 TIMES AS MANY
TRANSPORT PILOTS—10 TIMES AS MANY MECHANICS

Look ahead six months—no more. Aviation calls for a new deal in 1931—the whole picture of flying will be changed. If you're going to be in on it, you've got to say "Get!" today.

St. Louis to New York in 6 Hours, Non-Stop!

That's the 1931 program, to be achieved by non-day ships, triumphs of design, prodigiously streamlined for speed... 200 miles an hour cruising speed will be attained... less gas and oil to be cranked... less wasteful resistance... less power required... lower rates because of lower operating costs... and full seats instead of empties... that's commercial flying as you'll see it in 1931!

PARKS AIR COLLEGE
WORLD'S LARGEST COMMERCIAL FLYING SCHOOL
ST. LOUIS, ILL.
PARKS AIR COLLEGE was one of the first to be licensed by the U. S. Department of Commerce as a fully accredited transport school

It means new life for Aviation, a fivefold increase in opportunity. Are you coming in on it? All you need is Parks training, at the school where value guides every step, where the men who were first to see the future as it is pictured learn. You can't afford to gamble with your future—and waiting is a gamble... Catch the next train, plane, or bus and come to Parks.

The whole story is yours for the asking.

ALL THE COUPONS TODAY

PARKS AIR COLLEGE, 3-AV
Parks Airport, East St. Louis, Illinois

1. Name _____
2. Address _____
3. City _____
4. State _____
5. Zip _____

THE STEARMAN AIRCRAFT COMPANY

Another prominent user of SKF
Bearings in the Aviation Industry



Where
PERFORMANCE
TAKES PREFERENCE
over PRICE

IN THE AIR WITH SKF PERFORMANCE IS CERTAIN

TAKING chances? Not the pilot who "knows his bearings". He usually depends on SKF's... the bearings that have established a standard for dependability in practically every epoch-making flight of the past decade. Stearman anticipates that demand for utmost reliance in the air by using three SKF Bearings on the Allison Torque Tube and stabilizer adjustment of this plane.

Aviation has firmly established itself as the 20th Century way of fast transportation. But in the evolution it has been forcibly demonstrated that where bearings are used, "Performance is the only thing that counts". The qualities which have made SKF supreme with 52 manufacturers for this field are the result of building bearings to do a definite job... not to fit a price.

SKF INDUSTRIES, INC., 40 East 34th Street, New York, N. Y.

SKF

This New UNIVERSAL RECEIVER adds GREATLY to the SAFETY of FLYING



IN THE new Model D Aircraft Radio Receiver, Stromberg-Carlson has produced one of the most important radio safety devices ever developed for aircraft usage. Providing, as it does, universal adaptability to the entire aircraft radio spectrum, it makes possible air reception of radio range signals, weather reports and all other radio aids to the operation and safety of aircraft. This universal serviceability is accomplished through the use of interchangeable coil sets mounted upon an individual panel with attached handle which may be easily and quickly inserted or removed.

Other unique features making for extra ruggedness and durability, extreme simplicity of design and operation, light weight, high sensitivity and selectivity, and absolute dependability of operation, are incorporated in the Model D Aircraft Receiver. Every detail of its construction reflects the knowledge which Stromberg-Carlson has gained from more than 55 years' experience in the telephone science from which many major radio advancements have originated.

Our new brochure contains complete information about the Model D Aircraft Receiver. We shall be glad to send you a copy upon request. Write today.

STROMBERG-CARLSON TELEPHONE MFG. CO.,
Rochester, N. Y.

Address all inquiries to our sales representative,
Aircraft Radio Corporation, Boston, N. J.

Stromberg-Carlson

MARKER OF VOICE TRANSMISSION AND VOICE RECEPTION APPLIED FOR MORE THAN THIRTY-FIVE YEARS



PRATT & WHITNEY AIRCRAFT CO

THE GLENN L. MARTIN CO.

WRIGHT AERONAUTICAL CO

CURTISS FLYING FIELDS

CENTRAL AIRPORT

ROOSEVELT FIELD

ANNEKE DE VRIES, FRANK COLEMAN

Eastern Avenue and Main Street

Belmont, Maryland

[illegible]

U.S. Bank **Top Financial Strategist** **in**

Public safety at airports is a major problem today. Airport operators who are awake to this problem are taking immediate steps to provide adequate protection.

For handling crowds, protecting the ships and controlling the field, Anchor Fences are the greatest aid. Anchor Fences are protecting some of the most important air terminals in the country today.

The demand for this Anchor Fence protection made possible the establishment of the Anchor Airport Sales Division. This special Airport service is available to all Airport operators throughout the country.

ANCHOR FENCES

More **BELLANCA**
OWNERS
who believe in
AIRPLANE VALUE



PROOF of Bellanca value is plentiful. Transcontinental flights: U. S. to Berlin, U. S. to Rome, Canada to London. National Emergency Contracts: 11 first places out of 11 starts since 1933. Endurance and Long Distance Records established after lifting the heaviest loads ever flown by single-engined planes of equivalent horsepower. Reliability: Consistently leaders of their class in the National Air Tour. Above all, single-engined Bellanca monoplanes have demonstrated their value in business operations throughout the North American continent. They have proved that airplane efficiency is closely related to operating economy and safety. Big business investigates such facts before buying—and big business buys Bellanca.

The Bellanca Procraft and the Skyrocket both carry six persons at about 1,200 pounds of payload, at 147 to 174 m.p.h., with 300 or 400 H.P. engines. The new Bellanca Airbus carries twelve persons and baggage, mail or express, a payload of 3,000 to 3,200 pounds, with a single air-cooled or water-cooled engine of 600 H.P., at 147 m.p.h. All types can be equipped as bushbushes or seaplanes.

BELLANCA AIRCRAFT CORPORATION
NEW CASTLE, DELAWARE

New York Office: Chrysler Building
Canadian Distributors: Bellmore Aircraft of Canada, Ltd., Montreal



BELLANCA

The
world's
first
flying
yacht
tender
uses
the
world's
foremost
starter



HEYWOOD STARTERS

On the beautiful Lotusland, Col. Edward A. Deeds' new yacht, is found the most modern application of transportation efficiency—a Sikorsky "S-39" Amphibian with Pratt & Whitney engine, Heywood equipped.

Many hours are saved Col. Deeds in commuting to and from New York and even though cruising on the yacht hundreds of miles from the city he is within easy reach of his Wall Street office.

Every modern refinement has been built into the Lotusland, and in the "flying tender" Col. Deeds has the convenience of the Sikorsky "S-39" Amphibian with its safety, comfort and speed—the confidence which the unfailing action of the Pratt & Whitney "Wasp" engine inspires, and the inestimable satisfaction derived from the Heywood Starter in quick, easy starts at any time, under any condition—and without fail.

SKY SPECIALTIES CORPORATION

3655 Hart Avenue

Detroit, Michigan



MADE ENTIRELY OF STEEL
BUTLER



READY-MADE STEEL HANGARS

It appears "spunking" new, but before erecting it at the Union Airport, Lincoln, Nebraska, the Woods Brothers Corporation used this hangar as a temporary location for several months. It was erected, taken down and re-erected with full salvage.

Completeness, economy in acquiring, economy in maintenance, fire safety, speed in erection, trim appearance and structural qualities which make for permanence, yet which permit enlarging, taking down and re-erecting—these are characteristics of Butler Ready-made Steel Hangars. Their use is total in the common sense solution of the airplane sheltering problem.

Butler Ready-made Steel Hangars range from the individual T-shape type shown here to the immense, round roof, airport type with clear spans up to 100 feet. They serve many air industry purposes such as transport line stations, flying school hangars, and training quarters, aircraft factory buildings, repair shops, material warehouses, lunch rooms, refueling stations, shelter for ground equipment, etc. Butler designs also include combinations of steel and stone, and steel with brick veneer. Butler Ready-made Buildings have set the standard for economical airport structures.



Butler Manufacturing Company

1345 Eastern Ave.

Kansas City, Mo.

942 Sixth Ave., S. E.

Minneapolis, Minn.

Please send me booklet and information on individual hangars for sheltering airplanes; economical hangars for use in other industries; Ready-made Steel Buildings for industrial purposes.

Firm Name

By

Address

City

IMMEDIATE RESPONSE

When Your Control Pulleys
Have Precision Ball Bearings



INSTANT and dependable control, and a new sensitivity to your will, come to your ship when your control pulleys are fitted with PRECISION Ball Bearings. You have a feeling of added ease and safety.

Both metal and mottled control pulleys, in all sizes and types, can now be had equipped with NORMA-HOFFMANN PRECISION BEARINGS. They hold the pulleys rigidly in line—prevent fouling the supports—make controls instantly responsive by reducing friction—are dirt-and-moisture-proof—are packed with lubricant sufficient for the life of the ship.

For safety and ease of control, see that your equipment includes Control Pulleys fitted with PRECISION Ball Bearings.

Let our engineers aid you with
a highly specialized experience.

NORMA-HOFFMANN
PRECISION BEARINGS

NORMA-HOFFMANN BEARINGS CORPORATION STAMFORD, CONN., U.S.A.



BUILDING

CHANCE VOUGHT STAMINA INTO AIRPLANES

Metal parts on Chance Vought airplanes hold their finish. No landings in rough salt water—no dives through soaking clouds of rain—no penetrating fog break through to start corrosion. Perched high on the exposed decks of Navy ships at sea, Vought planes are well protected against the lash of wind-blown spray.

Before the three protective coats of red oxide and enamel go on, the metal parts are cleaned and surfaced in the sandblasting room. Clouds of fine, sharp grains with a

hundred pounds of air behind them remove every vestige of dirt and grease, producing a surface to which the finish hangs on through the toughest kind of service.

In the modern, sunlit Vought plant at East Hartford, you'll find the latest equipment and processes. And you will discover many ingenious methods and mechanisms which are as characteristically Vought as the ships themselves. Chance Vought Corporation, East Hartford, Connecticut, Division of United Aircraft & Transport Corporation.



CHANCE VOUGHT
CORPORATION

ITS EXTRA POWER ALONE CAN FLY THE AVERAGE SHIP!



IN the Wright test rooms on an official test, a new "Cyclone 575," one of a series for the Army and Navy, went on trial. For 45 hours it hummed and delivered its rated 575 h.p., turning at 1700 r.p.m. Then it was opened up... Fearlessly it spun at 1970 r.p.m.—delivering 650 h.p.—enough in surplus power to fly the average ship.

That's what you get when you fly an engine by Wright! Pilots know it by experience. Owners know it by operation checks. Passengers know it by smooth, dependable travel.

After 5,000 miles of cross-country work, a well-known pilot put one of the first "Cyclone 575's" to a test. Actually his Wright giant shows more power than the day it went upon its first block test.

To make a motor that can fly is simple. To make a motor which will fly better and better with one is a matter of men, materials and machines.

Wright engines—"Whirlwinds," "Cyclones," and Wright-Gipsies—hold most of the world records for distance, endurance, and reliability in millions of miles of flying.

To build such victors Wright employs the best there is in man-power, machinery, and quality material. Scientific control of these factors gives Wright its world-dominance aloft!



**DURING 1930.....More than
7 MILLION
AIR TRANSPORT MILES!**

AIR transport service is the greatest builder of public confidence in aviation! Day and night these fast air liners fly—in blistering desert heat, through clear, snow and sub-zero weather over the highest mountain peaks—carrying passengers, express and mail safely and swiftly over 31,241 miles of airways.

It is significant that Richfield-fueled air transport planes have flown since then 7,000,000 miles during 1930—nearly 20,000 miles daily in this grueling service where results are measured by one thing only—operating efficiency!

Richfield fuels the planes of Transcontinental & Western Air Express, Inc.; Pan-American Airways; New York, Philadelphia and Washington Airways; Mid-Continent Air Express and West Coast Air Transport. Richfield has served Western Air Express since its inception—the line whose record of more than 7,000,000 miles without a fatality to any passenger is unequalled in aviation history.

They use—and use Richfield in your own plane. You can get it at important airports both east and west of the Mississippi river.

RICHFIELD OIL COMPANY—LOS ANGELES · NEW YORK CITY



WRIGHT
AERONAUTICAL CORPORATION
PATERSON, NEW JERSEY



RICHFIELD



The Resources of a GREAT INDUSTRY

TODAY, the electrical industry is one of the greatest allies of aeronautics. Every prospect as to the development of air transportation must include electricity as an important factor not only in its hundreds of applications on the ground but also in the air.

The aeronautics industry is now depending upon electricity for instruments for navigation and flight, radio, ignition systems, lighting units, and manufacturing and service equipment. General Electric has developed many of these devices to a degree of remarkable dependability. We invite your interest in these products. Write us.

The Instrument Works of the General Electric Company is one of several U.S. factories now in the United States devoted to the manufacturing of electric products.

GENERAL

GENERAL ELECTRIC COMPANY, SHERBROOK, N. Y.

POINT SKYWARD



The Wright engine is representative of General Electric's power for navigation and flight.

Submarine engine represents power for navigation and flight.

Propeller landing lights. Fuel-injected engine, including engine for aircraft.

Automotive and marine lights are made in all kinds of sizes and are available in all kinds of colors.

Automotive and marine lights are made in all kinds of sizes and are available in all kinds of colors.

ELECTRIC

SALES AND ENGINEERING SERVICE IN PRINCIPAL CITIES

NOW GOODYEAR



Here they are side by side—the two great Goodyear developments which divorce the airplane tire, wheel and brake completely from automobile limitations.

GOOD

gives flying a BRAKE

THE BIGGEST NEWS SINCE AIRWHEELS

Here is a brake that gives Airplanes the same vast improvement in deceleration which four-wheel brakes gave to automobiles.

But this newest Goodyear contribution to safe landing is not borrowed from the automobile—it is new in design, different in principle, designed exclusively for airplane use.

Power combined with smoothness and certain release are the three great essentials of airplane braking. A brake that locks on the road can do little harm to a car—a brake that locks once in landing on airplane can put the ship on its nose.

It's easy to say power and smoothness—it's mighty hard to get them in combination.

But you get them both in this newest Goodyear brake.

You get power to hold the plane at a standstill with full throttle—power so sure that you can let the plane roll at full throttle and stop it again.

You get smoothness so even, so certain that you can either slide the wheels or bring up

the tail, depending on the surface on which the landing is made, and still retain complete control. Of an airplane brake no more can be asked.

You get power plus smoothness in this Goodyear brake because it is a special internal expanding type—inside the Airwheel hub where it causes no wind resistance—equipped with Tinker thrust roller bearings—operated with sure-action toggles that release the instant the braking pressure is released.

You know what this brake means to pilots—better control in taxiing—full motor speed before starting a take-off—new safety in landing on small fields and in tight places.

Like every Goodyear development, this new brake has been carefully engineered—patiently developed—thoroughly tested before announcement.

For full engineering data, write or wire Aeronautics Department, Goodyear, Akron, Ohio, or Los Angeles, California.

When you buy a new ship specify Goodyear Airwheels

EVERYTHING IN RUBBER FOR THE AIRPLANE

GOODYEAR

Copyright 1936, by The Goodyear Tire & Rubber Co., Inc.



Nickel cast iron cylinder for Wright Gypsy 4-cylinder engine built by G. GOVRO & SON, DETROIT, MICH.

Nickel Wright Gypsy vertical 4-cylinder in line 100 H. P. airplane engine built by WRIGHT AERONAUTICAL CORPORATION, PATENT, NEW JERSEY



THE INTERNATIONAL NICKEL COMPANY, INC., 67 WALL STREET, NEW YORK, N. Y.
Manufacturers and sellers of Nickel—also producers of Nickel Steel



WRIGHT KNOWS NICKEL CAST IRON CYLINDERS MEAN BETTER ENGINE PERFORMANCE

When a longer wearing cylinder material was sought for the Gypsy—the latest Wright vertical 4-cylinder in-line engine designed for smaller craft—Nickel Cast Iron was the unanimous choice of Wright engineers.

Nickel Cast Iron, called "the longest wearing cylinder material known today," has unquestionably contributed to the successful performance of the Wright Gypsy. Long hours of flying at high speeds demand a material strong and dense throughout all sections...with high uniform hardness assuring exceptional wear-resistance in cylinder bores. These properties Nickel Cast Iron provides, not only in Wright engines, but in the cylinders of approximately fifteen other leading airplane engines as well.



MACHINES *can't do this* *Alone*

MOROS the guidance of skilled operators, the most accurate machines could never produce accurate engine parts.

Hands may make them work, but the experienced, intelligently applied brains of experts must guide both hands and machines.

That is why more and more aircraft engine manufacturers who are honestly striving for perfection in their products have turned to

the shops of Govro-Nelson, where they find: Not only the most efficient, accurate, production machines, the most precise measuring equipment, but a corps of workmen, skilled through years of service to the aviation industry, and with a fine regard for the prized reputation for accuracy in the machining of aircraft engine parts that only craftsmen could build.

THE
GOVRO-NELSON
COMPANY

1931 ANTOINETTE DETROIT

CRAFTSMEN TO THE AVIATION INDUSTRY



OUR CUTTING DISCGRINDERS WILL GRIND
SHOCKS YOUR FRANKLIN WITH YOU



BLAZING THE TRAILS OF THE AIR

WHEN aircraft routes must march out ahead of flying base development and depend largely upon unimproved landing fields, Aerol Glend-Pneumatic Struts are almost invariably called upon to reduce landing and take-off hazards.

Typical of this service is flying in the experience of the Wien Alaska Airways, Inc., operating Hamilton Metalplanes along the Siberian Coast. Mr. Noel Wien writes:

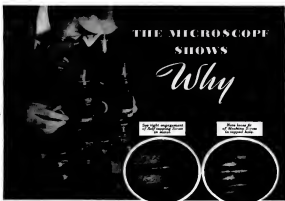
"Many of the landing places on our routes are very rough, due to lack of snow, money and building facilities. We are forced to land in some of the toughest looking places imaginable, and I want to say that your Aerol Struts have been a big factor in safety and protection of the ships from a maintenance standpoint."

Aerol Struts are equally effective on wheel or ski-equipped ships. Their air-and-oil principle of shock absorption affords a margin of safety and maintenance economy not obtainable with any other type of strut.

Aerol Struts are manufactured by The Cleveland Pneumatic Tool Company, Cleveland, Ohio. The engineering department of this company is at the disposal of any interested aircraft designer.

MORE IN USE THAN ANY OTHER MAKES

AEROL Shock absorbing STRUT



THE MICROSCOPE SHOWS

Why

See tight engagement
of self-tapping screw
in metal.

How loose fit
of ordinary screw
in metal.

Self-tapping Screws **HOLD BETTER**



Comparative laboratory tests conducted by national authorities prove that Hardened Self-tapping Sheet Metal Screws make better fastenings than machine screws as bolts and nuts. Frequent demonstrations of this fact are found in hundreds of assemblies subjected to severe stresses of tension, shear and vibration.

"But Why does this Screw hold better?", an engineer will often ask. It is a natural question. A Screw that forms a thread in sheet iron, steel, aluminum and Bakelite as it is turned into an unthreaded hole, is revolutionary in principle. Such simplicity has not been associated with the making of screw fastenings.

The microscope shows why a Self-tapping Screw holds better under vibration, the chief cause of fastening failure. Remembering that the severity of a fastening under vibration depends upon how tightly the Screw threads are engaged in the metal, look at the accompanying microphotographs here. It is easy to see why the Self-tapping Screw holds better.

Its threads are so firmly embedded in the metal that screw and metal are practically one. But between the

machine screw threads and the tapped threads (commercial tolerance) there is considerable space . . . space which permits the screw to loosen under vibration.

Under stresses of tension and shear, a stronger fastening is obtained with the Self-tapping Screw because it possesses greater tensile strength than ordinary screws, being made of a special steel, scientifically treated.

More Facts in these two Free booklets!

Proof of Strength



PARKER-KALON
HARDENED SELF-TAPPING
Sheet Metal Screws

Proof of Economy



Parker-Kalon Corp., Dept. M., 222-226 Vanok St., New York.
Send for free booklets on Strength and Economy. (Free sample for trial will also be sent if you tell us what you want to fasten.)

Name and Co.

Address _____



Pouring a heat of Acid Steel

for Roebling Wire Aircraft Products

THE MOLTEN METAL has been tapped into a huge ladle. And now it is being poured into the molds. Soon, in the form of ingots, it will be on its way through a seemingly endless number of processes. Finally, it will be shipped out as Roebling Aircraft Wire, Strand and Cord.

Roebling Quality starts with the making of the steel and is under Roebling con-

trol every step of the way. It is the result of highly developed, modern production methods plus close attention to detail.

Thousands upon thousands of feet of Roebling Wire Aircraft Products are daily demonstrating the safety and economy assured by Roebling Quality.

JOHN A. ROEBLING'S SONS COMPANY
WIRE RODS, WELDING WIRE, PLAT WIRE
COVERS AND INSULATED WIRES AND CABLES
TRENTON, N. J. Branches in Principal Cities

ROEBLING WIRE AIRCRAFT PRODUCTS



Exquisite Socony 440-Pe Motor Plane parked with Pratt & Whitney Motors, 100 h. p., 10000 feet, capacity 100 gallons, built under license by Socony, Inc., New York, N. Y. This plane flew in Socony from Langley Field, Virginia.

SOCONY Aviation Gasoline

The Army choice at the Legion Convention

IN BOSTON, during the two days' aerial pageant for the American Legion, the Army Flying Service bought 7,695 gallons of Socony Aviation Gasoline.

Complete reliability, combined with smooth, steady power, has made this splendid flying fuel pilots' choice throughout New York and New England, as well as official fuel in nearly every airport.

Pilots will tell you, also, that the new Socony decaized, paraffine base Motor Oil is equally to be relied upon and gives the same flying satisfaction.

Try Socony Aviation Gasoline and the new Socony Motor Oil in your plane. You'll find both for sale in practically every airport in New York and the New England states.

Aviation Gasoline Motor Oil

STANDARD OIL COMPANY OF NEW YORK



SRB Ball Bearings

on Crankshaft and Accessory Drives of the JACOBS LA-1 Aircraft Engine

THIS Jacobs Model LA-1 aircraft engine is exceedingly strong and reliable. Its action is 160 horse-power gives a full Jacobs engine have vigorously demanded a rugged, reliable Ball Bearing—SRB.

Maximum load capacity per pound of bearing weight gives SRB Ball Bearings the utmost in both radial and thrust capacity. Here is the reason for SRB preeminence in the common popular thrust position throughout this engine industry. SRB dependability is proven in aircraft engine record of SRB capacity and SRB dependability are equally reliable in other industries.

STANDARD STEEL AND BEARINGS, INCORPORATED
CHICAGO, ILL.
MADE IN U.S.A.



Ball Bearings



OUT INTO THE NIGHT

AMERICA'S TRANSPORT PLANES WILL SPEED



SPERRY-AGA, Type BGA, 1000-watt, "Jat", Flarelight
Lamp, Full Automatic, Air, Landing Field Floodlight
The Air Transport Operator's Guide

this year with tens of thousands of passengers and millions of pounds of mail and express . . .

SPERRY-AGA airport and airway lighting equipment—preferred by air transport operators and operators of America's great airports—will guide the majority of these planes to safe landings . . .

SPERRY-AGA engineers pledge their earnest cooperation in making 1931 the safest year in aviation history . . . Let them aid you in planning your lighting program this year . . .

AMERICAN GAS ACCUMULATOR COMPANY

Airport Lighting Division—Exclusive Distributor for AGA, S.E.T., and SPERRY Airport and Airway Lighting Equipment
ELIZABETH, NEW JERSEY

West Coast Representatives: Sperry Gyroscope Company, Inc. — Los Angeles — San Francisco — Seattle

Do you know that . . .

each month our subscription department receives more than 150 requests for "Back" issues of AVIATION?

♦ ♦ ♦

If we printed extra copies of our monthly issues, we would be glad to comply with these requests, but unfortunately we have no way of knowing in advance just how many of our newsstand readers will "miss" an issue.

♦ ♦ ♦

But We Do Know — that each of these requests indicates a reader has "missed" just the issue he could make valued use of.

Insure your receiving
AVIATION regularly by filling in the
coupon below, today . . .

AVIATION
10th Avenue at 36th Street
New York City

Subscription Rates:
U. S., Canada and Mexico, \$2;
Central and South America, \$3;
all others, \$5.

Here is my check for \$3.00. Send me AVIATION for one full year.

Name

Address

City and State

Nature of Activity

FAIRCHILD AIRPLANES

New Low Prices!



Fairchild KR-21

Fairchild KR-21

Motor 100 h.p. engine. Two-place biplane and trailer with complete equipment, including low pressure tires and landing gear.
Former price, equipped as above . . . \$4525.00

Now
\$3990.00 Flying
Factory

Fairchild KR-21B

Motor 121 h.p. engine. Same equipment as KR-21.

\$4525.00 Flying
Factory

Fairchild KR-34D

Motor 100 h.p. 3 cyl engine. Three-place taxi, sport and training airplane. Completely equipped.

\$5675.00
Flying Factory

Fairchild KR-34C

Motor 100 h.p. 3 cyl engine. Completely equipped.
Former price . . . \$6200.00

Now
\$6200.00
Flying Factory



Fairchild KR-140

We have for sale several factory demonstrators in both open cockpit and closed cabin models, which have been maintained in thoroughly first class condition and which are offered now at most attractive prices ranging from \$2500.00 upward.

Write or write for full information.

FAIRCHILD AIRPLANE MANUFACTURING CORP.
Farmingdale, Long Island, N. Y.

Branches: New York, New York
Boston, Massachusetts

BRANCHES:

Los Angeles, California
San Francisco, California

DIVISION OF THE AVIATION CORPORATION



NATIONAL AIRCRAFT SHOW of 1931

Detroit City Airport
and Hangar

APRIL 11-19

Auspices of
Aerodautical Chamber of Commerce
of America, Incorporated
and
Aircraft Bureau
Detroit Board of Commerce

The 1931 National Aircraft Show at Detroit promises to be the greatest event of its kind in the history of aviation. With the entire City Airport given over to the display—exhibits housed in the magnificent hangar containing 300,000 square feet of floor space, and demonstrations given from the flying field—the 1931 National Show offers manufacturers a most unusual opportunity to place their ships and accessories before a vast and unswerving public.

At the 1930 All-American Show at Detroit 47 manufacturers exhibited 31 ships, while 124 manufacturers of accessories participated. This year with the National Show—the only important show to be held annually—it is apparent that the exhibits will be greater still, both in the number of manufacturers represented and the number and variety of aircraft shown. Reservations are now being made and over 70% of the available space has already been assigned.

For full particulars apply to

RAY COOPER, Manager
Aircraft Bureau,
Detroit Board of Commerce,
Detroit, Mich.

Fortify for Fire Fighting

The 3-Gallon non-freezing, large capacity Fire Fighter for warehouses, homes and shops... made of solid copper for durability.



Pyrene Manufacturing Company
NEW YORK

Some One Wants To Buy

the equipment or machinery that you are not using. This may be occupying valuable space, collecting dust, rust and hard knocks in your shops and yards.

Sell it

before depreciation scrapes it.

*The Searchlight Section
is helping others—
Let it help you also*



THE first and most important thing any airplane man does is to get off the ground speedily and safely... and get back on the ground, smoothly and safely. From this standpoint, surfaced all-weather runways actually rank ahead of hangars or any other airport improvement in importance. They are the first guarantee of safety, the best security of future growth and progress for the industry.

For a long time, the element of expense obscured every other consideration. But today the experience of the highway industry in the construction of vast areas of

all-weather surfaces on the secondary roads of the country have been applied to the airport-surfacing field. Great strides have been made in surfacing with limited funds.

Let us tell you what this experience can mean to you in surfacing your runways with Tarmac.

AMERICAN TAR PRODUCTS COMPANY

Division of The Koppers Company
General Office: PITTSBURGH, PA.

Surface
Tarmac
RUNWAYS... PARKING
AREAS... HANGAR APRONS
CONNECTING ROADS
TAXI STRIPS... AT
MODERATE COST...

YOUR CREDENTIALS to the aviation industry... A BOEING DIPLOMA!

Until you have proved yourself, you will be judged largely by the kind of training your school offers.

Boeing training commands the respect of employers. They know the record of the Boeing System in flying 12,000,000 miles over the San Francisco-Chicago and Seattle-Los Angeles mail, express and passenger routes. They know the international reputation of the Boeing Airplane Company, which has been building commercial, Army and Navy planes for sixteen years. This school has the same high standards.

That's why a Boeing diploma is the best endorsement you can have when you knock at the industry's door.

Learn to fly this winter. Hours in the air are what count in flying instruction. Oakland's mild winter climate makes it as easy to fly in January as in June. Average winter temperature is 50° F. There is no snow.

The following courses begin January 5 and April 5, 1931: Master Pilot, Master Mechanic, Transport Pilot, United Commercial Pilot and Private Pilot.

The coupon below will bring you full details. Mail it today!

BOEING SCHOOL OF AERONAUTICS

Division of United Aircraft & Transport Corporation

BOEING SCHOOL OF AERONAUTICS

Room 2-G, Airport, Oakland, California
Send me: I am interested in:

- ☐ Private Pilot ☐ Boeing Master Pilot
☐ United Commercial Pilot ☐ Boeing Master Mechanic
☐ Transport Pilot

Name _____

Address _____

City _____ State _____



The Answer To The SMALL ENGINE QUESTION

Very shortly, The Kimball Aircraft Corporation will announce a new engine for light planes—the result of elaborate research and experimentation.

Write for advance information

THE KIMBALL AIRCRAFT CORP.
NADEGATUCK, CONN.

Aircraft Instruments



**AERO
INSTRUMENT**
10003 LORAIN AVE.
CLEVELAND, OHIO

Boeing Flying Boats ... now only \$15,000!

The six place Wasp-powered Boeing Flying Boat is the one flying boat on the market which perfectly combines the seaworthy qualities of water craft with airplane performance. It is the fastest single-engine flying boat built.

Coupled with the new low price is improved performance. Speed increased 15 m.p.h.; climb increased 250 f.p.m.; takeoff reduced 8 seconds. When taxiing, turns are made with equal ease in either direction. Tests safely at 50 m.p.h. Sturdy hull construction. Remarkably airy and economical to operate. Roomy, glass-enclosed cabin. Write or wire for detailed data.

All the new low price of \$15,000 this flying boat offers real opportunities for operators, executives and flying clubs. Phoenix P.A.F. Seattle.



BOEING AIRPLANE COMPANY SEATTLE, WASH.

A Division of United Aircraft
and Transport Corporation

PERFORMANCE (With full load)

PAY LOAD: 4 passengers—815 pounds.
HIGH SPEED: 115 m.p.h. Cruise 105 m.p.h. Cruise range, 600 miles, 14,000 ft., 700 feet.
SPECIAL FEATURES: Monocoque and welded cabin, comfortable leather-upholstered seats, separate compartments for baggage and mail, gear, electric radio, electric, ventilating lights, electric windows and windshield, non-shatterable glass, complete instrument board equipment. No extra fee.



the UNIVERSAL PRODUCT

Consider this most versatile product when confronted by difficult engineering problems. The diversified uses it readily lends itself to are really amazing.

The largest manufacturers of felt in the world, the American Felt Company, maintains a staff of experts anxious to co-operate with you in the solving of difficult situations.

Felt may be cut to exacting standards or supplied in bulk. It is most durable.

Send the coupon today—it will effect prompt action.

American Felt Co.

NEW YORK BOSTON SAN FRANCISCO DETROIT
CHICAGO PHILADELPHIA ST. LOUIS

AMERICAN FELT CO., 40 FORTUNE AVENUE, N. Y. C.
We are interested in the use of felt.
Send sample for _____
Name and representative call.
Name _____
Address _____

STRENGTH

in your Tubing

means
STRENGTH
in your Airplane



SERVICE STEEL CO.

18 SCOTT ST.
BUFFALO
21 E. FRONT ST.
CINCINNATI

1408 FRANKLIN ST.
MEMPHIS
1208 N. ALONSO ST.
LOS ANGELES

2 reasons Why

Pilots are turning to THIS NEW OIL

Reason Number One: Conoco Aero Germoil is the only lubricant for flying motors possessing the power to materially reduce wear during the "warming-up" period.

This is due to the oil's exclusive characteristic, *Penetrating Lubricity* . . . the direct result of applying the Germ Process to a de-waxed paraffin base oil. Once used, this oil penetrates the working surfaces of the motor and clings there indefinitely during idle periods. And so it instantly lubricates every working part at the first turn of the "prop".

So while ordinary oils, which drain away during idle periods, permit 40% to 60% of motor life to be wasted away in "warming-up". . . . this oil greatly reduces unproductive wear, and makes flying motors last longer in the air.

Reason Number Two: Conoco Aero Germoil is a de-waxed paraffin base lubricant, which provides quick starting in cold weather, and a more stable and dependable lubricant at high operating temperatures.

If you have ever tug-ged at the prop

when the motor was clogged down with a congealed oil . . . then you know how much easier starting is with a de-waxed oil.

If you okay bills for motor oil, you know that a de-waxed oil lasts longer. For de-waxing eliminates those elements which thin out at high temperatures.

If you fly, you will feel safer with this oil which provides an extra margin of safety. The only film which Conoco Aero Germoil provides is on and on working surfaces means better protection in motor emergencies such as a leaky oil reservoir, or an overheated motor.

Fill up with this unusual motor oil next time. You will recognize the container

by the Conoco Red Triangle.



CONTINENTAL

POWHA CITY, OKLAHOMA
ALBANY, NEW YORK
SALT LAKE CITY, UTAH
WICHITA FALLS, TEXAS

NEW YORK, N. Y.
RAVENHILL CITY, IOWA
GREAT FALLS, MONTANA
CONOCO (INC.) CHICAGO, ILLINOIS

OIL CO.

HOUSTON, TEXAS
CHICAGO, ILLINOIS
BUTTE, MONTANA
LINCOLN, NEBRASKA

FAST UTILITY OF AMPHIBION FOR \$5,800



AMPHIBION landing... no spray for passengers.
Nose which folds under wings.

PRIVATEER!

PRIVATEER brings to the three great air minded classes... flying subjects, sportsmen and seafarers... the utility and safety of an amphibian of a price several thousand dollars under that of current amphibious craft. PRIVATEER's price of \$5,800 makes it the lowest priced amphibian in the world.

Designed for pleasure makers of amphibious... ground service work by soft treads... the two phase speed control PRIVATEER (A.T.C. 770) which itself is every accessible flying and landing perfection with a maneuverability that exceeds conventional planes. Goodness and control with remarkable stability, smart response and the dual safety and dual pleasure of land and water. Flying range adequate for all reasonable needs... motor parts extremely easy to obtain.

A dependable Warner "Scarab" motor of 100 h.p. provides a high speed of 75 miles per hour... a cruising speed of 45... a climb of 600 feet per minute... a landing range of 230 miles, all this with a useful load of 800 lbs... performance superb.

Notably, because of its wide utility and low maintenance and dealers who sell the PRIVATEER have only one to read and comprehend... these other models in the Amphibion... the best... the Amphibion, Inc. dealer... provides a liberal margin of profit on each sale.

For complete information concerning the technical specifications which are now being made, write

AMPHIBIONS, INC.
(FORMERLY INLAND AIRCRAFT, INC.)
GARDEN CITY NEW YORK

PERRY-AUSTEN

Don't Crack
Don't Peel
Don't Rot

Good Take Up
Good Fill
Easy to Apply

These essential qualities of good dopps are demanded by experienced aircraft manufacturers. That they are inherent in PERRY-AUSTEN DOPPEL has been proven by Government and manufacturers' laboratory tests and in practical service on thousands of military and commercial aircraft.

PERRY-AUSTEN DOPPEL are produced by the skilled manufacturer of aircraft dopps in the United States and they are used by many of America's foremost aircraft manufacturers. Ask for our quotations, whether for large or small quantities.

Conducting to United States Government
PERRY-AUSTEN MFG. CO.
Main Office and Works, Cranston, Rhode Island, U. S.
Tel. Cranston 1116-1117
Chicago, 222 N. Dearborn St. Tel. Republic 4106

Our wide experience in the
field of AUTOMOTIVE
ENGINES makes us a
most practical source for

AIRPLANE SPRINGS

on a production or
experimental basis

(We Have Engineering Services)

BARNES-GIBSON-RAYMOND-ING

NEW YORK

FEDERAL APPROVED* SKIS

*Approved by the
Department of Commerce



FEATURING

- Composite construction of Steel, Dural and Spruce.
- Patented metal stressed arch.
- Tapered fore and aft for flexibility.
- Metal balance and recess for long uninterrupted service.
- Light indestructible columns.
- Full rubber bushed axle bearing.
- Double safety fittings front and rear.
- Wood and metal dural weather-proofed.
- Minimum side area for landing.
- Clean lines preventing water carrying.
- Easy to install and maintain.
- Simple anti-icing-in device at small additional cost.

Choose your requirements
from this table:

SKIS	Approximate	Approx. Weight of	Weight Per Pair	Also
			(Approximate)	Standard
400	1,000 lbs.	40 lbs.	80 lbs.	100 lbs.
450	1,100 lbs.	45 lbs.	90 lbs.	110 lbs.
500	1,200 lbs.	50 lbs.	100 lbs.	120 lbs.
550	1,300 lbs.	55 lbs.	110 lbs.	130 lbs.
600	1,400 lbs.	60 lbs.	120 lbs.	140 lbs.
650	1,500 lbs.	65 lbs.	130 lbs.	150 lbs.
700	1,600 lbs.	70 lbs.	140 lbs.	160 lbs.
750	1,700 lbs.	75 lbs.	150 lbs.	170 lbs.
800	1,800 lbs.	80 lbs.	160 lbs.	180 lbs.
850	1,900 lbs.	85 lbs.	170 lbs.	190 lbs.
900	2,000 lbs.	90 lbs.	180 lbs.	200 lbs.

WRITE for illustrated folder showing typical installation including Fuel Tank, Skis, Tire, Tire, Air, Wheel, etc. Over twenty-two makes of planes have been Federal approved. Forward your number of skin and we will send price and other details.

FEDERAL AIRCRAFT WORKS

60 South 13th Street
Minneapolis, Minnesota

Quicker and more Economical Aircraft Assembly with Hartshorn Tie Rods



STREAMLINE TIE RODS are light and strong. They offer little resistance to the wind, thereby increasing speed and reducing fuel consumption.

Draw every ship you build or fly with

Hartshorn
INC.

**AIRCRAFT
TIE RODS**

STEWART HARTSHORN CO.
250 Fifth Avenue New York, N. Y.

AN ORIGINAL
DEVELOPMENT IN
STAINLESS STEEL

AIRPLANE RIBS

...Ribs that are weatherproof, light, permanently strong, uniform and economical. Write for information.

EDWARD G. BUDD
MANUFACTURING CO.
PHILADELPHIA



Where there is no landing
there must be no failure

For SPRINGS of any kind, of
any material, for any purpose
in motors, controls or landing
gear, etc.

GIBSON SPRINGS

WM. D. GIBSON CO.
1800 Clybourn Avenue ••• CHICAGO, ILL.

Send for our Catalogue

Just published!
a manual of
propeller
design

—complete
—up-to-date
—practical



Every aircraft designer and engineer needs this specialized treatise on propeller design problems. Covers both theory and practice. Shows how to adapt design for maximum efficiency with all aircraft types and operating conditions.

Aircraft Propeller Design

by FRED E. WHICK

Authoritative Statement, Complete Historical Background, Latest
Practical Airplane Construction, Airplane Propeller Design, Airplane
294 pages, 4 x 5, 180 illustrations, \$4.00

THIS book presents the theoretical, experimental and practical aspects of propeller design, including the most recently available data on development of the past few years in this field. The data presented is drawn from the author's designing experience with both the Navy Department and private manufacturers, and is based on wind tunnel and flight tests. The subject is treated not only from the point of view of propeller performance and efficiency, but also directly in terms of the effect on airplane performance. The dominating influence which airplane and engine designers have on propeller efficiency obtained, due to their control of the conditions under which the propeller must operate, is clearly brought out.

Some of the important topics covered
—construction, airfoil and blade-theory
—blade-shape, its speed and body and propeller interference
—aerodynamic theory
—correlation of propeller and engine
—material and form of construction
—an summary of design factors and an outline of the practical phases of design procedure.

New, simple method for selecting propellers
An important feature is a simple method, given with working charts, of selecting propellers for any airplane, and quickly checking the results under any conditions.

Examine this new book 10 days FREE
Send this coupon

McGraw-Hill
FREE EXAMINATION COUPON

McGraw-Hill Book Co., Inc., 1221 Seventh Avenue, New York.
Send me (please) "Aircraft Propeller Design" with working charts, an outline of design factors, and an outline of the practical phases of design procedure. I will send \$4.00 to you when the book is delivered.
Name _____ (Please Print)
Address _____
City and State _____
Eighth Position _____
Name of Company _____
Title _____
Send no money now. Payment will be made when the book is delivered.

THE SCREWS that hold the world together



If you will look around you, whether you are in a house, a boat, an airplane, a church or an office building, you will find that there are hundreds of screws doing hundreds of jobs—they are holding together a "world" of construction.

Famous for length of service, strong bodies and easy driving, are American Screws. For 93 years they have been the standard of quality for the world of industry.



You can do any job better with American Screws.

WOOD SCREWS TREE BOLTS SHEET METAL SCREWS

AMERICAN SCREW CO.
PROVIDENCE, R. I., U.S.A.
WESTERN BRANCHES WITH BRONCO ELECTRICAL
Put It Together With Screws



the altitude
record of
perfection!

The aeronautical world has almost unanimously agreed that the dependability and perfection of Zapon is unparalleled.

Clear Nitrate Acroplane
Dopes—Semi-Pigmented
Acroplane Dopes—Gloss-
Pigmented Acroplane
Dopes

are all made by Zapon, under the supervision of expert technicians who thoroughly understand the importance of safety in the air. Extensive laboratory tests leave nothing to chance and constant research work insures a perfection that is unequaled elsewhere.

Thinner,
Lacquer Finishes and
Lacquer Primers are
also available.



Solid durable
plus wood color,
and previous
have made Zapon
China the most
popular of acroplane
dopes in ap-
plication. Write
today for further
particulars.

THE ZAPON COMPANY

STAMFORD, CONN.

Schiffhury of Atlas Powder Company



Guarding the *Aviation* *Industry* with copper-steel

Better materials? Better construction! These are the watch-words of the aviation industry. And this idea should begin at the property line — with Cyclone Fence. Made of copper-steel, designed for strength and durability, it brings you the finest in materials and construction your fence dollar can buy. Cyclone Fence is the standard protection for airplane factories and airports throughout America.

Cyclone Fence

Circle Eighteen help you also see how. Request any one of the following literature samples. Please, write, or order for information.

CYCLONE FENCE COMPANY

General Office, Washington, D.C.

Branch Office in 28 Cities and Cities

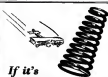
Patented (U.S. Patents)
STANDARD FENCE COMPANY, CHICAGO, ILL.

INCORPORATED IN
UNITED STATES STEEL CORPORATION



© C. C. Co., Inc.

AVIATION
January, 1931



If it's DEPENDABILITY you want...

...to keep your Production Lines on the move, Barnes-made Springs have been building a reputation for dependable service for years. Won't you tell us your spring requirements... one or a million?

The Wallace Barnes Co.
Bristol, Conn., U. S. A.

Sitka Spruce



Clear selected grain and inspected to U. S. Aircraft specifications. Spars, beams and rib stock—all sizes—all lengths. Immediate shipments, express or freight same day.

PLYWOOD

Maple, 1/4", 1/2", 3/4", 1", 1 1/2", 2", 3", 4", 6", 8", 10", 12", 14", 16", 18", 20", 22", 24", 26", 28", 30", 32", 34", 36", 38", 40", 42", 44", 46", 48", 50", 52", 54", 56", 58", 60", 62", 64", 66", 68", 70", 72", 74", 76", 78", 80", 82", 84", 86", 88", 90", 92", 94", 96", 98", 100", 102", 104", 106", 108", 110", 112", 114", 116", 118", 120", 122", 124", 126", 128", 130", 132", 134", 136", 138", 140", 142", 144", 146", 148", 150", 152", 154", 156", 158", 160", 162", 164", 166", 168", 170", 172", 174", 176", 178", 180", 182", 184", 186", 188", 190", 192", 194", 196", 198", 200", 202", 204", 206", 208", 210", 212", 214", 216", 218", 220", 222", 224", 226", 228", 230", 232", 234", 236", 238", 240", 242", 244", 246", 248", 250", 252", 254", 256", 258", 260", 262", 264", 266", 268", 270", 272", 274", 276", 278", 280", 282", 284", 286", 288", 290", 292", 294", 296", 298", 300", 302", 304", 306", 308", 310", 312", 314", 316", 318", 320", 322", 324", 326", 328", 330", 332", 334", 336", 338", 340", 342", 344", 346", 348", 350", 352", 354", 356", 358", 360", 362", 364", 366", 368", 370", 372", 374", 376", 378", 380", 382", 384", 386", 388", 390", 392", 394", 396", 398", 400", 402", 404", 406", 408", 410", 412", 414", 416", 418", 420", 422", 424", 426", 428", 430", 432", 434", 436", 438", 440", 442", 444", 446", 448", 450", 452", 454", 456", 458", 460", 462", 464", 466", 468", 470", 472", 474", 476", 478", 480", 482", 484", 486", 488", 490", 492", 494", 496", 498", 500", 502", 504", 506", 508", 510", 512", 514", 516", 518", 520", 522", 524", 526", 528", 530", 532", 534", 536", 538", 540", 542", 544", 546", 548", 550", 552", 554", 556", 558", 560", 562", 564", 566", 568", 570", 572", 574", 576", 578", 580", 582", 584", 586", 588", 590", 592", 594", 596", 598", 600", 602", 604", 606", 608", 610", 612", 614", 616", 618", 620", 622", 624", 626", 628", 630", 632", 634", 636", 638", 640", 642", 644", 646", 648", 650", 652", 654", 656", 658", 660", 662", 664", 666", 668", 670", 672", 674", 676", 678", 680", 682", 684", 686", 688", 690", 692", 694", 696", 698", 700", 702", 704", 706", 708", 710", 712", 714", 716", 718", 720", 722", 724", 726", 728", 730, 732, 734, 736, 738, 740, 742, 744, 746, 748, 750, 752, 754, 756, 758, 760, 762, 764, 766, 768, 770, 772, 774, 776, 778, 780, 782, 784, 786, 788, 790, 792, 794, 796, 798, 800, 802, 804, 806, 808, 810, 812, 814, 816, 818, 820, 822, 824, 826, 828, 830, 832, 834, 836, 838, 840, 842, 844, 846, 848, 850, 852, 854, 856, 858, 860, 862, 864, 866, 868, 870, 872, 874, 876, 878, 880, 882, 884, 886, 888, 890, 892, 894, 896, 898, 900, 902, 904, 906, 908, 910, 912, 914, 916, 918, 920, 922, 924, 926, 928, 930, 932, 934, 936, 938, 940, 942, 944, 946, 948, 950, 952, 954, 956, 958, 960, 962, 964, 966, 968, 970, 972, 974, 976, 978, 980, 982, 984, 986, 988, 990, 992, 994, 996, 998, 1000, 1002, 1004, 1006, 1008, 1010, 1012, 1014, 1016, 1018, 1020, 1022, 1024, 1026, 1028, 1030, 1032, 1034, 1036, 1038, 1040, 1042, 1044, 1046, 1048, 1050, 1052, 1054, 1056, 1058, 1060, 1062, 1064, 1066, 1068, 1070, 1072, 1074, 1076, 1078, 1080, 1082, 1084, 1086, 1088, 1090, 1092, 1094, 1096, 1098, 1100, 1102, 1104, 1106, 1108, 1110, 1112, 1114, 1116, 1118, 1120, 1122, 1124, 1126, 1128, 1130, 1132, 1134, 1136, 1138, 1140, 1142, 1144, 1146, 1148, 1150, 1152, 1154, 1156, 1158, 1160, 1162, 1164, 1166, 1168, 1170, 1172, 1174, 1176, 1178, 1180, 1182, 1184, 1186, 1188, 1190, 1192, 1194, 1196, 1198, 1200, 1202, 1204, 1206, 1208, 1210, 1212, 1214, 1216, 1218, 1220, 1222, 1224, 1226, 1228, 1230, 1232, 1234, 1236, 1238, 1240, 1242, 1244, 1246, 1248, 1250, 1252, 1254, 1256, 1258, 1260, 1262, 1264, 1266, 1268, 1270, 1272, 1274, 1276, 1278, 1280, 1282, 1284, 1286, 1288, 1290, 1292, 1294, 1296, 1298, 1300, 1302, 1304, 1306, 1308, 1310, 1312, 1314, 1316, 1318, 1320, 1322, 1324, 1326, 1328, 1330, 1332, 1334, 1336, 1338, 1340, 1342, 1344, 1346, 1348, 1350, 1352, 1354, 1356, 1358, 1360, 1362, 1364, 1366, 1368, 1370, 1372, 1374, 1376, 1378, 1380, 1382, 1384, 1386, 1388, 1390, 1392, 1394, 1396, 1398, 1400, 1402, 1404, 1406, 1408, 1410, 1412, 1414, 1416, 1418, 1420, 1422, 1424, 1426, 1428, 1430, 1432, 1434, 1436, 1438, 1440, 1442, 1444, 1446, 1448, 1450, 1452, 1454, 1456, 1458, 1460, 1462, 1464, 1466, 1468, 1470, 1472, 1474, 1476, 1478, 1480, 1482, 1484, 1486, 1488, 1490, 1492, 1494, 1496, 1498, 1500, 1502, 1504, 1506, 1508, 1510, 1512, 1514, 1516, 1518, 1520, 1522, 1524, 1526, 1528, 1530, 1532, 1534, 1536, 1538, 1540, 1542, 1544, 1546, 1548, 1550, 1552, 1554, 1556, 1558, 1560, 1562, 1564, 1566, 1568, 1570, 1572, 1574, 1576, 1578, 1580, 1582, 1584, 1586, 1588, 1590, 1592, 1594, 1596, 1598, 1600, 1602, 1604, 1606, 1608, 1610, 1612, 1614, 1616, 1618, 1620, 1622, 1624, 1626, 1628, 1630, 1632, 1634, 1636, 1638, 1640, 1642, 1644, 1646, 1648, 1650, 1652, 1654, 1656, 1658, 1660, 1662, 1664, 1666, 1668, 1670, 1672, 1674, 1676, 1678, 1680, 1682, 1684, 1686, 1688, 1690, 1692, 1694, 1696, 1698, 1700, 1702, 1704, 1706, 1708, 1710, 1712, 1714, 1716, 1718, 1720, 1722, 1724, 1726, 1728, 1730, 1732, 1734, 1736, 1738, 1740, 1742, 1744, 1746, 1748, 1750, 1752, 1754, 1756, 1758, 1760, 1762, 1764, 1766, 1768, 1770, 1772, 1774, 1776, 1778, 1780, 1782, 1784, 1786, 1788, 1790, 1792, 1794, 1796, 1798, 1800, 1802, 1804, 1806, 1808, 1810, 1812, 1814, 1816, 1818, 1820, 1822, 1824, 1826, 1828, 1830, 1832, 1834, 1836, 1838, 1840, 1842, 1844, 1846, 1848, 1850, 1852, 1854, 1856, 1858, 1860, 1862, 1864, 1866, 1868, 1870, 1872, 1874, 1876, 1878, 1880, 1882, 1884, 1886, 1888, 1890, 1892, 1894, 1896, 1898, 1900, 1902, 1904, 1906, 1908, 1910, 1912, 1914, 1916, 1918, 1920, 1922, 1924, 1926, 1928, 1930, 1932, 1934, 1936, 1938, 1940, 1942, 1944, 1946, 1948, 1950, 1952, 1954, 1956, 1958, 1960, 1962, 1964, 1966, 1968, 1970, 1972, 1974, 1976, 1978, 1980, 1982, 1984, 1986, 1988, 1990, 1992, 1994, 1996, 1998, 2000, 2002, 2004, 2006, 2008, 2010, 2012, 2014, 2016, 2018, 2020, 2022, 2024, 2026, 2028, 2030, 2032, 2034, 2036, 2038, 2040, 2042, 2044, 2046, 2048, 2050, 2052, 2054, 2056, 2058, 2060, 2062, 2064, 2066, 2068, 2070, 2072, 2074, 2076, 2078, 2080, 2082, 2084, 2086, 2088, 2090, 2092, 2094, 2096, 2098, 2100, 2102, 2104, 2106, 2108, 2110, 2112, 2114, 2116, 2118, 2120, 2122, 2124, 2126, 2128, 2130, 2132, 2134, 2136, 2138, 2140, 2142, 2144, 2146, 2148, 2150, 2152, 2154, 2156, 2158, 2160, 2162, 2164, 2166, 2168, 2170, 2172, 2174, 2176, 2178, 2180, 2182, 2184, 2186, 2188, 2190, 2192, 2194, 2196, 2198, 2200, 2202, 2204, 2206, 2208, 2210, 2212, 2214, 2216, 2218, 2220, 2222, 2224, 2226, 2228, 2230, 2232, 2234, 2236, 2238, 2240, 2242, 2244, 2246, 2248, 2250, 2252, 2254, 2256, 2258, 2260, 2262, 2264, 2266, 2268, 2270, 2272, 2274, 2276, 2278, 2280, 2282, 2284, 2286, 2288, 2290, 2292, 2294, 2296, 2298, 2300, 2302, 2304, 2306, 2308, 2310, 2312, 2314, 2316, 2318, 2320, 2322, 2324, 2326, 2328, 2330, 2332, 2334, 2336, 2338, 2340, 2342, 2344, 2346, 2348, 2350, 2352, 2354, 2356, 2358, 2360, 2362, 2364, 2366, 2368, 2370, 2372, 2374, 2376, 2378, 2380, 2382, 2384, 2386, 2388, 2390, 2392, 2394, 2396, 2398, 2400, 2402, 2404, 2406, 2408, 2410, 2412, 2414, 2416, 2418, 2420, 2422, 2424, 2426, 2428, 2430, 2432, 2434, 2436, 2438, 2440, 2442, 2444, 2446, 2448, 2450, 2452, 2454, 2456, 2458, 2460, 2462, 2464, 2466, 2468, 2470, 2472, 2474, 2476, 2478, 2480, 2482, 2484, 2486, 2488, 2490, 2492, 2494, 2496, 2498, 2500, 2502, 2504, 2506, 2508, 2510, 2512, 2514, 2516, 2518, 2520, 2522, 2524, 2526, 2528, 2530, 2532, 2534, 2536, 2538, 2540, 2542, 2544, 2546, 2548, 2550, 2552, 2554, 2556, 2558, 2560, 2562, 2564, 2566, 2568, 2570, 2572, 2574, 2576, 2578, 2580, 2582, 2584, 2586, 2588, 2590, 2592, 2594, 2596, 2598, 2600, 2602, 2604, 2606, 2608, 2610, 2612, 2614, 2616, 2618, 2620, 2622, 2624, 2626, 2628, 2630, 2632, 2634, 2636, 2638, 2640, 2642, 2644, 2646, 2648, 2650, 2652, 2654, 2656, 2658, 2660, 2662, 2664, 2666, 2668, 2670, 2672, 2674, 2676, 2678, 2680, 2682, 2684, 2686, 2688, 2690, 2692, 2694, 2696, 2698, 2700, 2702, 2704, 2706, 2708, 2710, 2712, 2714, 2716, 2718, 2720, 2722, 2724, 2726, 2728, 2730, 2732, 2734, 2736, 2738, 2740, 2742, 2744, 2746, 2748, 2750, 2752, 2754, 2756, 2758, 2760, 2762, 2764, 2766, 2768, 2770, 2772, 2774, 2776, 2778, 2780, 2782, 2784, 2786, 2788, 2790, 2792, 2794, 2796, 2798, 2800, 2802, 2804, 2806, 2808, 2810, 2812, 2814, 2816, 2818, 2820, 2822, 2824, 2826, 2828, 2830, 2832, 2834, 2836, 2838, 2840, 2842, 2844, 2846, 2848, 2850, 2852, 2854, 2856, 2858, 2860, 2862, 2864, 2866, 2868, 2870, 2872, 2874, 2876, 2878, 2880, 2882, 2884, 2886, 2888, 2890, 2892, 2894, 2896, 2898, 2900, 2902, 2904, 2906, 2908, 2910, 2912, 2914, 2916, 2918, 2920, 2922, 2924, 2926, 2928, 2930, 2932, 2934, 2936, 2938, 2940, 2942, 2944, 2946, 2948, 2950, 2952, 2954, 2956, 2958, 2960, 2962, 2964, 2966, 2968, 2970, 2972, 2974, 2976, 2978, 2980, 2982, 2984, 2986, 2988, 2990, 2992, 2994, 2996, 2998, 3000, 3002, 3004, 3006, 3008, 3010, 3012, 3014, 3016, 3018, 3020, 3022, 3024, 3026, 3028, 3030, 3032, 3034, 3036, 3038, 3040, 3042, 3044, 3046, 3048, 3050, 3052, 3054, 3056, 3058, 3060, 3062, 3064, 3066, 3068, 3070, 3072, 3074, 3076, 3078, 3080, 3082, 3084, 3086, 3088, 3090, 3092, 3094, 3096, 3098, 3100, 3102, 3104, 3106, 3108, 3110, 3112, 3114, 3116, 3118, 3120, 3122, 3124, 3126, 3128, 3130, 3132, 3134, 3136, 3138, 3140, 3142, 3144, 3146, 3148, 3150, 3152, 3154, 3156, 3158, 3160, 3162, 3164, 3166, 3168, 3170, 3172, 3174, 3176, 3178, 3180, 3182, 3184, 3186, 3188, 3190, 3192, 3194, 3196, 3198, 3200, 3202, 3204, 3206, 3208, 3210, 3212, 3214, 3216, 3218, 3220, 3222, 3224, 3226, 3228, 3230, 3232, 3234, 3236, 3238, 3240, 3242, 3244, 3246, 3248, 3250, 3252, 3254, 3256, 3258, 3260, 3262, 3264, 3266, 3268, 3270, 3272, 3274, 3276, 3278, 3280, 3282, 3284, 3286, 3288, 3290, 3292, 3294, 3296, 3298, 3300, 3302, 3304, 3306, 3308, 3310, 3312, 3314, 3316, 3318, 3320, 3322, 3324, 3326, 3328, 3330, 3332, 3334, 3336, 3338, 3340, 3342, 3344, 3346, 3348, 3350, 3352, 3354, 3356, 3358, 3360, 3362, 3364, 3366, 3368, 3370, 3372, 3374, 3376, 3378, 3380, 3382, 3384, 3386, 3388, 3390, 3392, 3394, 3396, 3398, 3400, 3402, 3404, 3406, 3408, 3410, 3412, 3414, 3416, 3418, 3420, 3422, 3424, 3426, 3428, 3430, 3432, 3434, 3436, 3438, 3440, 3442, 3444, 3446, 3448, 3450, 3452, 3454, 3456, 3458, 3460, 3462, 3464, 3466, 3468, 3470, 3472, 3474, 3476, 3478, 3480, 3482, 3484, 3486, 3488, 3490, 3492, 3494, 3496, 3498, 3500, 3502, 3504, 3506, 3508, 3510, 3512, 3514, 3516, 3518, 3520, 3522, 3524, 3526, 3528, 3530, 3532, 3534, 3536, 3538, 3540, 3542, 3544, 3546, 3548, 3550, 3552, 3554, 3556, 3558, 3560, 3562, 3564, 3566, 3568, 3570, 3572, 3574, 3576, 3578, 3580, 3582, 3584, 3586, 3588, 3590, 3592, 3594, 3596, 3598, 3600, 3602, 3604, 3606, 3608, 3610, 3612, 3614, 3616, 3618, 3620, 3622, 3624, 3626, 3628, 3630, 3632, 3634, 3636, 3638, 3640, 3642, 3644, 3646, 3648, 3650, 3652, 3654, 3656, 3658, 3660, 3662, 3664, 3666, 3668, 3670, 3672, 3674, 3676, 3678, 3680, 3682, 3684, 3686, 3688, 3690, 3692, 3694, 3696, 3698, 3700, 3702, 3704, 3706, 3708, 3710, 3712, 3714, 3716, 3718, 3720, 3722, 3724, 3726, 3728, 3730, 3732, 3734, 3736, 3738, 3740, 3742, 3744, 3746, 3748, 3750, 3752, 3754, 3756, 3758, 3760, 3762, 3764, 3766, 3768, 3770, 3772, 3774, 3776, 3778, 3780, 3782, 3784, 3786, 3788, 3790, 3792, 3794, 3796, 3798, 3800, 3802, 3804, 3806, 3808, 3810, 3812, 3814, 3816, 3818, 3820, 3822, 3824, 3826, 3828, 3830, 3832, 3834, 3836, 3838, 3840, 3842, 3844, 3846, 3848, 3850, 3852, 3854, 3856, 3858, 3860, 3862, 3864, 3866, 3868, 3870, 3872, 3874, 3876, 3878, 3880, 388

AIRCRAFT SERVICE DIRECTORY

STATE UNIVERSAL SAW



For Commercial Work
STATE MFG. & ENGR. CO.
208 PARK STREET, CHICAGO



St. Louis
The St. Louis Aircraft Co.
1000 St. Louis, Mo.
The St. Louis Aircraft Co.
1000 St. Louis, Mo.



CHURCH MID-WING

Standard Equipment: 1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500



1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500

AIRPLANE—SPRUCE—GLIDERS

1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500

TRIUMPH

1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500

The Aircraft Service Directory brings you into contact with the entire Aeronautical Industry.

PROFESSIONAL SERVICES

National Aircraft Engineers, Inc.

1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500

1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500

1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500

1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500

1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500

1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500

1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500

GOOD ADVICE

Should Be Solicited
When Needed

Every Airplane Plant presents a set of highly individual problems that must be answered by expert assistance, taking into consideration all of the technical peculiarities of the plant under scrutiny.

You can find the specific answer to your aviation problem through the Directory of Professional Services shown on this page.

WHERE TO FLY



1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500

1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500

1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500

1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500

1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500

1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500

1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500

1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500

1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500

1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500

For advertising rates in the "Where To Fly" Section of Aviation write to SEARCHLIGHT DEPT., Truth Air, at 144 St., New York City

SEARCHLIGHT SECTION

FOR SALE

1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500

FOR SALE

1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500

FOR SALE

1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500
1000 and 1500

(Continued on following page)



17 WORLD'S RECORDS



Above: Lee Shoenhair with his Wasp powered Lockheed—holder of six world's records. Upper right: Capt. Boris Sergievsky with his record-breaking Hornet powered Sikorsky. Lower right: the Ford, powered with three Wasp engines, in which Leroy Manning established his record for speed with load.



NOW HELD BY PRATT & WHITNEY

TWO more world's records have recently been established by planes equipped with Pratt & Whitney engines. Both are for speed over a specified distance, and one of these was made with a load of 2000 kilograms . . . just 409 pounds over two tons.

Flying a Ford, powered with three Wasp engines, Leroy Manning carried his 2000 kg. load over a 100 km. course at an average speed of 164.42 miles per hour—beating the best previous time by a margin of twenty-two miles per hour.

Lee Shoenhair of the B. F. Goodrich Rubber Company made the 1000 km. speed record in a Wasp powered Lockheed Vega. His average speed, made October 27, 1930, was 164.26 miles per hour. This is the same plane in which Shoenhair established five world's speed records with loads.

Pratt & Whitney engines now hold seventeen world's records—the largest number held by any airplane engine manufacturer. This is the situation as of December 11, 1930. These marks have been set for altitude, speed, range and endurance, covering the entire field of airplane performance. Airplane manufacturers and air transport operators can offer no more convincing proof of dependability than to say: "These planes are powered by Pratt & Whitney."

**THE
PRATT & WHITNEY AIRCRAFT CO.**
EAST HARTFORD . . . CONNECTICUT
Division of United Aircraft & Transport Corporation

Manufactured in Canada by Canadian Pratt & Whitney Aircraft Co., Ltd., Longueuil, Quebec; in Continental Europe by Bavarian Motor Works, Munich; in Japan by Nakajima Aircraft Works, Tokyo.

Wasp & Hornet Engines

REGISTERED TRADE-MARK

